हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

एक नजर

जवानों की शहादत ने लिखी शांति और विकास की इबारत | ढाई दशक के बाद अब नक्सली खात्मे की ओर

24 साल में 1400 की शहादत

राज्य में वर्ष 2001 से लेकर 2024 तक नक्सल हिंसा की घटनाओं तथा नक्सलियों से मुकाबले में जान गंवाने वाले सुरक्षा बलों के जवानों की संख्या करीब 1400 रही है।

- जिला पुलिस बल के 328
- सीएएफ के 145
- एसटीएफ के 42
- असिस्टेंट कांस्टेबल 69
- एसपीओ 194
- गोपनीय सैनिक 53
- नगर सैनिक 7
- सीआरपीएफ 453
- बीएसएफ 30
- सीआईएसएफ 26
- आईटीबीपी 11
- एसएसबी 5,
- मिजो फोर्, 10
- नागा फोर्स 20 और
- बस्तर बटालियन के 1 जवान सहित कुल 1395 शहीद हुए हैं।

सीआरपीएफ की सबसे बड़ी शहादत

6 अप्रैल 2010 को बस्तर के दंतेवाड़ा जिले के घने जंगलों में 6 अप्रैल 2010 को नक्सलियों ने घात लगाकर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों पर हमला कर दिया। इस हमले में 75 जवान और राज्य पुलिस के एक जवान की मौत हो गई। लगभग 1000 से अधिक नक्सलियों ने घात लगाकर 150 जवानों को घेर लिया था। इस हमले को बड़ा और भयंकर नक्सली हमला माना जाता है।

25 मई 2013 झीरम घाटी कांड

बस्तर में नक्सली हिंसा की वारदात के इतिहास की जब भी बात होगी तो झीरम घाटी कांड़ हमेशा याद किया जाएगा। इस हमले में निशाना पुलिस बल नहीं बल्कि राज्य में कांग्रेस पार्टी की परिवर्तन रैली थी। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले की दरभा घाटी में चल रही कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर नक्सलियों ने हमला किया था। इस हमले में कई पुलिसकर्मी और राज्य के बड़े कद्दावर कांग्रेसी नेताओं की जान चल गई। जिसमें पूर्व मंत्री नंद कुमार पटेल, वरिष्ठ नेता महेंद्र कर्मा और विद्याचरण शुक्ल सहित कुल 32 लोगों की मौत हुई थी. जबकि 30 से ज्यादा घायल हुए थे।

नक्सल मुक्त राज्य के लिए माआवादियों से संघर्ष अभी चरम पर है और एक तरह से देखा जाए तो निर्णायक जंग चल रही है। इस बीच आंकड़े बताते हैं कि 24 सालों में नक्सलियों के खिलाफ जंग में थोक में नक्सली तो मारे ही गए है, हमारे 1400 जवानों को भी शहादत देनी पड़ी। इनमें सबसे ज्यादा संख्या सीआरपीएफ के लड़ाकों की रही है। इस अवधि में सीआरपीएफ के 453 जवान शहीद हुए है। जिला पुलिस बल को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

24 साल में छत्तीसगढ़ के नक्सल मोर्चे पर 1400 जवान हुए शहीद, इनमें सीआरपीएफ के सबसे ज्यादा 'लड़ाके'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जिया कुरैशी

हरिभूमि खास

छत्तीसगढ़ राज्य का गठन वर्ष 2000 में हुआ, उस समय नक्सलियों का राज्य पर फोकस नहीं था, नक्सली भी उतने ऊपर नहीं थे, लेकिन धीरे धीरे राज्य में अपना प्रभाव बढ़ा रहे थे। अलग राज्य बनने के बाद पहली राज्य सरकार कांग्रेस की आई, उस समय तक भी हिंसक घटनाएं कम होती थीं और जवानों की शहादत भी इक्का-दुक्का हुआ करती थी। इसके बाद 2003 में भाजपा सरकार बनने के बाद 2005 में अचानक नक्सलियों ने तांडव शुरू किया। यह वही साल था, जब नक्सलियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ में सलवा जुड़ूम अभियान की शुरुआत हुई थी। इसी साल नक्सलियों ने 51 जवानों को शहीद किया था। इसके बाद अगले ही साल 2006 में 76 जवान शहीद हुए। इसके बाद के ▶▶| शेष पेज 4 पर

सबसे बड़ी शहादत रानी बोदली

साल 2007 में 200 जवानों ने दी कुर्बानी। बस्तर में साल 2007 में नक्सलियों ने रानी बोदली में सुराक्षा बलों के कैंप पर हमला किया था। इस घटना में जवानों ने नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब भी दिया था। बताया जाता है कि नक्सलियों से लोहा लेते हुए जवानों की गोलियां खत्म हो गई थीं, जिसके बाद नक्सली कैंप में घुसे और पेट्रोल बम दागे थे। नक्सलियों से बहादुरी से लोहा लेते हुए लगभग 55 जवान शहीद हुए थे। पुलिस जवानों का कैंप मानों श्मशान बन गया था। जगह-जगह शवों ▶▶| शेष पेज 4 पर

बेस कैंप पर हमला सीआरपीएफ के 25 जवान हुए थे शहीद

2017 में सुकमा के बुरकापाल बेस कैंप के नजदीक नक्सलियों ने घात लगाकर हमला कर दिया था. इस हमले में 25 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे. बताया जाता है कि जब जवानों की दो टीम पेट्रोलिंग के लिए निकली ही थी कि घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने हमला कर दिया। 13 मार्च ▶▶| शेष पेज 4 पर

सबसे बड़ी मुठभेड़ में 29 नक्सलियों का सफाया

16 अप्रैल 2024 को कांकेर जिले के छोटे बेठिया थाना क्षेत्र के माड़ इलाके में देश की सबसे बड़ी मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे गये थे। पुलिस फोर्स और नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में नक्सली कमांडर शंकर राव ढेर हो गया था। शंकर राव पर 25 लाख का इनाम था। पुलिस ने ▶▶| शेष पेज 4 पर

जिले में नक्सली आतंक

राजनांदगांव जिले में नक्सली वारदात में एसपी शहीद 2009

बस्तर के अलावा नक्सलियों ने महाराष्ट्र की सीमा से लगे राजनांदगांव जिले में आतंक मचाया था। राजनांदगांव जिले के मदनवाड़ा कोरकोट्टी में 12 जुलाई 2009 को बड़ा नक्सली हमला हुआ था। राजनांदगांव जिले के तत्कालीन एसपी विनोद कुमार चौबे मदनवाड़ा जा रहे थे, इसी दौरान नक्सलियों ने एंबुश लगाकर पुलिस पार्टी पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले के बाद जवानों ने मोर्चा संभाला, लेकिन कई घंटों तक चली मुठभेड़ के बाद जिले के एसपी विनोद कुमार चौबे सहित 29 जवानों की जानें गईं थीं।

नक्सलियों के गढ़ में पुलिस के कैंप ...

आरपीएफ ने ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस की जनरल बोगी से पकड़ा

सैफ के हमलावर का छग कनेक्शन संदिग्ध दुर्ग स्टेशन पर पकड़ा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

हरिभूमि फॉलोअप

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के घर में घुसकर हमला करने वाला संदिग्ध युवक छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर पकड़ा गया है। आरपीएफ उसे संदिग्ध मान रही है। जानकारी के मुताबिक मोबाइल नंबर और मुंबई पुलिस द्वारा भेजी गई तस्वीर के आधार पर युवक को हिरासत में लिया गया है। युवक का नाम आकाश पिता कैलाश कनौजिया बताया गया है। वह कोलाबा मुंबई का रहने वाला है, जो चांपा बिलासपुर में अपने रिश्तेदार नानी के घर जा रहा था। बहरहाल, आरपीएफ दुर्ग के सामने आरोपी ने घटना के ▶▶| शेष पेज 4 पर

मुंबई पुलिस पहुंची छत्तीसगढ़

सीसीटीवी में ये हुआ था कैद

दुर्ग में पकड़ा गया यह

दूसरे संदिग्ध से मिला आकाश का नंबर

सैफ अली खान पर हमले के बाद मुंबई पुलिस की टीम ने एक संदिग्ध आरोपी को पहले ही मुंबई में पकड़ रखा है। उसके मोबाइल पर कुछ नंबर मिले जो संदिग्ध किस्म के हैं। उसी आधार पर मुंबई पुलिस ने संदिग्ध का फोटो वायरल किया था। सोशल मीडिया पर फोटो वायरल होने के बाद ही आकाश के बारे में पता चल पाया। मुंबई में पकड़े गए युवक के पास से पुलिस को फोन की डायरी भी मिली है। इसके अलावा आईएमईआई नंबर भी मिला था, जो आकाश के मोबाइल का था। उसी आधार पर उसका लोकेशन ट्रेस किया गया।

मुंबई पुलिस ने लोकेशन भेजा था

अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने वाले आरोपी का लोकेशन और फोटो आरपीएफ को मिला था। उसी आधार आरोपी की खोजबीन की जा रही थी। मुंबई पुलिस ने जब लोकेशन भेजा, उस समय ट्रेन राजनांदगांव पहुंची थी, लेकिन वहां खोजबीन में उसका पता नहीं चला और ट्रेन आगे बढ़ गई। गाड़ी जब दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंची तो आरपीएफ की टीम ने जनरल बोगी में घुसकर उसे ▶▶| शेष पेज 4 पर

मुंबई की पुलिस टीम पहुंची दुर्ग

बांद्रा पुलिस मुंबई की टीम नियमित विमान से रात 8 बजे पुलिस अफसर प्रदीप फुंडे और योगेश नारले के नेतृत्व रायपुर पहुंची। रायपुर से रात 10:30 बजे के आसपास दुर्ग रेलवे स्टेशन स्थित आरपीएफ थाना दुर्ग पहुंची और हिरासत में लिए गए आकाश कनौजिया को मुंबई ले जाने की तैयारी कर रही है। रविवार को ट्रांजिट रिमांड ली जाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

वाट्सएप पर भेजा तीन बार तलाक, जुर्म दर्ज

बिलासपुर। शादी के बाद पति ने तीन बार तलाक बोलकर पत्नी को घर से भगा दिया और उनके वाट्सएप में तीन बार तलाक लिखकर भेज दिया। पुलिस ने होटल व्यवसायी पति सहित पांच लोगों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है। महिला थाना के एसआई हेमंत सिंह ठाकुर ने बताया, श्रीकांत वर्मा मार्ग में रहनी वाली एक युवती का निकाह 15 दिसंबर 2019 गोविंदम् पैलेस में मुस्लिम रीति रिवाज से ईदगाह चौक निवासी फहद अंसारी से हुआ था। फहद अंसारी ईदगाह चौक में हैसटेक होटल का संचालक है। निकाह के पहले सगाई में उनके माता पिता ने फहद अंसारी को डायमंड लगी प्लेटिनम की अंगूठी पहनाई थी।

सरकारी नौकरी और शिक्षा विभाग एक चिड़ियाघर!

लोरमी ब्लाक के प्रधानपाठक ने कहा- अब मैं अपना मालिक बनकर काम कर सकूंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

अलग खबर

मुंगेली जिले के लोरमी ब्लाक के एक प्रधानपाठक ज्ञानी सिंह ध्रुव ने सरकारी नौकरी और शिक्षा विभाग को चिड़ियाघर बताते हुए इस्तीफा दे दिया है। इसका उल्लेख उन्होंने अपने इस्तीफे में भी किया है। वे अब ऑनलाइन नेटवर्क मार्केटिंग में काम कर मालिक माइंडसेट में रहना चाहते हैं। हालांकि हरिभूमि ने जब उनसे इस बार में पूछा तो उन्होंने परिवार को समय ▶▶| शेष पेज 4 पर

नौकर नहीं मालिक माइंडसेट में रहना है

सरकारी नौकरी को चिड़ियाघर बताने वाले ज्ञानी सिंह ध्रुव का कहना है कि नौकर नहीं मालिक माइंडसेट में रहकर काम करना है। उनके मुताबिक 2005 से 2024 यानी 20 वर्षों में प्रधानपाठक रहते हुए मैं अपना जीवन स्तर नहीं बदल पाया। यह भी लिखा है कि शासकीय नौकरी का मतलब हमारा मालिक कोई और है। बता दें कि ज्ञानी ध्रुव ने प्रधानपाठक ▶▶| शेष पेज 4 पर

भालू के हमले से पिता पुत्र की मौत, वन विभाग के कर्मी समेत दो घायल

हरिभूमि न्यूज:कांकेर/भानुप्रतापपुर

वन परिक्षेत्र कोरर के ग्राम डोंगरकट्टा गांव में सुबह लगभग 10.30 बजे खेत गए दो ग्रामीणों पर भालू ने हमला कर दिया। इस घटना में पिता-पुत्र की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बालू के हमले से एक ग्रामीण की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक ग्रामीण और एक वनकर्मी बेटा घायल हो गया। घायलों को वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद दोनों को रायपुर रेफर किया गया है।

- पहाड़ से शव को लाने के लिए रायपुर से पहुंची रेस्क्यू टीम की ली गई मदद

डोंगरकट्टा निवासी दो युवक 45 वर्षीय सकुलाल दर्रो पिता शंकर दर्रो और 22 वर्षीय अज्जू नरेटी पिता घिरामी नरेटी खेत की ओर गए थे। उसी समय वन विभाग की टीम कुछ दूरी पर मुनारा की जांच के लिए ▶▶| शेष पेज 4 पर

थर्मल ड्रोन से रखेंगे भालू पर नजर

वनमंडलाधिकारी आलोक बाजपेयी ने बताया कि रायपुर और कांकेर की रेस्क्यू टीम रात भर थर्मल ड्रोन की सहायता से भालू की गतिविधि पर नजर बनाए रहेगी। वन विभाग की टीम, पुलिस एवं ग्रामीणों के सहयोग से जेसीबी के माध्यम से दोनों शव को रिकवर कर लिया गया है। शव को पीएम के लिए भानुप्रतापपुर भेजा गया है। कांकेर एवं रायपुर की रेस्क्यू टीम उचित जगह पर केज लगा रही है। मौका पड़ने पर निश्चेतक का भी उपयोग करेगी।

|| HARE KRISHNA ||

ग्राहक अनुभव

हर्षित गोल्ड सिटी प्रीमियम आवासीय प्लॉट्स 100+ विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां पर चारों तरफ स्कूल कॉलेज और यूनिवर्सिटी हैं और साफ सुथरा स्वच्छ वातावरण है। मैंने यहां एक प्लॉट बुक किया। हर्षित गोल्ड सिटी में जिम कई लैंडस्केप गार्डन और स्विमिंग पूल सहित मेट्रो सिटी के अनुरूप अन्य सभी सुविधाएं दी गई हैं। यह वाकई शानदार सौदा है।

आदर्श दुबे

हर्षित गोल्ड सिटी में प्लॉट बुकिंग कराना हर हाल में फायदे का सौदा है। राजधानी रायपुर के प्राइम लोकेशन में वेल डेवलेप हर्षित गोल्ड सिटी रायपुर के एजुकेशन हब कहे जाने वाले नरदहा में किफायती कीमत पर प्लाट का मिलना किसी सपने से कम नहीं हैं। मैंने यहां दो प्लॉट बुक कराएं हैं और मैं बहुत खुश हूं।

लुपेश देवांगन

हर्षित गोल्ड सिटी में प्लॉट लेना बहुत ही फायदेमंद सौदा है मैंने दो प्लॉट बुक किए हैं और मैं बहुत खुश हूं। नरदहा रायपुर का सबसे विकसित होने वाला क्षेत्र है। पर्यावरण और मेट्रो लाइव के लिए यह बहुत की शानदार प्रोजेक्ट है। यहां एजुकेशन हब के साथ विकास की बहुत संभावनाएं हैं

श्याम शुक्ला

हर्षित गोल्ड सिटी के प्लाट मेला में बुकिंग कराना मेरे लिए सौ टका फायदे का सौदा है। यह हाउसिंग समिति बहुत ही शानदार और सुंदर है और डेवलपमेंट बहुत तेजी से हो रहा है। इसलिए इन सभी डेवलपमेंट को देखते हुए मैंने यहां पर एक प्लॉट बुक किया है। और और मैंने हर्षित गोल्ड सिटी में दो प्लाट बुक करवाए हैं।

अमित आनंद

सिंघानिया बिल्डकॉन आपको सादर आमंत्रित करता है

24Ct. गोल्ड में निवेश का अवसर

आरंभ स्कूल के पीछे, विधानसभा रोड, नरदहा-रायपुर

लक्जरी जीवन

आधुनिक सुविधाएँ

किफायती कीमत

HARSHIT GOLD CITY
LIVE IN EL DORADO

प्रीमियम आवासीय प्लॉट्स

प्लॉट साईज 600-1700 वर्गफुट

प्लॉट शुरूआत

₹10.90 लाख

*T&C Apply

वास्तविक तस्वीरें

9827-321-321
www.singhaniabuildcon.com

RERA Reg. No. - PCGRERA040123001580
www.rera.cgstate.gov.in

Credai Member CREDAI Chhattisgarh

RERA APPROVED

Associate Partner PARIDHI GROUP PROPERTY FOR EVERYONE

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

नहीं बिके 196 आवास

बस्तर में हाउसिंग बोर्ड के विभिन्न योजना में 196 आवास अब तक नहीं बिक सके हैं। गीदम में सामान्य आवास योजना में 69 एवं अटल विहार योजना में 127 आवास को विक्रय करने के लिए बोर्ड की ओर से प्रयास किया जा रहा है।

- आउटर में भारी नुकसान, न देखरेख और न ही सुविधाएं
- कई प्रोजेक्ट को नहीं मिल रहे खरीदार जर्जर हुए मकान
- राजधानी के आसपास में भी कई मकानों की बिक्री नहीं

चोर ले गए खिड़की और दरवाजे

लागत भी वसूल नहीं पाया हाउसिंग बोर्ड, खंडहर हो गए ज्यादातर मकान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/जगदलपुर/राजनांदगांव/ दुर्ग/ भिलाई

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

लोगों के लिए राज्यभर में आवास बनाने वाले हाउसिंग बोर्ड के कई प्रोजेक्ट का हाल ऐसा है कि सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण निर्माण किए गए कई मकानों के दरवाजे और खिड़कियां भी चोरी हो गई हैं। हालत यह है कि सूनसान इलाकों में बने इनके कई प्रोजेक्ट को खरीदार नहीं मिल रहे हैं। वहीं, जिन्होंने यहां मकान खरीदे हैं, वे भी दूरी के कारण यहां रहने नहीं आ रहे हैं। राजधानी में ही खिलौरा, बोरिया जैसे इलाकों में पूरे मकान नहीं बिक पाए हैं। ▶▶|शेष पेज 4 पर

शहर से दूर हुआ, प्रोजेक्ट तो नहीं निकली लागत राशि

राजनांदगांव में हाउसिंग बोर्ड के कुछ प्रोजेक्ट शहर से दूर होने के चलते वर्षों बीत जाने के बाद भी हाउसिंग बोर्ड को अपनी लागत राशि भी निकलना मुश्किल हो गया है।

राजनांदगांव शहर में हाउसिंग बोर्ड के कई कॉलोनी है जो बिक चुकी है और नगर निगम को हैंडोवर भी कर दिया गया ▶▶|शेष पेज 4 पर

दो प्रतिशत मकान की ही बिक्री

हाउसिंग बोर्ड द्वारा राजनांदगांव शहर से काफी दूर मुड़िया मोहरा क्षेत्र में लगभग 98 मकान का अटल आवास प्रोजेक्ट के तहत 10-12 वर्षों पहले तैयार किया गया। यहां मकान बनाकर तैयार भी हो गए, लेकिन ▶▶|शेष पेज 4 पर

आठ साल से चार सौ मकान जर्जर, 60 करोड़ रुपए जाम

दुर्ग-भिलाई में हाउसिंग बोर्ड द्वारा आठ साल पहले बनाए गए मकान की अब तक बिक्री नही होने से करोडों रुपए का नुकसान हो रहा है। दुर्ग जिले के तालपुरी, चरोदा हाईट, परसदा कुम्हारी और खारून में बनाए गए करीब चार सौ से अधिक मकान खंडहर हो गए हैं। जिसके चलते बोर्ड का करीब साठ करोड रुपए जाम हो गया हैं। हाउसिंग बोर्ड द्वारा वर्ष 2017-18 में इन चारों इलाकों में सैकड़ों मकान बनाए गए थे। वर्तमान में करीब चार सौ से अधिक मकान की बिक्री नहीं हो पाई हैं। हरिभूमि ने पडताल में पाया गया कि, लंबे समय से बिक्री नहीं होने के कारण मकान जर्जर हो चुके हैं। यहां मकान की खिड़की के दरवाजे गायब हैं, वही चरोदा हाईट के कई मकानों में खतरनाक दरारे भी आ गई हैं। यही हालात तालपुरी के फ्लैट, ▶▶|शेष पेज 4 पर

यहां जर्जर हो रहे इतने मकान

जानकारी अनुसार दुर्ग जिले के रिहायशी इलाको तालपुरी में 60 मकान, जिसकी कीमत 19 करोड़, चरोदा हाईट में 70 मकान, जिसकी कीमत आठ करोड़, परसदा कुम्हारी में 250 मकान, जिसकी कीमत 23 करोड़ और खारून में 39 मकान, जिसकी कीमत 10 करोड़ है। इनके बनने के बाद अब तक आबंटन नहीं हो पाया है। अफसरों का कहना है कि, आबंटन के बाद हितग्राही राशि जमा करने में रूचि नहीं दिखा रहे थे।

छग समेत देश के 65 लाख लोग बन गए जमीन के मालिक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बांटा 'हक'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 10 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 65 लाख स्वामित्व प्रॉपर्टी कार्ड बांटा। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री वर्चुअली जुड़े। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले शुरू की गई इस योजना के तहत सवा 2 करोड़ लोगों को अपने घर का पक्का कानूनी प्रमाण मिला है। इससे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा गरीबी उन्मूलन में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी महासमुंद से जुड़े। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ लाभार्थियों से बातचीत भी की। पीएम मोदी ने कहा कि इस योजना से लोगों को ऋण और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण भूमि डिजिटलीकरण प्रौद्योगिकी और सुशासन की शक्ति का लाभ उठाकर ग्रामीण सशक्तिकरण को आगे बढ़ा रहा है।

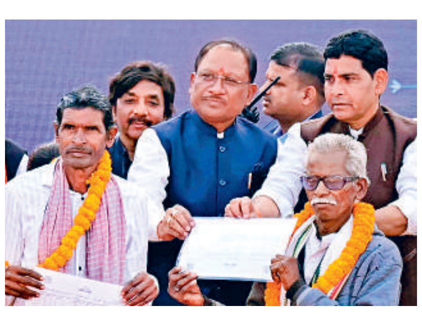

वर्चुअल कार्यक्रम में छग से शामिल हुए सीएम

महासमुंद। पीजी कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। दरअसल, स्वामित्व योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली से वर्चुअली देशभर के 50 हजार गांवों में 65 लाख प्रॉपर्टी कार्ड का वितरण किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने योजना के लाभार्थियों को संबोधित किया एवं लाभार्थी कार्ड धारकों के साथ संवाद भी किया। महासमुंद के 128 गांवों के 10850 लाभार्थियों को स्वामित्व कार्ड वितरण होने है। सीएम साय ने सांकेतिक तौर पर 37 हितग्राहियों को उनके स्वामित्व कार्ड वितरित किए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी गांव के गरीब और किसान के लिए काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ▶▶|शेष पेज 4 पर

योजना के बड़े फायदे

- इसका मुख्य उद्देश्य संपति से जुड़े विवादों में कमी लाना और जमीनों का सटीक रिकॉर्ड रखना
- ग्रामीणों को लोन और वित्तीय लाभ के लिए अपनी संपति को फाइनेंशियल असेट के लिए यूज में लाना
- इस योजना से जो भी प्रॉपर्टी टैक्स मिलेगा, वह पंचायत या राज्य के कोष में शामिल होगा

संपति कार्ड योजना

संपति कार्ड योजना केंद्र की ओर से चलाई जाने वाली सरकारी स्कीम है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 अप्रैल को 9 राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की थी। इस योजना में ड्रोन तकनीक के जरिए जमीनों की मैपिंग और मालिकों का एक रिकॉर्ड तैयार किया जाता है। इसके बाद संपत्ति के मालिकों को एक कार्ड मुहैया कराया जाता है। इसका लक्ष्य ग्रामीणों को संपत्तियों का मालिकाना हक दिलाना है। 31 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश अभी तक इस योजना के तहत हैं।

दस की शिनाख्त, 50 लाख का इनामी दामोदर उर्फ चोखा राव भी शामिल

12 नहीं, मारे गए 18 नक्सली, मिला 100 फीट लंबा बंकर, जमीन के नीचे पूरी फैक्ट्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बीजापुर-सुकमा में हुए मुठभेड़ के बाद फोर्स को जंगल में नक्सलियों का बंकर मिला है। लगभग 100 फीट लंबे इस बंकर का इस्तमाल नक्सली हथियार बनाने के लिए किया करते थे। साथ ही वे इसे अपने छिपने का सुरक्षित ठिकाना भी बनाए हुए थे। इस मुठभेड़ में मारे गए 10 माओवादियों की शिनाख्त कर ली गई है। इन माओवादियों पर 59 लाख रुपए का इनाम घोषित है। वहीं दूसरी ओर नक्सलियों ने पर्चा जारी करते हुए कहा है कि मुठभेड़ में 12 नहीं, बल्कि 18 नक्सली मारे गए हैं।

माओवादियों प्रेस विज्ञप्ति में यह स्वीकार किया है कि 16 जनवरी को तुमरेल-पुजारीकांकेर मुठभेड़ में नक्सलियों का बड़ा कैडर तेलंगाना स्टेट कमेटी सदस्य दामोदर समेत कुल 18 हार्डकोर माओवादी मारे गए है। जानकारी के अनुसार मुठभेड़ के बाद फोर्स मिला बंकर नक्सलियों के हथियार बनाने की फैक्ट्री थी। यही नहीं, बंकर में वे रॉकेट लांचर जैसे घातक और जानलेवा हथियार छिपाकर रखते थे। वहीं, कई बार इस जगह का प्रयोग वे फोर्स से बचने के लिए भी किया करते थे। नक्सलियों के इस खूफिया ठिकाने को कोई पहचान या देख न ले, इसके लिए वे हमेशा इसे लकड़ियों के बीच छिपा कर रखा करते थे। यह बंकर करीब 100 फीट लंबाई का है। जिसमें वे आसानी से घटना को अंजाम देने के बाद छिप जाया करते थे।

बचने का करते थे उपयोग

100 फीट लंबाई एरिया का बंकर मिला है, जहां नक्सली अपने हथियार रखते थे। इसमें वे बचने का भी उपयोग करते थे।

-पी सुंदरराज.आईजी, बस्तर

बंकर में हाल है

बंकर मिला है। जमीन के अंदर में खोदकर बंकर बनाया है। इसे उन्होंने लकड़ी से बंद किया है। इसका वे कभी कभी उपयोग करते थे। बंकर के अंदर हाल टाइप की जगह है।

-कमलोचन कश्यप
डीआईजी, दंतेवाड़ा

एससीएम दामोदर समेत पीपी सीएम के हुंगी, देवे, जोगा और नरसिंह राव भी मारे गए

शनिवार को नक्सलियों ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि मुठभेड़ में 12 नहीं 18 नक्सली मारे गए हैं। जिसमें 50 लाख का इनामी एससीएम कैडर का दामोदर उर्फ चोखा राव भी मारा गया है। मारे गए 6 नक्सलियों का शव ले जाने में वे कामयाब रहे। शनिवार को नक्सलियों के दक्षिण बस्तर डिविजनल कमेटी के सचिव गंगा ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि इस मुठभेड़ में 50 लाख का इनामी मोस्ट वांटेड नक्सली कमांडर स्टेट कमेटी मेम्बर और तेलंगाना स्टेट कमेटी का चीफ दामोदर उर्फ चोखा राव भी मारा गया है। इसके अलावा पीपीसीएम हूंगी, देवे, जोगा, और नरसिंह राव भी मारे गए हैं।

मारे गए माओवादियों में 59 लाख के इनामी, दो की पहचान की जा रही है

पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने कहा है कि मुठभेड़ में 01 बटालियन नम्बर 01 सदस्य, 03 सीवायपीसी, 01 एसीएम, 04 एरिया कमेटी प्लाटून सदस्य तथा 01 एलओएस पार्टी सदस्य कैडर की पहचान कार्रवाई पूरी की जा चुकी है। इसमें तामो हुंगी (27) पिता नहीं मालूम, निवासी बेदरे थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा, पदनाम बटालियन नम्बर 01 कंपनी नम्बर 02 सदस्य, इनाम 08.00 लाख, नरसिंह राव पिता नहीं मालूम निवासी तेलंगाना, पदनाम सीआरसी कंपनी नम्बर 02/सीवायपीसी टेक्निकल टीम सदस्य, इनाम 08.00 लाख, मंगडू पिता नहीं मालूम निवासी पश्चिम बस्तर डिविजन जिला बीजापुर, पदनाम- सीआरसी/ सीवायपीसी, इनाम 08.00 लाख, माड़वी देवे पिता नहीं मालूम निवासी नेण्ड्रा थाना एर्राबोर जिला सुकमा, पदनाम- प्लाटून नम्बर 30 सीवायपीसी, इनाम 08.00 लाख, माड़वी जोगा पिता नहीं मालूम निवासी दरभा डिवीजन, डिवीजन टेक्निकल टीम/एसीएम, इनाम 05.00 लाख, नुप्पो सोमड़ी पिता नहीं मालूम निवासी पोलमपल्ली थाना उसूर जिला बीजापुर, पदनाम- कोंटा एरिया कमेटी सदस्य, इनाम 05.00 लाख, इरपा सीते पति लक्ष्मण (दक्षिण सब जोनल ब्युरो टेक्निकल टीम पीपीसीएम) निवासी पेद्दागेलूर थाना तर्रेम जिला बीजापुर, पदनाम-जगरगुण्डा एरिया कमेटी सदस्य, ▶▶|शेष पेज 4 पर

केजरीवाल की कार पर फेंके गए पत्थर

नई दिल्ली। आप ने शनिवार को आरोप लगाया कि नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल की कार पर पत्थर फेंके गए। आप नेता ने कहा, नई दिल्ली से भाजपा के प्रत्याशी प्रवेश वर्मा के समर्थकों ने निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार के दौरान केजरीवाल पर हमला किया।

सीमेंट संयंत्र के मलबे से मिले तीन मजदूरों के शव

भुवनेश्वर। सीमेंट संयंत्र के परिसर में ढही लोहे की संरचना के मलबे से तीन लापता मजदूरों के शव बरामद किए गए। मृतकों की पहचान सुशांत राउत (58), रंजीत भोल (24) और दशरथ पात्रा (42) के रूप में हुई है।

स्कूल बस पलटी, छात्र की मौत, कई घायल

हाफलोंग। असम के दीमा हसाओ जिले में शनिवार को एक स्कूल बस के पलट जाने से तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह घटना उमरंगसो पुलिस थाना क्षेत्र में उस समय घटी, जब चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्या,संजय दोषी, कल सजा पर फैसला

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

- 12 नवंबर से सुनवाई
- 50 गवाहों से पूछताछ
- 162 दिन बाद फैसला

कोलकाता की एक अदालत ने आरजी कर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में आरोपी संजय रॉय को शनिवार को दोषी करार दिया। इस जघन्य अपराध के बाद देशभर में आक्रोश फैल गया था और लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन जारी रहा। मामले की सुनवाई कर रही सियालदह की अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास ने कहा कि वह इस मामले में सोमवार को सजा सुनाएंगे। यह फैसला पिछले साल नवंबर में बंद कमरे में शुरू हुई सुनवाई के लगभग दो महीने बाद और नौ अगस्त 2024 को घटित इस जघन्य अपराध के 162 दिन बाद सुनाया गया।

मृतक के पिता बोले- जो भरोसा जताया, वह पूरा किया

मृत महिला चिकित्सक के माता-पिता ने आरोपी को दोषी करार दिए जाने के लिए न्यायाधीश को धन्यवाद दिया। मृत चिकित्सक के पिता ने कहा, जो भरोसा हमने आपमें जताया था, आपने उसका पूरा सम्मान किया है। चिकित्सक की मां ने फैसले को स्वीकार तो किया, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि न्याय पूरी तरह से नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, संजय दोषी है, यह मेडिकल साक्ष्यों से साबित हो चुका है। वह सुनवाई के दौरान चुप रहा, जिससे मेरी बेटी को प्रताड़ित करने और उसकी हत्या करने में उसकी भूमिका साबित हुई। लेकिन, वह अकेला नहीं था। जिन अन्य लोगों को अभी गिरफ्तार किया जाना शेष है, उन्हें भी न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए।

दोषी बोला-अपराध किया होता, तो टूट जाती रुद्राक्ष की माला

दोषसिद्धि का फैसला सुनाए जाने के वक्त रॉय ने अदालत के समक्ष दावा किया कि उसे फंसाया गया है। रॉय ने अपने बचाव में कहा, मैं रुद्राक्ष की माला पहनता हूं और अगर मैंने अपराध किया होता, तो वह टूट जाती। फैसले के बाद रॉय को कड़ी निगरानी में अदालत कक्ष से प्रेसीडेंसी सुधार गृह ले जाया गया और पुलिस ने वहां प्रतीक्षा कर रहे मीडियाकर्मियों को दोषी से किसी भी तरह की बातचीत करने से रोक दिया।

बस्तर का मामला शीर्ष कोर्ट पहुंचा

पिता को दफनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट से मांगी मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक ईसाई व्यक्ति द्वारा दायर उस याचिका पर सरकार को नोटिस जारी किया जिसमें उसने आरोप लगाया है कि वह बस्तर के छिंदवाड़ा गांव में अपने पादरी पिता को दफनाने में असमर्थ है, क्योंकि लोगों ने इसका कड़ा विरोध किया है तथा पुलिस ने उसे कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि 7 जनवरी को व्यक्ति की ▶▶|शेष पेज 4 पर

क्या है मामला

सुप्रीम कोर्ट माहरा जाति के रमेश बघेल द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उन्होंने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनके पिता को गांव के कब्रिस्तान में ▶▶|शेष पेज 4 पर

छत्तीसगढ़ सरकार से मांगा जवाब

छत्तीसगढ़ सरकार को नोटिस जारी करते हुए पीठ ने कहा, ग्राम पंचायत को छोड़िए, यहां तक कि उच्च न्यायालय ने भी अजीब आदेश पारित किया है। राज्य सरकार क्या कर रही है? इस मामले पर सुनवाई 20 जनवरी को होगी।

सत्यापन के बगैर होगा बदलाव

अब ईपीएफओ के सदस्य अपडेट कर सकेंगे डिटेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

ईपीएफओ के 7.6 करोड़ से अधिक सदस्य अब नियोक्ता द्वारा किसी सत्यापन या ईपीएफओ की मंजूरी के बगैर भी नाम और व्यक्तिगत जानकारियों में ऑनलाइन बदलाव कर सकते हैं। ई-केवाईसी ईपीएफ खाते वाले सदस्य, नियोक्ता के हस्तक्षेप के बिना आधार ओटीपी के साथ सीधे अपने ईपीएफ हस्तांतरण दावे ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को दोनों नई सेवाओं की शुरुआत की।

आठ लाख आवेदन

वित्त वर्ष 2024-25 में नियोक्ताओं द्वारा ईपीएफओ को भेजे गए आठ लाख अनुरोधों में से केवल 40 प्रतिशत अनुरोध ही पांच दिनों के भीतर भेजे गए जबकि 47 प्रतिशत अनुरोध 10 दिन बाद भेजे गए थे।

इसलिए किया गया बदलाव

कई कर्मचारियों के लिए, पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान या बाद में पिता/पति या पत्नी का नाम, वैवाहिक स्थिति, राष्ट्रीयता और सेवा विवरण दर्ज करने में नियोक्ताओं द्वारा गलतियां की गईं।

बीसीसीआई ने किया चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का ऐलान

शमी की वापसी, यशस्वी को मौका, गिल बने उपकप्तान

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय टीम में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 14 महीने बाद वापसी की है। शनिवार को बीसीसीआई ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाया गया है। जबकि मोहम्मद सिराज स्क्वॉड का हिस्सा नहीं बन सके हैं। 'चोटिल' जसप्रीत बुमराह को भी टीम में जगह मिली है। जबकि ओपनर यशस्वी जायसवाल पहली बार वनडे टीम का हिस्सा बने है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की भी टीम में जगह मिली है। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज टीम का हिस्सा नहीं हैं।

भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

भारत दुबई में खेलेगा अपने मैच : चैंपियंस ट्रॉफी के ये सभी 15 मुकाबले 4 वेन्यू पर खेले जाएंगे। इसमें 3 वेन्यू पाकिस्तान में होंगे। जबकि एक वेन्यू दुबई रहेगा। भारतीय टीम अपने सभी मुकाबले दुबई में ही खेलेगी। यदि भारतीय टीम क्वालिफाई करती है, तो फाइनल भी दुबई में होगा। वरना खिताबी मुकाबला 9 मार्च को लाहौर में खेला जाएगा। सेमीफाइनल मैचों और फाइनल के लिए एक रिजर्व डे भी रखा गया है।

8 टीमें खेलेंगी 15 मैच

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में 8 टीमों के बीच कुल 15 मुकाबले होंगे। टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप-ए में हैं। उनके साथ बाकी दो टीमें न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं। जबकि ग्रुप-बी में साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड को रखा गया है। सभी 8 टीमें अपने-अपने ग्रुप में 3-3 मुकाबले खेलेंगी। इसके बाद हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। पहला सेमीफाइनल दुबई, जबकि दूसरा लाहौर में होगा। इसके बाद फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। ऐसे में यदि कोई टीम फाइनल तक पहुंचती है, तो वो टूर्नामेंट में कुल 5 मैच खेलेगी।

एक फरवरी को आम बजट पेश होना है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अर्थव्यवस्था की सुस्त रफ्तार को देखते हुए अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पेश होने वाले बजट से उम्मीदें बढ़ गई हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद बजट को लेकर अर्थशास्त्रियों के विचार जाने हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्टेक होल्डरों के साथ वार्ता की है। सबके मन में बजट को लेकर उत्सुकता है। हर क्षेत्र के लिए सरकार कितना हाथ खोलेगी, सभी वर्गों के लिए पिटारे में क्या होगा, कर मुक्त आय की सीमा बढ़ेगी या नहीं, नियो मिडिल क्लास के लिए क्या होगा, आदि प्रश्न हैं। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया व विकसित भारत लक्ष्य के लिहाज से मोदी 3.0 सरकार के लिए अगले चार वर्ष चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं। युद्ध, हिंसक संघर्ष, राजनीतिक अस्थिरता, भूराजनीतिक तनाव व आतंकवाद से ग्रसित वैश्विक परिदृश्य में भारत के लिए अपने ग्रोथ मोमेंटम को पाना और फिर उस स्तर को बनाए रखना आसान नहीं होगा। केवल घरेलू खपत के भरोसे आर्थिक विकास को पंख नहीं लगाए जा सकते हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और उच्च खाद्य महंगाई दर से भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति कमजोर हुई है। कड़े आर्थिक सुधार व राजकोषीय अनुशासन के बिना अर्थव्यवस्था को गति देना कठिन है। बजट को लेकर चुनौतियां और अवसर का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

कड़े आर्थिक सुधार का एक्शन प्लान हो

बजट 2025
शंभू भद्र
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

उद्योग मंडलों, वित्तीय संस्थानों और निर्यात संगठनों ने अपने-अपने सुझाव व उम्मीदें सरकार के सामने रखी हैं। सबकी आकांक्षा यही है कि सरकार आम बजट में उनकी उम्मीदें पूरी करेगी। वर्ष 2024 में आम चुनाव होने के कारण फरवरी में अंतरिम बजट व जुलाई में पूर्ण बजट पेश हुए, इसमें चुनावी गणित अधिक दिखे और अंतरिम बजट की ही छाप पूर्ण बजट में दिखी। कोई बड़ा आर्थिक सुधार का रोडमैप नहीं दिखा। लचर बजट का नतीजा दिखा कि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही की विकास दर 5.4 फीसदी रही। इस बजट में समग्र आर्थिकी (समावेशी अर्थव्यवस्था, इकोनॉमिक डेमोक्रेसी, सोशल इकोनॉमी, गरीबी उन्मूलन व नवाचार) पर टाइम बॉन्ड एक्शन प्लान पर ध्यान देना होगा।

आम बजट को दो सप्ताह बचे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अर्थशास्त्रियों के साथ बजट को लेकर चर्चा की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी स्टेक होल्डरों के साथ बैठक की और उनके विचार जाने। उद्योग मंडलों, वित्तीय संस्थानों और निर्यात संगठनों ने अपने-अपने सुझाव व उम्मीदें सरकार के सामने रखी हैं। सबकी आकांक्षा यही है कि सरकार आम बजट में उनकी उम्मीदें पूरी करेगी। इस बार का बजट कैसा होगा, इसको लेकर विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री अपना अनुमान जता रहे हैं। वर्ष 2024 में आम चुनाव होने के कारण फरवरी में अंतरिम बजट व जुलाई में पूर्ण बजट पेश हुए, इसमें चुनावी गणित अधिक दिखे और अंतरिम बजट की ही छाप पूर्ण बजट में दिखी। कोई बड़ा आर्थिक सुधार का रोडमैप नहीं दिखा। लचर बजट का नतीजा दिखा कि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही की विकास दर में गिरवट दर्ज हुई। यह दर 5.4 फीसदी रही। शुरू के दो तिमाही में उत्साहजनक नतीजे के बाद विभिन्न वित्तीय एजेंसियों ने जीडीपी के सात फीसदी रहने का अनुमान जताया, लेकिन तीसरी तिमाही के नतीजे के बाद सबने अनुमान घटा दिया है। अब 6 से 6.5 फीसदी का अनुमान है। फिक्की ने चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर का अनुमान 7 फीसदी से घटाकर 6.4 प्रतिशत किया है।

चालू वित्त वर्ष में हर मोर्चे पर चुनौतियां

रिजर्व बैंक, एसबीआई, मूडीज, एसएंडपी, नोमुरा, संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक, आईएमएफ आदि सबने भारत के जीडीपी अनुमान को घटा दिया है। चालू वित्त वर्ष में खाद्य महंगाई के उच्च स्तर पर बने रहने के चलते रिजर्व बैंक रेपो रेट में कटौती की हिम्मत नहीं जुटा सका, जबकि उद्योग जगत का दबाव बना हुआ था, कटौती की दरकार भी थी। हालांकि महंगाई के पीछे आपूर्ति तंत्र और जमाखोरी व कालाबाजारी अधिक जिम्मेदार कारक हैं, मौद्रिक नीति नहीं। इसके बाद भी रेपो रेट में कटौती को लेकर रिर्जव बैंक डरता रहा। निर्यात के मोर्चे पर भी धक्का ही लगा। व्यापार घाटा बेतहाशा बढ़ा, सवा सौ अरब डॉलर को पार कर गया। सबसे अधिक रोजगार सृजन करने वाले कृषि क्षेत्र की विकास दर भी दो फीसदी से कम ही रही, जबकि पांच फीसदी की विकास दर रहेगी, तभी भारत डबल डिजिट जीडीपी ग्रोथ का लक्ष्य हासिल कर सकेगा। सरकार का सार्वजनिक खर्च भी लक्ष्य के अनुरूप नहीं रहा। मनरेगा को लेकर शिकायतें आती रहीं। सरकार न ही विनिवेश का लक्ष्य हासिल कर सकी है और न ही राजस्व घाटे को लक्ष्य के अनुरूप रख सकी है। मूडीज ने कहा है कि भारत की राजकोषीय स्थितियां 2025 में भी इसकी साख क्षमता को बाधित करती रहेंगी। यह सरकार के लिए संकेत है। निजी निवेश में भी बढ़ोत्तरी नहीं देखी गई, बहुत सी भारतीय कंपनियों ने विदेश में निवेश की ओर रुख किया। रणनीतिक एफडीआई आकर्षित करने में भारत जरूर सफल हुआ, पर अभी इसका धरातल पर आना बाकी है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आंकड़े भी उत्साहजनक नहीं रहे, जिससे औद्योगिक क्षेत्र की कमजोरी का पता चलता है। बेरोजगारी दर नौ फीसदी के आसपास रहना सरकार के लिए चिंता की बात है। जमीन पर बेरोजगारी अधिक है।

अब सरकार के परफॉर्म का समय

पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में राजग की तीसरी बार सरकार बनने के बाद अब परफॉर्म का समय है। इस पारी में मोदी सरकार के पास अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए केवल चार वर्ष हैं। आत्मनिर्भर भारत से लेकर वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य काफी चुनौतीपूर्ण है। इसके लिए उद्योग, कृषि, सेवा, इन्फ्रास्ट्रक्चर और गरीब कल्याण क्षेत्र में बड़े निवेश की जरूरत है, नए आर्थिक सुधार की जरूरत है और इन सब के लिए प्रभावी बजट आवश्यक है।

योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित हो

वर्ष 2014 से मोदी सरकार की दिक्कत रही है कि बजट दर बजट उसने बड़ी-बड़ी घोषणाओं पर अधिक ध्यान दिया है, जबकि उसके क्रियान्वयन को सुनिश्चित नहीं किया है। बजटीय लक्ष्य भी वित्त वर्ष के लिए कम और दीर्घकालिक अधिक रखा है, जिससे बजट के अनुरूप जमीनी धरातल पर काम कम हुए है। अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ने के बावजूद उत्पादकता में कमी आई है। कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र के विकास की दर कम उत्पादकता की गवाही दे रही है। पूंजीगत तरलता बढ़ाने पर ध्यान नहीं दिया गया है, जिसके चलते महंगाई की उच्च दर हमेशा सरकार के लिए चुनौती बनी रही है। केवल रिजर्व बैंक के मौद्रिक उपायों से महंगाई को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। केवल आंकड़ों की जादूगरी से और सरकारी निर्णयों के केंद्रीयकरण से भारत जैसे विशाल देश की न तो अर्थव्यवस्था को गति दी जा सकती है और न ही विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। आंकड़ों का विरोधाभास ही है कि एक तरफ 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल गए हैं, दूसरी तरफ सरकार 81.4 करोड़ लोगों को खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पांच किलो अनाज प्रतिमाह मुफ्त में दे रही है। सरकार के प्रमुख पदों पर आसीन लोगों के अक्सर चुनावी मोड में रहने से भी देश का कामकाज प्रभावित होता रहा है।

समग्र आर्थिकी का एक्शन प्लान हो

आज अगर सरकार स्किल इंडिया, मनरेगा, पांच किलो अनाज स्कीम, आयुष्मान भारत, स्वच्छ इंडिया, स्मार्ट सिटी आदि अपनी सभी योजनाओं का सोशल ऑडिट करा ले तो योजनाओं के प्रभाव के सच का पता चल जाएगा। निश्चित रूप से सरकार ने बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर डिजिटल इंडिया के क्षेत्र में शानदार काम किया है, लेकिन समग्र आर्थिक विकास के लिए ये काफी नहीं हैं। बुलंद, आत्मनिर्भर, विकसित और शक्तिशाली भारत के निर्माण के लिए समग्र आर्थिकी (समावेशी अर्थव्यवस्था, इकोनॉमिक डेमोक्रेसी, सोशल इकोनॉमी, गरीबी उन्मूलन व नवाचार) पर टाइम बॉन्ड एक्शन प्लान पर ध्यान देना होगा। इसके लिए बजट बड़ा अवसर है। केवल चुनाव जीतने के लिए आर्थिक फैसले न हों। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 6.8 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उद्योग मंडल ने कहा कि 2026 तक भारत जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। यह संभव है, पर बजट के सटीक क्रियान्वयन से। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में वैश्विक आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। वैश्विक अर्थव्यवस्था का किसी न किसी रूप में भारत पर भी असर पड़ता ही है। अंतराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलीना जॉर्जीवा ने कहा है कि स्थिर वैश्विक वृद्धि के बावजूद 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 'थोड़ा कमजोर' रहने की आशंका है। डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर प्रदर्शन लगातार चिंता का सबब बना हुआ है। इसलिए भी बजट से अधिक उम्मीदें हैं आर्थिक सुधार के अगले चरण की दिशा में आगे बढ़ने की।

करमुक्त आय सीमा बढ़ानी जरूरी

पीएचडीसीसीआई ने आयकर की अधिकतम दर के लिए आय सीमा को 15 लाख रुपये से बढ़ाकर 40 लाख रुपये किए जाने का सुझाव दिया है। आज 15 लाख रुपये एक मध्यम आय है और हम इस पर उच्चतम कर दर लगा रहे हैं। यदि हम उपभोग अर्थव्यवस्था हैं तो उच्चतम कर दर भी 25 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। पीएचडीसीसीआई ने स्वामित्व या साझेदारी और एलएलपी के तहत संचालित संस्थाओं पर कर की दर को भी 33 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत पर लाने की मांग रखी है। पीएचडीसीसीआई का कहना है कि आयकर छूट सीमा को भी बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जाना चाहिए। आयकर सीमा को लेकर पिछले बजटों में नौकरीपेशा निराश होते रहे हैं। 12 लाख रुपये तक की सालाना आय कर मुक्त होनी चाहिए, इससे अर्थव्यवस्था को अप्रत्यक्ष कर संग्रह के रूप में अधिक फायदा होगा। बिजनेस में भी सालाना एक करोड़ रुपये तक के टर्नओवर पर किसी प्रकार के टैक्स का झंझट नहीं होना चाहिए। मध्यवर्ग के हाथ में पैसा जरूरी है।

अप्रत्यक्ष करों में भी रियायत हो

जीएसटी से छोटे व मझौले उद्योग व कारोबार को बहुत परेशानी हुई है। बजट में इसके दर को सरल करने पर ध्यान देने की जरूरत है। अर्थव्यवस्था को गति देने और खपत बढ़ाने के लिए चाहे वह प्रत्यक्ष कर हो या फिर अप्रत्यक्ष कर, करों में कटौती पर गौर करना चाहिए। अप्रत्यक्ष कर (जीएसटी) में कटौती ज्यादा जरूरी है क्योंकि इसका प्रभाव सभी पर पड़ेगा। ऊर्जा बदलाव और जलवायु परिवर्तन से प्रभावित कृषि और तटीय गतिविधियों जैसे क्षेत्रों लिए एक नई सब्सिडी व्यवस्था की आवश्यकता है, जिसपर बजट में ध्यान दिया जाना चाहिए। वाणिज्य मंत्रालय चाहता है कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बजट में निर्यात से पहले और बाद रुपया निर्यात ऋण पर ब्याज समानीकरण योजना को पांच साल के लिए बढ़ा दिया जाना चाहिए। बजट में इसकी उम्मीद है। इस बार कड़े बजट होने चाहिए, आर्थिक सुधार के नए चरण की शुरुआत होनी चाहिए। सार्वजननिक खर्च को बढ़ाने, निजी निवेश को बढ़ावा देने, एफडीआई लाने, विनिवेश को बढ़ाने के साथ उद्योग जगत पर अधिक ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

गरीबी उन्मूलन के लिए चीनी मॉडल अपनाएं

सोशल स्कीमों का ऑडिट होना चाहिए, बीपीएल की नई गणना हो, आश्रित बनाने वाली सैकड़ों योजनाओं को मर्ज कर रोजगार सृजन योजना पर ध्यान देना चाहिए। गरीबों को समर्थ-सक्षम बनाने की जरूरत है। लक्षित अवधि में गरीबी उन्मूलन के लिए चीनी मॉडल अपनाना चाहिए। चीन ने अपने नागरिकों को सक्षम व समर्थ बनाने पर ध्यान दिया और न्यूनतम आय सीमा से नीचे कमाई करने वालों को अंतर के रूप में डीबीटी दिया। सब्सिडी को तर्कसंगत बनाने की जरूरत है। मनरेगा को मजबूत कर व्यापक बनाया जाना चाहिए, महिलाओं के लिए रोजगार से लिंक्ड नकद अंतरण (डीबीटी) व ब्याजमुक्त कर्ज योजना लागू होनी चाहिए। अर्थशास्त्रियों ने भी राय जताई है कि सरकार बजट में महिलाओं की सहायता के लिए नकद अंतरण की केंद्रीय योजना ला सकती है। कड़े आर्थिक सुधार के साथ समावेशी विकास को गति देने वाला, उद्योग-व्यापार बढ़ाने वाला, निर्यात पर फोकस, न्यूटेक-नवाचार व ग्रीन टेक को बूस्ट करने वाला और रेवड़ी मुक्त राजकोषीय अनुशासन वाला बजट होना चाहिए। उम्मीद भी है और सरकार के लिए अवसर भी है।

अर्थव्यवस्था की रफ्तार बनाए रखना जरूरी

बजट चुनौतियां
नितिन प्रधान
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

पहली फरवरी को जब केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण अपना आठवां बजट पेश करने के लिए लोकसभा में खड़ी होंगी, पूरे देश की निगाहें उन पर होंगी। अर्थव्यवस्था के समक्ष बन रही चुनौतियों को देखते हुए उद्योग जगत से लेकर मध्य वर्ग, सबके मन में एक ही सवाल होगा क्या ये बजट अर्थव्यवस्था की सुस्त पड़ती रफ्तार को गति देने में सफल हो पाएगा? क्या बजट में वित्त मंत्री ने उन सभी दिक्कतों का निदान तलाशा है जिनसे देश की अर्थव्यवस्था इस वक्त जूझ रही है? वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति भी बहुत मददगार नहीं है। अमेरिका में महंगाई दर बढ़ रही है। यूरोपीय देशों के बाजार भी बहुत अच्छी स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में केवल घरेलू बाजार से ही उम्मीदें की जा सकती हैं। अर्थव्यवस्था की रफ्तार को लेकर रिजर्व बैंक और तमाम अंतरराष्ट्रीय वित्तीय एजेंसियों के जो अनुमान अब तक सामने आए हैं उनसे स्पष्ट है कि वित्त वर्ष 2024-25 में देश की आर्थिक विकास दर साढ़े छह फीसदी से ऊपर नहीं जाने वाली। यह भी मुमकिन है कि ये छह-सवा छह फीसदी पर ही रुक जाए। उस पर विश्व बैंक का अगले दो वर्ष का हालिया अनुमान और डरा रहा है। विश्व बैंक का मानना है कि अगले दो वित्त वर्ष भी भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार सात फीसदी तक नहीं पहुंच पाएगी। ऐसे में पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य तक पहुंचने की रफ्तार भी धीमी हो सकती है। भारत ने एक और बड़ा लक्ष्य वर्ष 2047 में विकसित राष्ट्र बनना तय किया है। अगर अर्थव्यवस्था इस रफ्तार से बढ़ेगी तब इस लक्ष्य को पाने में भी चुनौती आएगी।

उपभोक्ता खपत में आई कमी

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही की आर्थिक विकास दर के आंकड़ों ने स्पष्ट कर दिया है कि सब कुछ ठीक नहीं है। सरकार की तरफ से पूंजीगत खर्च में और घरेलू बाजार में उपभोक्ता खपत में आई कमी ने अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। कारखानों में उत्पादन बढ़ने की गति स्थिर है। बीते दस वर्षों में मेक इन इंडिया जैसे अभियानों के बावजूद देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मैन्यूफैक्चरिंग का योगदान 15-17 फीसद पर ही घूम रहा है। इसे 25 फीसद तक ले जाने का लक्ष्य था। आमदनी नहीं बढ़ने से शहरों में खपत कम हो गई है। विदेशी बाजारों में मांग कम होने और कई मामलो में भारतीय निर्यात गैर-प्रतिस्पर्धी होने से निर्यात बढ़ने की रफ्तार बेहद धीमी पड़ गई है। शहरों से अधिक गांवों में खपत तेज हो रही है। वित्त मंत्री को अपने बजट में इन सब दिक्कतों के उपाय तलाशने होंगे। वित्त मंत्री के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती घरेलू खपत को बढ़ाने की होगी। इसके बढ़ने के लिए जरूरी है कि मध्य वर्ग की जेब में ज्यादा पैसे हों।

आमदनी बढ़ने के करने होंगे उपाय

महंगाई के पांच फीसदी की दर से ऊपर बने रहने के कारण लोगों के घर का बजट बिगड़ा है। शहरी मध्य वर्ग ने अपनी जरूरतों में कमी की है। अर्थव्यवस्था का सीधा-सादा सिद्धांत है कि जब तक खपत नहीं बढ़ेगी, मांग नहीं बढ़ेगी और मांग नहीं होगी तो उत्पादन नहीं होगा और कारखानों की रफ्तार धीमी रहेगी। इसलिए बजट में ऐसे

उपाय करने होंगे जिससे लोगों की जेब में ज्यादा पैसा आए। आमदनी बढ़े या फिर मौजूदा आमदनी में ही अधिक खर्च करने के अवसर उपलब्ध हों। बढ़ती महंगाई को कैसे नियंत्रित किया जाए यह सीधे-सीधे वित्त मंत्री के बजट का मसला नहीं है। रिजर्व बैंक और पूरे सरकारी सिस्टम को इसमें जुटना होगा ताकि आपूर्ति का प्रवाह बना रहे और दाम कम हों। वित्त मंत्री के हाथ में एक उपाय है और वह है आयकर की दरों में कमी या छूट के दायरे का विस्तार। हालांकि सरकार पिछले वर्ष ही चुनावों से निकली है इसलिए वित्त मंत्री पर किसी तरह का कोई राजनीतिक दबाव नहीं है लोगों को लुभाने का। इसलिए वह छूट के दायरे को बढ़ाने के विकल्पों पर जा सकती हैं। उद्योगों को प्रोत्साहन मिलना भी जरूरी है। अब यह स्पष्ट हो गया है कि प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम मोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को छोड़कर बाकी में बहुत कम असर डाल पाई है। इसलिए लेकिन इसमें भी केवल फिलहाल आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल को ही सर्वाधिक लाभ मिलता दिख रहा है। एपल द्वारा सृजित कुछ हजार रोजगार काफी नहीं हैं, क्योंकि जब तक मोबाइल फोन मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में कंपोनेंट इंडस्ट्री भारत में विकसित नहीं हो जाती, मोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग में पीएलआई के फायदे सामने नहीं आएंगे। उम्मीद की जा रही है वित्त मंत्री बजट में पीएलआई स्कीम की समीक्षा करेंगी और कुछ नए प्रस्ताव सामने रखेंगी। वित्त मंत्री को कारखानों की रफ्तार बढ़ाने के लिए लघु और मझौले उद्योगों पर खासा ध्यान देना होगा। पहले नोटबंदी, फिर जीएसटी और उसके बाद कोविड की मार से इस क्षेत्र की कमर बुरी तरह टूट चुकी है। निर्यात में भी इस क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इसलिए जरूरी है इस उद्योग को प्रोत्साहन मिले। सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद लघु और अति लघु इकाइयों की वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो पा रही है। अभी भी कार्यशील पूंजी और विस्तार के लिए इन इकाइयों को बैंकों से पूरा समर्थन नहीं मिल रहा। वित्त मंत्री को बजट में इसके लिए कुछ ठोस उपाय करने होंगे। जैसा कि अर्थशास्त्री मान रहे हैं कि चालू वित्त वर्ष अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी होने के पीछे सरकार के पूंजीगत खर्चों में कमी मुख्य वजह है। खर्च में कमी सरकार के राजकोषीय प्रबंधन में साफ दिख रही है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक सरकार का राजकोषीय घाटा बजट के 54 फीसद के स्तर पर है। यानी वित्त वर्ष की शेष अवधि में भी सरकार खर्च के बजट लक्ष्य को शायद ही पूरा कर पाएगी। इससे सरकार को अपने राजकोषीय घाटे को 4.9 फीसदी के लक्षित स्तर अथवा उससे नीचे रखने में सफलता मिल जाएगी। लेकिन अर्थव्यवस्था की रफ्तार को तेज रखने के लिए यह जरूरी है कि सरकार बजट में अपने पूंजीगत व्यय के लिए न केवल पर्याप्त इंतजाम करे बल्कि उन्हें खर्च भी करे। इससे अर्थव्यवस्था में हलचल बनी रहेगी और निजी क्षेत्र को भी नई परियोजनाएं लाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

आयात कम करने पर हो जोर

वित्त मंत्री के समक्ष इस वक्त सबसे बड़ी चुनौती डॉलर के मुकाबले रुपये के ऐतिहासिक तौर पर कमजोर होने से है। डॉलर लगातार मजबूत हो रहा है। दुनिया की अन्य मुद्राओं के समान रुपये की कीमत तेज गति से घट रही है। इसका असर हमारे आयात बिल पर हो रहा है। इधर हमारे निर्यात और आयात का अंतर भी बढ़ रहा है जिससे चालू खाते का घाटा बढ़ता है। चीन और अमेरिका सहित कई देशों से हम निर्यात के मुकाबले आयात अधिक करते हैं। हालांकि जीएसटी और प्रत्यक्ष कर राजस्व के मोर्चे पर राहत है। लेकिन बढ़ता आयात रोकने के लिए बजट में अतिरिक्त उपाय करने होंगे तभी विकास कार्यों के लिए वह अधिक राशि मुहैया करा पाएंगी और देश की अर्थव्यवस्था की रफ्तार को और नीचे जाने से रोका जा सकेगा।

कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर हो फोकस

बजट अपेक्षा
रवि शंकर
वरिष्ठ स्तंभकार

एक फरवरी 2025 को पेश होने वाले केंद्रीय बजट से किसानों को बड़ी उम्मीदें हैं। किसानों की नजरें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के ऐलानों पर टिकी हैं और सरकार का भी फोकस खेत और गांव पर होगा क्योंकि देश की कुल आबादी और श्रम बल का करीब 70 फीसदी ग्रामीण इलाकों में रहता है। अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ाने के लिए उनकी क्रय शक्ति बढ़ाना जरूरी है। इस संदर्भ में जरूरी है कि सरकार कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति का आकलन करें। उम्मीद की जा रही है कि इस बार बजट में खेती-किसानी को लेकर सरकार कई बदलाव कर सकती है। किसानों की आय बढ़ोत्तरी, महंगाई और फसलों की अच्छी कीमत को लेकर कई अहम बदलाव कर सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि क्षेत्र जलवायु बदलावों के चलते मुश्किल से गुजर रहा है। जबकि कृषि हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये देश की कुल अर्थव्यवस्था का लगभग 15 फीसदी हिस्सा है और 1.4 अरब लोगों को भोजन मुहैया कराती है। लेकिन मौजूदा समय मेंकृषि विकास दर घटकर 1.4 फीसदी रह गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्र के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं।

सुविधाओं को और लचीला बनाएं

ऐसे में यह बजट इन मुश्किलों को दूर करने और कृषि क्षेत्र को बेहतर भविष्य की ओर ले जाने का एक अहम मौका है। सरकार को कृषि और ग्रामीण भारत को प्राथमिकता देनी चाहिए। किसानों के लिए सुविधाओं को और लचीला बनाने पर फोकस करना चाहिए। इसके अलावा खाद्य मुद्रास्फीति को कम करना चाहिए जो समाज के कमजोर वर्गों को प्रभावित करती है। कृषि क्षेत्र की सकारात्मक वृद्धि भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी, खासकर ऐसे समय में जब कई अन्य सेक्टरों में मंदी का सामना किया जा रहा है। ऐसे में यदि कृषि क्षेत्र बढ़ता है, तो यह न केवल किसानों की आय को बढ़ाएगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी सृजित करेगा। इसके साथ ही, भारतीय कृषि उत्पादों की मांग बढ़ने से निर्यात को भी बढ़ावा मिल सकता है, जिससे देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी मजबूत होगा। पिछले कुछ वर्षों में कृषि क्षेत्र ने साबित किया है कि ये भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत स्तंभ है, खासकर प्राकृतिक आपदाओं और महामारी जैसी परिस्थितियों में। बहरहाल, भारत में कृषि निर्यात बढ़ाने की क्षमता मौजूद है। लेकिन भारतीय किसानों के सामने कई समस्याएं हैं। कृषि क्षेत्र को जलवायु परिवर्तन, कच्चे माल की बढ़ती लागत, बंटी हुई जोत, कमजोर कृषि उपकरण, कम उत्पादकता और बेरोजगारी से निपटने के लिए तैयार करने की आवश्यकता है।जलवायु परिवर्तन के असर से निपटने की जरूरत है। एक अध्ययन बताता है कि जलवायु झटके मसलन सूखा, बाढ़, लू और शीत लहर आदि ने देश की कृषि उत्पादकता वृद्धि में 25 फीसदी तक की कमी लाई है।

योजनाओं में फंड बढ़ने की आस

बीते एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में मेहनताने में

वृद्धि या तो कम रही है या फिर नकारात्मक। जबकि मनरेगा के तहत रोजगार की मांग अभी भी अधिक है। उम्मीद की जा रही है कि इस बार बजट में पीएम-किसान सम्मान निधि योजना, मनरेगा और पीएम-आवास योजना में फंड का आवंटन बढ़ सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में मांग और निजी निवेश बढ़ाने के लिए वहां मेहनताने में इजाफा जरूरी है। ग्रामीण इलाकों में बच्चों में कुपोषण आम है और इस पर ध्यान देना जरूरी है। गौर करने वाली बात ये है कि कृषि प्रधान देश भारत में आजादी के 77 साल बाद भी किसानों की समस्याएं दूर नहीं की जा सकी हैं। समाज के हर वर्ग की आय साल-दर-साल बढ़ रही है लेकिन किसान कर्ज के जंजाल से बाहर नहीं निकल पा रहा है। किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य अभी कई चुनौतियों के बीच संघर्ष कर रहा है। भारत के ज्यादतर किसान अब अपने बच्चों को खेती की जिम्मेदारी नहीं सौंपना चाहते हैं। भारतीय कृषि व्यवस्था में अपनी पूरी जिंदगी खपाने वाले किसान आज खेती को घाटे का सौदा बताते हैं। आखिर क्या कारण है कि तमाम प्रयासों के बावजूद कृषि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान सरकार नहीं कर पाई है। इस पर गंभीर चिंतन की जरूरत है। जबकि आज भारत विश्व की टॉप पांच सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है। लेकिन आजादी के बाद योजनाबद्ध तरीके से कृषि में निवेश के बाद भी भारतीय किसान दूसरे देशों के मुकाबले काफी पिछड़ा हुआ है। किसानों के असंतोष का सबसे बड़ा कारण उनकी उपज का सही मूल्य न मिलना रहा है और यही उनकी सबसे बड़ी समस्या है। किसानों की समस्याएं कोई नई नहीं हैं, लेकिन उनके समाधान की ईमानदार कोशिशें होती कभी नज़र नहीं आई। देखा ये गया है कि समय बीतने के साथ किसानों की हालत में कोई बहुत बड़ा क्रांतिकारी सुधार नहीं हुआ है। किसानों को संतुष्ट करने के लिए देश के नीति-निर्धारक समय-समय पर जो उपाय करते हैं, वे तात्कालिक राहत पहुंचाने वाले होते हैं। इन उपायों के तहत किसानों को लुभाने वाले कदम उठाए जाते हैं, जबकि ज़रूरत ऐसे संरचनात्मक उपायों की है जो दीर्घकालिक हों और किसानों की समस्या को स्थायी तौर पर हल कर सकें। जैसे- यूनिवर्सल बेसिक इनकम जैसी योजना चलाना। इससे हर महीने एक निश्चित आय हो सकेगी और किसान अपनी उपज को औने-पौने दामों पर बेचने को विवश नहीं होंगे। लेकिन वास्तविकता ये है कि बिजली-पानी, खाद, विपणन और जोखिमों का सामना करने की क्षमता आदि जैसी किसानों की सामान्य समस्याओं को ही दूर करने में हम सफल नहीं हो पा रहे हैं।

लागत के मुकाबले दाम कम

कृषि को अभी तक की सरकारें सिर्फ देश की आवाम का पेट भरने तक का ही संसाधन मानती आई हैं। कृषि के माध्यम से देश की जीडीपी बढ़ाने पर कभी गहन मंथन नहीं हुआ है। देश के अलग-अलग हिस्सों में किसानों की समस्याएं अलग हो सकती हैं, लेकिन कुछ समस्याएं हैं जो सब किसानों के साथ है। पिछले कई सालों से खेती करने की लागत जिस तेजी से बढ़ती जा रही है, उस अनुपात में किसानों को मिलने वाले फसलों के दाम बहुत ही कम बढ़े हैं।

किसानों को उम्मीद है कि इस बार बजट में सरकार खेती- किसानी के साथ-साथ छोटे किसानों के लिए कुछ अहम घोषणाएं करेंगी। आखिर में कृषि क्षेत्र में दबाव कम करने और ग्रामीण मांग बढ़ाने की जरूरत है ताकि टिकाऊ वृद्धि सुनिश्चित हो सके और उत्पादक रोजगार तैयार हो सकें। साथ ही, बजट को गरीब समर्थक नीतियों और राजकोषीय घाटे के लक्ष्य के बीच संतुलन कायम करना होगा। उसे राजस्व बढ़ाने, कर रियायत कम करने और अनुत्पादक गतिविधियों में व्यय कम करने पर काम करना होगा ताकि उक्त लक्ष्य हासिल हो सके।

तरकश

संजय के. दीक्षित

सिंहदेव दो, हाथ की लकीरें एक

छत्तीसगढ़ की सियासत में सिंहदेवों का बहुत अच्छा नहीं चल रहा है। ज्योतिषियों का कहना है कि उनकी कुंडली के राजयोग वाले घर में राहू का वास हो गया है। जाहिर है, उत्तर छत्तीसगढ़ वाले सिंहदेव मुख्यमंत्री की कुर्सी के निकट पहुंचकर उस पर बैठने से वंचित हो गए। हाईकमान के सामने उनके जिह्वा पर राहू आकर बैठ गया और कुर्सी की डिलिंग के दौरान विनम्रतापूर्वक जी बोल बैठे। नतीजा यह हुआ कि कुर्सी उनके सामने से खिसक गई। यदि थोड़ा सा टाईट होकर इतना भर बोल गए होते...उम्र मेरी ढलान पर है, पहले मैं ढाई साल...फिर दाउजी। तो वे आज मुख्यमंत्री होते या फिर पूर्व मुख्यमंत्री तो कहलाते ही। अब बात दक्षिण वाले सिंहदेव की। ये भी नाम के सिंहदेव निकले। वे समझ नहीं पाए और संगठन के कुछ नेताओं ने उन्हें मोहरा बनाते हुए मंत्री के लिए प्रोजेक्ट कर दिया। 15 दिन से उनके घर बधाइयों का तांता लगा रहा...। मगर राहू-केतु की प्रभाव कहें कि सिंहदेव के सामने से मंत्री का सजा थाल निकल गया। वे फिर से प्रदेश अध्यक्ष बना दिए गए...जो उन्हें गवारा नहीं था। दोनों सिंहदेवों को डॉ. रमन सिंह और विष्णुदेव साय के पंडितों का पता लगाकर कुछ पूजा-पाठ करा लेना चाहिए।

अय्याशी का ट्रांजिट हॉस्टल

ट्रांजिट हॉस्टल इसलिए बनवाया जाता है कि कामकाज के सिलसिले में कोई सरकारी अधिकारी जिला मुख्यालय में आए तो उसे होटल में न रहना पड़े। मगर छत्तीसगढ़ के मुंगेली का ट्रांजिट हॉस्टल अफसरशाही की बदनामी का कारण बनता जा रहा है। वहां के ट्रांजिट हॉस्टल की रातें इतनी रंगीन होने लगी है कि उसकी चर्चाएं अब मुंगेली से चलकर राजधानी रायपुर तक पहुंचने लगी हैं। दरअसल, मुंगेली छोटी जगह है। वहां अगर बाहर से हनी गर्ल बुलाई जाए या फिर सिस्टम की कोई तलाकशुदा युवती रोज वहां पहुंच जाए, तो ये बात भला कैसे छुपेगी। वैसे भी इस तरह की बातों को पंख लगने में देरी नहीं होती। सिस्टम को इसे नोटिस में लेनी चाहिए। क्योंकि, कोई उंच-नीच हुआ तो बात सरकार पर आएगी।

हेल्थ सिकरेट्री की मेजर सर्जरी

मेडिकल कारपोरेशन बोलें तो छत्तीसगढ़ का इकलौता सरकारी कारपोरेशन...जिसे सिस्टम नहीं, सप्लायर चलाते हैं। रेणु पिल्ले के सिकरेट्री हेल्थ और कार्तिकेय गोयल के सीजीएमससी एमडी रहने के दौरान एक पावरफुल महतारी की वहां से छुट्टी कर दी गई थी। मगर जैसे ही रेणु और कार्तिकेय हेल्थ से हटे, उसके अगले महीने एक बड़े सप्लायर ने महतारी की फिर से सीजीएमससी में पोस्टिंग करा दी। यह 2022 की बात रही होगी। बहरहाल, सीएम सचिवालय ने नए हेल्थ सिकरेट्री अमित कटारिया को इशारा किया। इसके बाद अमित ने सीजीएमससी की एमआरआई कराई। जांच में एक महतारी की अदम्य साहस और पावर का पता चला। इतना पावर कि बड़ी वाली महतारी छोटी वाली को दीदी बोलती थी, ताकि कुर्सी सुरक्षित रहे। पता चला है, हेल्थ सिकरेट्री ने फायनेंस सिकरेट्री के संज्ञान में यह बात लाई और अगले दिन महतारी का आदेश निकल गया। जाहिर है, अमित की एक सर्जरी से सीजीएमससी की 60 परसेंट बीमारी का निदान हो गया।

पढ़ने-लिखने वाले आईएएस, But

अमित कटारिया को सीजीएमससी में एक और सर्जरी करनी होगी...इसके बाद दावा है कि सीजीएमससी 80 परसेंट भ्रष्टाचार मुक्त हो जाएगा। दरअसल, टेक्निकल विंग सीजीएमससी में भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा जरिया.है। मेडिकल उपकरणों की खरीदी में टेक्निल अधिकारियों द्वारा टेंडर में ऐसे क्लाज जोड़ दिए जाते हैं, जिससे दूसरा कोई सिर पटक ले, मिलेगा उसे ही जिसे अफसर चाहते हैं। और ये टेक्निल चीजें अधिकांश आईएएस समझ नहीं पाते। ब्यूरोक्रेट्स के साथ दिक्कत यह है कि हार्ड परिश्रम से यूपीएससी में उनका सलेक्शन तो हो जाता है मगर आईएएस बनने के बाद पढ़ना-लिखना एकदम बंद। पीए या विभाग के खटराल कर्मचारी, अधिकारी जो बता दिया, उसे ही नियम समझ बैठते हैं। सीजीएमससी में यही हुआ। कार्तिकेय गोयल के अलावा कोई भी एमडी सिस्टम में घुस नहीं पाया। उसका खामियाजा यह हुआ कि अफसरों ने सप्लायरों के साथ गठजोड़ कर पिछले एक दशक में 10 हजार करोड़ से ज्यादा का खेला कर डाला। गनीमत है, सरकार ने अब सीजीएमससी की सर्जरी शुरू कर दी है। लेकिन, इसके साथ सिस्टम पर भी ध्यान देना चाहिए। छत्तीसगढ़ के दो करोड़ गरीबों के लिए दवा और उपकरणों की सप्लाई करने वाले इस विभाग का आलम यह है कि 14 साल में एक भी निगम का अपना कोई अधिकारी, कर्मचारी नहीं है। आउटसोर्सिंग के भरोसे इसे खींचा जा रहा।

ईओडब्लू जांच पर ब्रेक?

सीजीएमससी के संगठित भ्रष्टाचार की खबरें मीडिया में सुर्खिया बनने पर सिस्टम ने ईओडब्लू जांच की बात कही थी। इसके लिए फाइल भी आगे बढ़ गई थी। मगर छह महीने हो गए...कहीं से प्रेशर आया और फाइल ठहर गई। उधर, मंत्रिमंडल की सर्जरी की खबरें वायरल होने के दौरान विधानसभा में सीजीएमससी पर ध्यानाकर्षण आया तो स्वास्थ्य मंत्री को ईओडब्लू जांच की घोषणा करनी पड़ी। मगर अभी भी इसका कोई अता-पता नहीं है। सवाल उठता है कि 10 हजार करोड़ के करप्शन की जांच को कौन रोक रहा है। लोग भी जानना चाह रहे कि 10 साल पहले 50 लाख का धंधा करने वाले दवा और उपकरण सप्लायर का 500 करोड़ टर्न ओवर कैसे हो गया? कौन से वे भ्रष्ट हाथ हैं, जिन्होंने सप्लायर को आर्थिक मोक्ष प्राप्त करवाते हुए 50 लाख से 500 करोड़ का आसामी बना दिया?

एक मंत्री, एक सचिव बट...

सरकार एक मंत्री, एक सिकरेट्री के नाम पर कुंदन कुमार को डायरेक्टर अरबन एडमिनिस्ट्रेशन से हटाकर हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर और आरडीए का सीईओ बना दिया। याने ओपी चौधरी अब उनके मंत्री होंगे। नगरीय निकाय में होने के नाते अभी तक वे दो मंत्रियों में बंटे हुए थे। ओपी चौधरी के साथ अरुण साव के बीच। सरकार के जिम्मेदार अधिकारियों का कहना है कि दो-तीन महीने में बाकी सचिवों का भी इसी तरह युक्तियुक्तकरण किया जाएगा। याने एक मंत्री, एक सिकरेट्री। असल में, दो-दो, तीन-तीन मंत्री होने पर अफसरों को समन्वय बिठाने में कई बार दिक्कत होती है। मसलन, एक मंत्री की मीटिंग है और दूसरे ने कहीं बुला लिया तो फिर मामला गड़बड़ाता है। मगर इस खबर में महत्वपूर्ण यह है कि डायरेक्ट आईएएस को हटाकर प्रमोटी आईएएस रिमुजियेस एक्का को डायरेक्टर बनाया गया है। इस विभाग में पहले निरंजन दास कमाल कर चुके हैं और अब उस अधिकारी को कमान सौंपी गई है, जो 35 परसेंट वाले युग में लंबे समय तक स्पेशल सिकरेट्री अरबन एडमिनिस्ट्रेशन रहे। हम किसी पर आरोप नहीं लगा रहे, जो हुआ, उसकी बात कर रहे...बाकी सरकार समझें।

5 को पीएम अवार्ड

छत्तीसगढ़ के पांच कलेक्टरों को अभी तक पीएम अवार्ड मिल चुका है। सबसे पहला अवार्ड सरगुजा कलेक्टर आर. प्रसन्ना को मिला था। उनके बाद फिर सरगुजा जिले की ही कलेक्टर रीतू सेन को। 2015 में दंतेवाड़ा कलेक्टर ओपी चौधरी को यह अवार्ड मिला। उनके बाद फिर दंतेवाड़ा के ही कलेक्टर सौरव कुमार को...और अब धमतरी कलेक्टर नम्रता गांधी को। पीएम अवार्ड ब्यूरोक्रेसी का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान माना जाता है। प्रधानमंत्री यह पुरस्कार प्रदान करते हैं।

कलेक्टर और भूमाफिया

जिस तरह कहा जाता है कि दरोगा और एसपी अगर चाह ले तो जिला अपराध मुक्त हो सकता है, उसी तरह सच्चाई यह है कि कलेक्टर अगर चाह ले तो भूमाफिया अवैध प्लाटिंग का खेल नहीं कर सकते। दरअसल, कलेक्टर ही रेवेन्यू का मुखिया होता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पहले ही कलेक्टर कांफ्रेंस में कलेक्टरों से भूमाफियाओं के खिलाफ कड़ा से कड़ा एक्शन लेने कहा था। मुख्यमंत्री के निर्देश पर कुछ कलेक्टरों ने जांच-पडताल आगे बढ़ाई। जमीनों की जब्ती की कार्रवाई के साथ ही पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया गया। मगर मुश्किल से दो-तीन जिले में ही...बाकी जिलों के हाल नहीं बदले। सीधी सी बात है कि कलेक्टर जब तक हिम्मत नहीं दिखाएंगे, तब तक भूमाफियाओं पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता। गूगल में सर्च करने पर पता चला कि सिर्फ जांजगीर में एक बार कलेक्टर तारनप्रकाश सिनहा ने सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले पांच भूमाफियाओं को एसपी विजय अग्रवाल से गिरफ्तारी करा जेल भेज दिया था। दरअसल, अधिकांश कलेक्टरों के साथ दिक्कत यह है कि उनमें सबसे प्रतिष्ठित सर्विस के साथ ईमानदारी से न्याय करने का अब माद्दा नहीं बचा। वे गुडी-गुडी बन चाहते हैं कि दो-चार जिले की कलेक्टरी कर लें। इसलिए, अबके कलेक्टर जोखिम वाले कामों में हाथ नहीं डालना चाहते। पोस्टिंग उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बन गई है। जाहिर तौर पर भूमाफियाओं को ठिकाने लगाने का काम वही कलेक्टर कर सकता है, जो ट्रांसफर आदेश जेब में लेकर घूमता हो। हालांकि, इसका दूसरा पहलू यह भी है कि छोटे राज्य में पॉलीटिकल हस्तक्षेप काफी बढ़ गया है। दमदारी से काम करने वाले कलेक्टरों को प्रोटेक्शन नहीं मिल रहा। 70 परसेंट कलेक्टर सिर्फ नौकरी कर रहे हैं...30 फीसदी जो अच्छे वाले हैं, वे भी ज्यादा उत्साह नहीं दिखाना चाहते। वजह...? यह कि छोटी-मोटी चूक में अब कोई बचाने वाला नहीं। बेमेतरा की आईएएस एसडीएम की पिछले सरकार में इसलिए छुट्टी कर दी गई थी कि उन्होंने भूमाफियाओं के खिलाफ वहां मुहिम छेड़ दी थी। तो इस सरकार में भी सूरजपुर के एसडीएम लक्ष्मण तिवारी को रेत माफियाओं के खिलाफ कड़ाई से पेश आने की कीमत यह चुकानी पड़ी कि एक मंत्री ने उन्हें सूरजपुर से 700 किलोमीटर दूर सुकमा भिजवा दिया। लक्ष्मण छत्तीसगढ़ कैडर छोड़कर बिहार चले गए। छत्तीसगढ़ में जरूरत है कि एक अच्छे प्रशासनिक वातावरण तैयार करने की। क्योंकि, सरकार की नीतियों का क्रियान्वयन अफसर करते हैं और वही अगर भ्रष्ट सिस्टम के पार्ट बन जाएंगे या फिर असुरक्षित महसूस करेंगे, तो यह छत्तीसगढ़ के हित में नहीं है।

रोमांचक मुकाबला

छत्तीसगढ़ में मुख्य सूचना आयुक्त के एक पद के लिए इस बार भारत-पाकिस्तान जैसे मुकाबले की स्थिति निर्मित हो सकती है। इस पद के लिए 58 आवेदन आए हैं, उनमें वर्तमान मुख्य सचिव अमिताभ जैन, वर्तमान डीजीपी अशोक जुनेजा, पूर्व मुख्य सचिव आरपी मंडल और पूर्व डीजीपी डीएम अवस्थी जैसे प्रतिभागी हैं। अलबत्ता, रिसेंट सीएस के नाते अमिताभ जैन का पलड़ा इनमें भारी रहेगा। मगर सवाल यह है कि अशोक जुनेजा, आरपी मंडल और डीएम अवस्थी को कम कैसे आंका जा सकता है। मंडल क्रिकेट के बड़े शौकीन हैं। उन्हें मालूम है कि किस बॉल को कैसे प्लेस करने पर बाउंड्री पार हो जाती है। वे जोगी सरकार में प्रभावशाली रहे। रमन सरकार में सिकरेट्री होने के बाद भी उन्हें रायपुर का कलेक्टर बनाया गया था। और भूपेश सरकार में मुख्य सचिव। फिर जुनेजा का तो आउटस्टैंडिंग पोस्टिंग का रिकार्ड रहा है। वे जो चाहते हैं, उनके हाथों में वैसी लकीरें बन जाती हैं। डीएम अवस्थी महाकाल के पक्के भक्त हैं। दिसंबर 2018 में बीजेपी की सरकार पलटने पर गिरधारी नायक को भूपेश बघेल डीजी बनाना चाहते थे मगर महाकाल की ऐसी चकरी चली कि डीएम अवस्थी को डीजीपी बनाना पड़ा बल्कि ना-ना करके उन्हें पौने तीन साल तक इस पद पर रखना पड़ा। अब ऐसे-ऐसे हाई प्रोफाइल प्लेयरों ने इस पद के लिए दावेदारी की है तो फिर मुकाबला दिलचस्प रहेगा ही। लोगों की निगाहें अब सीएम विष्णुदेव साय पर टिकी है कि वे इन चारों हरफनमौला खिलाड़ियों से किसे चैंपियन घोषित करते हैं।

तड़फड़ रिलीविंग

ट्रांसफर के बाद अब उसे रुकवाने की धंधेबाजी नहीं चलेगी। जीएडी इसको लेकर सख्त हो चुका है। 17 जनवरी की देर शाम सरकार ने 60 राप्रसे अधिकारियों के ट्रांसफर किए और अगले दिन शाम तक सभी को रिलीव कर दिया गया। जीएडी अपने यहां के लोगों को रिलीव किया ही, कलेक्टरों को रात में ही जीएडी सिकरेट्री ने मैसेज कर दिया था...एनी हाउ कल तक रिलीव कर देना है। 18 शनिवार अवकाश का दिन होने के बाद भी कलेक्टरों ने शाम तक धड़ाधड़ रिलीविंग आर्डर मुख्यमंत्री सचिवालय को भेज दिया था।

अंत में दो सवाल आपसे

1. ऐसा क्यों हो रहा कि अमर अग्रवाल के मंत्री बनाने के नाम से बीजेपी के अंदरखाने का टेम्परेचर बढ़ जा रहा और क्या सिर्फ इसी वजह से मंत्रिमंडल का विस्तार टल जा रहा?
2. 4 फरवरी के दोपहर तक अशोक जुनेजा का अगर एक्सटेंशन नहीं हुआ तो फिर सरकार किस आईपीएस को प्रभारी डीजीपी अपाइंट करेगी?

रजिस्ट्री सं० डी०एल० 33004/99 REGD. NO. D.L. 33004/99

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-08012025-259992
CG-DL-E-08012025-259992
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग-II खण्ड-3 उप-खण्ड (ii)
PART-II Section-3 Sub-Section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 77] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 3, 2025/पौष 13, 1946
No. 77] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 3, 2025/PAUSHA 13, 1946

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
अधिसूचना
नई दिल्ली, 3 जनवरी, 2025

का.आ. 79(अ)—केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ 4753 तारीख 29 October 2024, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित की गई थी, द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले के गाँव– लिंगाड़ीह, भिलाई, चरौदा, तालुक–आरंग और गाँव–, तालुक– अभनपुर में NH53 के कि.मी. 79 से कि.मी. 92.25 तक के भूखण्ड पर टोल प्लाजा के निर्माण, अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के लिए उस अधिसूचना से उपाबद्ध में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (3) के अधीन तारीख "10.11.2024" को "हरिभूमि" और "सेंट्रल क्रोनिकल" दोनों में प्रकाशित किया गया था;

जबकि सक्षम प्राधिकारी को धारा 3–ग के तहत दायर आपत्ति प्राप्त हुई है, जिस पर विचार गया है और उसका उचित रूप से निपटान किया गया;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जन किया जाना चाहिए;

और अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर आत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी।

अनुसूची

छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले के गाँव– लिंगाड़ीह, भिलाई, चरौदा, तालुक–आरंग और गाँव–, तालुक– अभनपुर में NH53 के कि.मी. 79 से कि.मी. 92.25 के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना सहित अथवा संरचना रहित विवरण।

112 GI/2025

फाइल नंबर: 597/3D
अभय जैन, निदेशक

जिलाः रायपुर
https://egazette.gov.in
प्रकाशन तिथिः *03/01/2025*
https://egazette.gov.in
https://bhoomirashi.gov.in
नोटः इस अधिसूचना की वास्तविक प्रति सीएएलए/पीआईयू/पीएमयू/आरओ/ईडी के कार्यालय में भी उपलब्ध है और भूमि मालिक वहां भी अधिसूचना देख सकते हैं।

मजदूर सप्लाई के नाम पर 8.50 लाख की हेरा-फेरी

भिलाई। ईट भठ्ठी में मजदूर सप्लाई के नाम पर करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 318(4) के तहत जुर्म दर्ज किया है। नंदिनी पुलिस ने बताया कि जनता क्वाटर डी/8 पदमनाभपुर निवासी एम अंकाबाबू चेन्नई में अपने मामा श्रीधर राव के साथ ईटा भटठा का संचालन करता है। हर वर्ष की तरह वर्ष 2024 में भी ग्राम पोटिया निवासी भीमसेन जोशी के द्वारा ईटा भटठा में काम करने मजदूर सप्लाई करने के एवज में 16 अगस्त से 19 दिसंबर 24 तक अलग अलग किश्तों 8 लाख 50 हजार रूपये लिया। मगर भीमसेन ने मजदूर सप्लाई तक नहीं किया न ही रुपए लौटा रहा है। मजदूर सप्लाई ठेकेदार भीमसेन जोशी के साथ पीड़ित का पुराना परिचय रहा है। भीमसेन जोशी से संपर्क करने पर मजदूरों की सप्लाई के लिए एडवांस में रकम का डिमांड करने पर उसे उक्त रुपए दिया गया था। समय बीतने के बाद भी रुपए नहीं लौटा है। परेशान होकर घटना की शिकायत पुलिस थाने में किया है।

98 बल्क लीटर मदिरा जब्त

बीजापुर। कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देश पर और उपायुक्त आबकारी आशीष कोसम के मार्गदर्शन में 17 जनवरी को जिला आबकारी अधिकारी अभिषेक तिवारी के नेतृत्व में आबकारी टीम बीजापुर ने मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर आबकारी वृत्त भोपालपटनम ग्राम बासागुड़ा थाना बासागुड़ा से 500 मीटर की दुरी पर साप्ताहिक बाजार के मध्य तिरुपति जंघम के द्वारा किराना दुकान में अवैध मदिरा का विक्रय किया जा रहा था। मुखबिर की सूचना पर आबकारी टीम मौके पर घटना स्थल पर पहुंची परन्तु आरोपी अवैध शराब को अपने घर के एक कमरे में छुपा कर फरार हो चुका था। स्थानीय पुलिस की मदद से तथा गांव के सरपंच एवं अन्य गवाहों के उपस्थिति में कमरे का दरवाजा तोड़ा गया जहां से बड़ी मात्रा मे नॉन ड्यूटी पेड एवं ड्यूटी पेड अवैध शराब जब्त की गई।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

क्षेत्रीय कार्यालय, जीवन प्रकाश, एलआईसी बिल्डिंग, पंडरी, रायपुर (छ.ग.), फोन नं. 0771 - 4222611, 4222612
ई-मेल: recovery.raipur@bankofbaroda.com

अचल संपत्ति का कब्जा नोटिस

यतः बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के साथ पढ़े जाने वाली प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित बकायेदारों / जमानतदारों को मांग नोटिस निर्गत की गई थी। उक्त मांग नोटिसों में, वर्णित धनराशि को संबंधित बकाएदारों से, उक्त नोटिसों की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर बैंक को अदा करने की मांग की गई थी, जिसे निम्नलिखित नाम वाले बकायेदार/जमानतदार मांग की गई धनराशि को लौटाने में असफल रहे हैं। अतः एतद् द्वारा संबंधित बकायेदारों/जमानतदारों एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी ने संबंधित कॉलम में दी गई तिथियों को उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के साथ पढ़े जाने वाली प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 तथा धारा 14 के साथ पठित उक्त नियमावली के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोलिखित सम्पत्तियों को उनके सम्मुख अंकित दिनांक को अपने कब्जे में ले लिया हैं जिनका विवरण निम्नानुसार हैं:-

क्र.	शाखा का नाम / फोन नं.	उधारकर्ता / जमानतदार का नाम	प्रतिभूतिकृत संपत्ति का विवरण	मांग नोटिस की तिथि राशि एवं सांकेतिक / भौतिक कब्जा तिथि
01	जी. ई. रोड शाखा, रायपुर 9752410756	श्री अंशू वर्मा और श्री विशाल वर्मा, सेक्टर-3, बिजली ऑफिस के पास, शिवानंद नगर, खमतराई, रायपुर, छ.ग. - 492001 एवं श्री करण जयसवाल, शिवानंद नगर, 30 वां ब्लॉक, सामुदायिक भवन के पास श्री नगर खमतराई, रायपुर, छ.ग. - 492001.	भूमि और भवन से संबंधित खसरा नं. - 683/2, क्षेत्रफल - 780 वर्गफीट स्थित मौजा गोंदवारा, प.ह.नं. - 38/37, आरआईसी-1, रायपुर, तहसील एवं जिला- रायपुर (छ.ग.). सीमाएं: उत्तर - राव का मकान, दक्षिण - दीप प्रकाश का मकान, पूर्व - सत्या राव का मकान, पश्चिम - रोड.	11.09.2024 रु. 19,06,444.99 + ब्याज + अन्य प्रभार 14.01.2025 सांकेतिक कब्जा

अग्रेतर एतद् द्वारा आम जनता विशेषकर उधारकर्ता एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता हैं कि उपरोक्त संपत्तियों का लेनदेन न करें, उक्त संपत्ति का लेनदेन बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रभार के अधीन होगा।
हम ऋणकर्ता का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन (redeem) के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 8 की ओर आकर्षित करते हैं.
दिनांक:19.01.2025, स्थानः रायपुर, छत्तीसगढ़ प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा

केनरा बैंक Canara Bank भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking सिंडिकेट Syndicate

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना

ई-नीलामी दिनांक : 10.02.2025 / 25.02.2025

स्थायी संपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित अचल संपत्तियों के ऋणियों एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित संपत्तियाँ **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक है तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का उसके सांकेतिक/भौतिक कब्जा ले लिया गया है। निम्न वर्णित संपत्तियों का विक्रय दिनांक **10.02.2025 / 25.02.2025** को 12.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक **केनरा बैंक सुरक्षित लेनदार** के बकाया राशि को वसूल करने हेतु **"जैसा है जहां है, जो है जैसा है"** एवं **"जो कुछ भी है"** के आधार पर किया जा रहा है।

ईएमडी जमा/संपत्ति निरीक्षण की तिथि: 10.02.2025 एवं ई-नीलामी की तिथि: 11.02.2025

ऋणी/गारंटर का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक / कब्जा सूचना दिनांक / बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि	शाखा सम्पर्क नं.
ऋणी- श्रीमती नेहा देवांगन पत्नी- चंदन देवांगन एवं **श्री चंदन देवांगन पुत्र- भोलाराम देवांगन, दोनों का पता-** मठपारा दुर्गा चौक, किराना स्टोर के पीछे, रायपुर-छत्तीसगढ़ 492001.	मकान नं. आरपीआर567सी00738, खसरा नं. 178/46, प.ह. नं. 67, गणपति नगर, मौजा- चंगोराभाठा, खूबचंद बघेल वार्ड नं. 67, आरआईसी- रायपुर-1, तहसील व जिला- रायपुर (छ. ग.) क्षेत्रफल- 935 वर्गफीट में स्थित आवासीय मकान। **चौहद्दी उत्तर-** संतराम साहू का मकान, **दक्षिण-**देवनारायण साहू का मकान, **पूर्व-** सड़क, **पश्चिम-** मीना बाई की भूमि।	29.07.2024 09.10.2024 ₹ 26,71,901.72 29.07.2024 पर भविष्य का ब्याज और लागत,खर्च आदि	₹ 29,58,000/- ₹ 2,95,800/- ₹ 10,000/-	Raipur Main Branch (Mo. 8349258891)
मेसर्स ठाकुर पेट्रोकेमिकल्स, प्रोपराइटरः श्री संतोष सिंह ठाकुर पिता- मूल सिंह ठाकुर, लाखे नगर चौक, महादेवघाट रोड, रायपुर एवं **श्रीमती हेमलता ठाकुर पति- संतोष सिंह ठाकुर**, शांति विहार कॉलोनी, डगनिया, पारस किराना स्टोर के सामने, रायपुर।	**अचल संपत्ति 1-** खसरा नं. 438 (पुराना) एवं 438/1-2-3 (नया) का भाग, ग्राम- उरला, आरआईसी- अभनपुर, पी.सी. नं. 131, तहसील- अभनपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.) क्षेत्रफल- 1.719 हेक्टेयर। **चौहद्दीः दक्षिण की ओर-** उसमान भाई का भूमि, **उत्तर की ओर-** कनिश फातिमा का प्लॉट, **पश्चिम की ओर-** संतोष ठाकुर की भूमि, **पूर्व की ओर-** बेलभाटा. **चल संपत्ति 2-** खसरा नं. 438 (पुराना) एवं 438/1-2-3 (नया) का भाग, ग्राम- उरला, आरआईसी- अभनपुर, पी.सी. नं. 131, तहसील- अभनपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.) क्षेत्रफल- 1.719 हेक्टेयर में स्थित प्लांट व मशीनरी का दृष्टिबंधक।	29.09.2021 24.01.2023 ₹ 4,77,44,680.83 29.09.2021 पर भविष्य का ब्याज और लागत,खर्च आदि	1: ₹ 3,15,64,000/- ₹ 31,56,400/- ₹ 10,000/- 2: ₹ 90,00,000/- ₹ 90,000/- ₹ 10,000/-	Bhilai Main Branch (Mo. 7718873373)

ईएमडी जमा/संपत्ति निरीक्षण की तिथि: 24.02.2025 एवं ई-नीलामी की तिथि: 25.02.2025

ऋणी/गारंटर का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक / कब्जा सूचना दिनांक / बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि	शाखा सम्पर्क नं.
1. सिंह ब्रदर्स कंस्ट्रक्शन, मकान नं. 20 बी, सेंट जोसेफ कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर, छत्तीसगढ़-492006, **2. श्री राज किशोर सिंह (पार्टनर)**, मकान नं. 32, सेंट जोसेफ स्कूल के पास, अमलीडीह, रायपुर, छत्तीसगढ़-492006, **3. श्री बरुण कुमार सिंह (पार्टनर)**, फ्लैट नं. 2, गुलमोहर रेजीडेंसी, न्यू पुरेना महावीर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़-492006, **4. श्रीमती कुमुद सिंह (गारंटर) पत्नी राजकिशोर सिंह**, मकान नं. 32, सेंट जोसेफ स्कूल के पास, अमलीडीह, रायपुर, छत्तीसगढ़-492006, **5. श्रीमती इंदु देवी सिंह (गारंटर) पत्नी बरुण कुमार सिंह**, फ्लैट नं. 2, गुलमोहर रेजीडेंसी, न्यू पुरेना महावीर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़-492006.	1. ग्राम देवपुरी, प.ह.नं. 114/52, आर.आई.सी. रायपुर 2, खाता नं. 1001 (पुराना)/1504 (नया), खसरा नं. 86/53, तहसील एवं जिला रायपुर, क्षेत्रफल- 1500 वर्ग फीट में स्थित व्यपवर्तित भूमि का समस्त भाग तथा अंश। **चौहद्दी- उत्तरः** सड़क, **दक्षिणः** सुशील जायसवाल की भूमि, **पूर्वः** सड़क, **पश्चिमः** इंदु देवी की भूमि। 2. ग्राम देवपुरी, प.ह.नं 114/52, आर.आई.सी. रायपुर 2, खाता नं. 1001 (पुराना)/1505 (नया), खसरा नं. 86/53 (पुराना)/86/121 (नया), तहसील एवं जिला रायपुर, क्षेत्रफल- 1500 वर्ग फीट में स्थित व्यपवर्तित भूमि का समस्त भाग तथा अंश। **चौहद्दी- उत्तरः** सड़क, **दक्षिणः** सुशील जायसवाल की भूमि, **पूर्वः** कुमुद सिंह की भूमि, **पश्चिमः** अन्य का मकान।	25.09.2024 07.12.2024 ₹ 70,06,038.51 29.09.2021 पर भविष्य का ब्याज और लागत,खर्च आदि	1: ₹ 22,50,000/- ₹ 2,25,000/- ₹ 10,000/- 2: ₹ 22,50,000/- ₹ 2,25,000/- ₹ 10,000/-	Raipur Main-II Branch (Mo. 9424204021)

EMD Deposit Details : EMD amount of 10% of the Reserve Price is to be deposited in E-Wallet of M/s PSB Alliance Private Limited (baanknet) portal directly or by generating the Challan therein to deposit the EMD through RTGS/NEFT in the account details as mentioned in the said challan on or before 10.02.2025 / 24.02.2025.

ई-नीलामी की शर्तेः- (1) नीलामी बैंक द्वारा अधिकृत सेवा प्रदाता की वेबसाइट **www.baanknet.com.** के माध्यम से आन लाईन ई-नीलामी की जावेगी। **(2)** संपत्ति का निरीक्षण दिनांक **10.02.2025 / 24.02.2025**, सुबह **10.30** से सायं **4.30** बजे तक संबंधित शाखा प्रबंधक की पूर्व अनुमति से किया जा सकता है। **(3)** बिक्री की पुष्टि होने पर सफल खरीददार बिक्री मूल्य का **25** प्रतिशत जिसमें ईएमडी के लिए पहले भुगतान की गई रकम भी शामिल है तुरंत जमा करेंगे एवं शेष **75** प्रतिशत राशि का **15** दिन के अंदर भुगतान करेंगे। **(4)** अधिक जानकारी हेतु उपरोक्त संबंधित शाखा के **प्राधिकृत अधिकारी** से सम्पर्क करें अथवा सर्विस प्रदाता **M/s. PSB Alliance (baanknet), Helpline: Email ID- support.baanknet@psballiance.com** अथवा **Website: https://baanknet.com** पर संपर्क करें।

विवाद की किसी भी स्थिति में अंग्रेजी अखबार 'सेन्ट्रल क्रोनिकल' दिनांक 19.01.2025 सम्पूर्ण छ.ग. में प्रकाशित विज्ञापन मान्य होगा।

दिनांक : 18.01.2025 स्थानः रायपुर (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

जैकेट के शेष

20 साल में छत्तीसगढ़ ....

वर्षों में लगातार 126, जवानों की जानें गईं। 2005 से लेकर 2012 नक्सलियों से लड़ते-लड़ते लगातार बड़ी घटनाएं हुईं। इन वारदातों के बीच 2007 में सबसे अधिक 200 जवान शहीद हुए। अब तक के इतिहास में 2024 तक करीब 1400 जवानों की शहादत हो चुकी है। इन घटनाओं में जान गंवाने वाले सबसे अधिक जवान केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स यानी सीआरपीएफ के रहे। इतने अरसे की हिंसक घटनाओं के बाद अब राज्य में नक्सलवाद अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। हालांकि 2025 के पहले ही महीने में नक्सलियों ने 9 जवानों के शहीद करने का दुस्साहस किया है, लेकिन संघर्ष अभी जारी है। छत्तीसगढ़ में नक्सल हिंसा की वारदातों का इतिहास हालांकि राज्य गठन से पहले का है, लेकिन राज्य बनने के बाद 2005 से जहां नक्सली हमले तेज हुए वहीं नक्सलियों के खिलाफ राज्य सरकार के बल और केंद्रीय बलों ने जमकर लड़ाई लड़ी। इन बलों में राज्य का जिला पुलिस बल, छत्तीसगढ़ आर्म्स फोर्स (सीएएफ) एसटीएफ, असिस्टेंट कांस्टेबल, एसपीओ, गोपनीय सैनिक, नगर सैनिक, सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, मिजो फोर्स, नागा फोर्स, और बस्तर बटालियन के जवानों की शहादतें से इतिहास रंगा है। तब कहीं जाकर छत्तीसगढ़ के सर्वाधिक नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग के जिलों के अलावा सरगुजा संभाग तथा राज्य के मैदानी इलाकों में शांति और सुरक्षा की ओर कदम बढ़ पाए हैं।

एक महीनेभर में दूसरा बड़ा हमला : दंतेवाड़ा में अप्रैल 2010 की बड़ी वारदात के बाद 17 मई 2010 करीब एक महीने के अंतराल में ये नक्सलियों ने दूसरा बड़ा हमला किया था. एक यात्री बस से दंतेवाड़ा से सुकमा जा रहे सुरक्षाबलों के जवानों पर नक्सलियों ने बारूदी सुरंग लगा कर हमला किया था. जिसमें 12 विशेष पुलिस अधिकारी समेत 36 लोग मारे गए थे। इस साल कुल मिलाकर 177 जवानों की शहादत हुई थी।

बलों ने जमकर किया मुकाबला, नक्सलियों को किया ढेर : नक्सलियों के खिलाफ ढाई दशक से चल रही लड़ाई कभी एकतरफा नहीं रही। सुरक्षा बलों के जवानों ने जहां अपनी जानें दीं, वहीं हमलावर नक्सलियों को मार गिराने में बड़ी सफलताओं का इतिहास भी लिखा है। बस्तर में वर्ष 2014 में 237 नक्सलियों को ढेर किया जा चुका है, जिनमें से 217 के शव पुलिस को मिले हैं। अन्य 20 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि नक्सली स्वयं कर चुके हैं। इस अवधि में 925 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है, तो 792 नक्सली अपने हथियार छोड़ मुख्यधारा में लौट आए हैं।

नक्सलियों के गढ़ में पुलिस के कैंप : राज्य में एक तरफ नक्सलियों से मुकाबला किया गया है, वहीं नक्सलियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए सरकार ने कई रणनीतिक कदम उठाए हैं। जानकारों के मुताबिक नक्सलियों को काबू करने की रणनीति का एक बड़ा हिस्सा ये था कि उनके प्रभाव वाले जंगल क्षेत्र में पुलिस के कैंप बनाए जाएं। पुलिस के कैंप बनाने का विरोध नक्सलियों ने ग्रामीण आदिवासियों को ढाल बनाकर भी करने की कोशिश की लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। प्रदेश में 2024 में 28 नवीन सुरक्षा कैंप सीधे नक्सलियों के गढ़ में खोले गए हैं। दस नए कैंप नक्सलियों के आधार क्षेत्र तेलंगाना राज्य सीमा से सटे दक्षिण व पश्चिम बस्तर क्षेत्र में खोले गए हैं। इसी तरह अबूझमाड़ में भी सुरक्षा कैंपों की दीवार खड़ी कर दी गई है।

सबसे बड़ी शहादत ....

के ढेर थे। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद यह बस्तर की पहली सबसे बड़ी नक्सल घटना थी। इस घटना ने पूरे देश को रुलाया था। इसी साल कई और नक्सल घटनाएं भी हुईं। इस प्रकार 2007 में कुल 200 जवान शहीद हुए थे। इस घटना में 75 एसपीओ की जानें गईं थीं।

बेस कैंप पर हमला ....

2018 सुकमा जिले के किस्टाराम क्षेत्र में 13 मार्च 2018 को नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया था. जिसमें सीआरपीएफ के 9 जवानों ने अपनी शहादत दी थी। जबकि 25 जवान घायल हुए थे। 9 अप्रैल 2019 दंतेवाड़ा में 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले नक्सलियों ने चुनाव प्रचार के लिए जा रहे बीजेपी विधायक भीमा मंडावी की कार पर हमला किया था. इस हमले में विधायक समेत 4 सुरक्षाकर्मियों ने अपना बलिदान दिया था। मार्च 2020 नक्सलियों ने सुकमा में योजना बना के एक बार फिर बड़ा हमला किया। 21 मार्च 2020 को हुए इस हमले में 17 जवानों ने अपनी शहादत दी। यह हमला तब हुआ जब उस वक्त चिंतागुफा इलाके में सर्चिंग अभियान चल रहा था। अप्रैल 2021 में 4 अप्रैल 2021 को एक बार फिर बड़ा नक्सली हमला होता है. छत्तीसगढ़ के बीजापुर और सुकमा जिले की सीमा पर हुए इस नक्सली हमले में 22 जवान शहीद हुए थे।

सबसे बड़ी मुठभेड़ ...

मौके से भारी मात्रा में हथियार बरामद किया था। मारे गए सभी नक्सलियों पर कुल 1 करोड़ 78 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इस घटना के बाद 30 अप्रैल को 9 घंटे तक चली मुठभेड़ जवानों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया था। 10 मई 2024 को बीजापुर जिले के पीड़िया के जंगल में 10 मई की सुबह 12 घंटे तक चली मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए। इस दौरान दो जवान घायल भी हुए थे।

सरकारी नौकरी और ....

देने के लिए इस्तीफा देने की बात कही है। यह शिक्षक फिलहाल शासकीय प्राथमिक शाला परसवारा में पदस्थ हैं। खास बात है कि जिस प्रधानपाठक ने सरकारी नौकरी को चिड़ियाघर करार देते हुए खुद त्यागपत्र बीईओ को सौंपा है, उनकी पत्नी प्रभा ध्रुव भी अभी लोरमी के एक स्कूल में प्रधानपाठक के पद पर कार्यरत हैं।

जिले के साथ ही शिक्षक बच्चों को पढ़ाना छोड़कर ऑनलाइन नेटवर्क मॉर्केटिंग का काम कर रहे। इस मामले में शिक्षा विभाग बिलासपुर के संयुक्त संचालक ने संभाग के सभी डीईओ को आदेश जारी कर निजी कंपनी के प्रचार में लगे शिक्षकों की जानकारी मांगी है। जारी आदेश में कहा गया है कि देखने में आया है कि संभाग के कार्यरत कुछ शिक्षक बच्चों को पढ़ाना छोड़कर निजी कंपनी से जुड़कर उनके प्रसार-प्रचार में जुटे हैं। कुछ स्थानों पर शिक्षकों नेटवर्क मार्केटिंग के लिए शाला अवधि में ऑनलाइन ट्रेनिंग करते हैं। इसमें विद्यार्थियों की भी मदद ली जा रही है। ऐसे शिक्षकों की प्रमाण सहित जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

किनकी अनुमति से की विदेश यात्रा, अफसर मौन : जानकारी के अनुसार प्रधानपाठक पद पर कार्यरत रहने के दौरान ज्ञानी ध्रुव विदेश की यात्रा कर चुके हैं, लेकिन किनकी अनुमति से विदेश का सफर किया, इस पर कोई कुछ नहीं बोल रहा है। ज्ञात हो एक दूसरे शिक्षक शशि कुमार बैरागी वैष्णव रायगढ़ में शिक्षक के पद पर पदस्थ थे।

नौकर नहीं मालिक माइंडसेट ....

रहते कई बार विदेश यात्रा भी की है। ज्ञानी ध्रुव ने प्रधानपाठक पद से इस्तीफा देते हुए बीईओ को सौंपे त्यागपत्र में लिखा है कि अब उन्हें नौकर नहीं मालिक माइंडसेट में रहकर काम करना है। अब वह चिड़ियाघर में रहकर अपना और अपने लोगों की जिंदगी नहीं बदल सकते। उन्होंने सोशल मीडिया में भी पोस्ट किया है। हालांकि यह जांच का विषय है कि जो काम 20 वर्षों में नहीं कर पाए वह नेटवर्क मार्केटिंग में रहते हुए कैसे कर रहे हैं।

सैफ के हमलावर का ....

संदर्भ में कुछ भी खुलासा नहीं किया है। आरपीएफ की सूचना पर मुंबई पुलिस पूछताछ के लिए दुर्ग पहुंचने वाली है।

खबर है, आरपीएफ ने ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस से आकाश को उतारकर युवक को कस्टडी में रखा है। आकाश को ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल डिब्बे से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी जनरल बोगी में चुपचाप बैठा मिला। वायरल फोटो को मिलान करने पर उसे पकड़ा गया है। आकाश के पकड़े जाने के बाद से दुर्ग क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। संदिग्ध आकाश से किसी भी प्रकार की पूछताछ करने से आरपीएफ की टीम ने इंकार कर दिया है।

संदिग्ध को मुंबई पुलिस को सौंपा जाएगा : आकाश कनौजिया मुंबई के कोलावा का निवासी है। फिलहाल छत्तीसगढ़ के चांपा में अपनी नानी के घर जा रहा था। राजनांदगांव आरपीएफ की टीम ने पकड़ने का प्रयास किया लेकिन पकड़ में नहीं आया। दुर्ग आरपीएफ की टीम ने संदिग्ध को एक्सप्रेस के जनरल बोगी से पकड़कर हिरासत में लिया है। मुंबई पुलिस की टीम आने के बाद मामले में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। आरोपी को मुंबई पुलिस के हैंड ओवर किया जाएगा।
-मुन्नवर खुर्शीद, आईजी आरपीएफ रायपुर

भालू के हमले ....

गई थी। भालू ने अचानक दोनों ग्रामीणों पर हमला बोल दिया, जिसमें सुकलाल दर्रो की मौके पर मौत हो गई। वहीं अज्जू नरेटी घायल हो गया, जिसे अस्पताल इलाज के लिए भिजवाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर वन विभाग, पुलिस और मृतक का पिता एवं गांव वाले पहुंचे। मृतक का पिता बेटे के शव के पास था और चींटी को हटा रहा था, उसी समय भालू अचानक जंगल से निकलकर मृतक के पिता शंकर दर्रो और वन विभाग के कर्मचारी वनपाल नारायण यादव पर हमला बोल दिया। इसमें शंकर दर्रो की मौत हो गई और वनपाल के हाथ में चोट आई। वनपाल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। वन विभाग की टीम ने मौके पर सुबह से उपस्थित रही। वन विभाग ने दोनों घायलों को इलाज के लिए रायपुर भेजा गया।

कोटा में एक और छात्र ने किया सुसाइड

कोटा। राजस्थान स्थित शिक्षा नगरी कोटा में छात्रों के सुसाइड के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। लगातार एक के बाद एक होते स्टूडेंट सुसाइड से कोटा की छवि पर असर साफ तौर पर देखा को मिल रहा है। शहर के जवाहर नगर इलाके में एक और स्टूडेंट ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक छात्र मनन जैन बूंदी जिले का निवासी था जो की कोटा में रहकर 12वीं कक्षा की पढ़ाई के साथ में जेईई की भी पढ़ाई कर रहा था। छात्र के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने मोर्चरी में रखवाया है। वहीं छात्र के परिजन भी कोटा पहुंच चुके हैं। कोटा में 24 घंटे के अंदर यह दूसरा सुसाइड का मामला सामने आया है। इसके पहले उड़ीसा निवासी अभिजीत गिरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। । साल 2025 के जनवरी माह में ही अब तक चार छात्रों ने सुसाइड किया है। कोटा में पढ़ाई के माहौल के बीच मानसिक तनाव भी स्टूडेंट में साफ तौर पर देखने को मिल रहा हैजिसमें तीन जेईई की तैयारी कर रहे थे। वहीं एक नीट का स्टूडेंट शामिल है।

नोएडा के वेदवन पार्क में 10 लाख के नोजल चोरी, लेजर शो बंद

नई दिल्ली। नोएडा के सेक्टर-78 स्थित वैदिक थीम वाले वेदवन पार्क से 160 नोजल चोरी होने की घटना सामने आई है। चोरी हुए नोजल की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है। इस घटना के चलते पार्क में रोजाना होने वाले लेजर शो को रोकना पड़ा है। घटना के संबंध में प्राधिकरण की ओर से सेक्टर-113 थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है।

पेज एक के शेष

चोर ले गए खिड़की...

हरिभूमि ने जगदलपुर, दुर्ग, भिलाई और राजनांदगांव में दूर-दराज इलाकों में बने इनके प्रोजेक्ट का मुआयना किया है। बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों में हाउसिंग बोर्ड ने आवास एवं अटल विहार योजना में तीन अरब की लागत से 10 वर्षों में दो हजार से ज्यादा आवास का निर्माण किया है, पर निर्माणाधीन कालोनी में सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से सूनसान आवासों के खिड़की-दरवाजे गायब हो गए है। यह हालत संभागीय मुख्यालय से लगभग 18 किमी दूर ओडिशा रोड में ग्राम चोकावाड़ा में हाउसिंग बोर्ड ने लगभग 11 करोड़ रुपए की लागत से 7 वर्ष पूर्व 265 आवासों का कालोनी निर्माण किया था। कालोनी में सुरक्षा की व्यवस्था नहीं होने से एचआईजी क्रमांक 1, 5, 13, एलआईजी 13,14 आवासों के खिड़की एवं दरवाजे गायब हो गए, ऐसे आवास सूनसान हैं क्योंकि आवास के मालिक महीनों से कालोनी में नहीं पहुंचे। हालांकि इस कालोनी के आवास में ज्यादातर किराएदार ही रहते हैं। कालोनीवासियों ने बताया कि कई बार बोर्ड में कालोनी में सुरक्षा व्यवस्था की मांग की गई पर ध्यान नहीं दिया गया, इससे कालोनीवासी परेशान है। साथ ही कालोनी में जाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग से कांक्रीट सड़क का निर्माण किया गया जो ओवरलोड वाहनों के चलते जर्जर हो गया है, जहां लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग से कालोनी जाने के लिए एनएच में बोर्ड नहीं होने से कई बार भटक जाते हैं।

शहर से दूर हुआ, प्रोजेक्ट...

है, लेकिन शहर से दूर ग्रामीण क्षेत्र के प्रोजेक्ट सस्ती दर पर होने के बाद भी नहीं बिके हैं और मकान वर्षों से पड़े खंडहर में भी तब्दील हो रहे हैं। हाउसिंग बोर्ड द्वारा शहर के समीप मनकी, टेडेसरा और शहर के बीच कौरिनभांठा, चिखली जैसे क्षेत्रों में मकान बनाए गए हैं। जिसमें शत प्रतिशत मकान बिक चुके हैं। वहीं कौरिनभांठा क्षेत्र में बने कॉलोनी के चंद मकान यहां सुविधाओं के अभाव के चलते बिक्री के लिए बचे हैं। जिनकी खिड़कियां दरवाजे भी टूट गए हैं।

दो प्रतिशत मकान...

इन मकान में से लगभग 15-20 मकान ही बिक पाए हैं। जबकि 1 बीएचके बनाए गए इन मकानों की कीमत लगभग 1 लाख 26 हजार ही है। जो 400 स्क्वायर फीट में निर्मित है। शहर से लगभग 26 किलोमीटर दूर होने की वजह से यहां निर्मित मकान अब तक नहीं बिक पाई है।

आठ साल से चार...

परसदा और खारून में हैं। अधिकारियों ने बताया कि, राज्य शासन को आबंटित नहीं किए गए मकानों की जानकारी भेजी गई हैं। बताया गया कि इन मकानों को वन टाइम सेटलमेंट के तहत सस्ते दर पर बिक्री किया जाएगा।

पिता को दफनाने...

मौत के बाद से शव जगदलपुर के जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के शवगृह में पड़ा हुआ है। पुलिस ने तब से कोई कार्रवाई नहीं की है। न्यायालय ने याचिका पर छत्तीसगढ़ सरकार से जवाब तलब करते हुए नाराजगी जताई। याचिकाकर्ता बघेल के अनुसार, छिंदवाड़ा गांव में शवों को दफनाने और दाह संस्कार के लिए ग्राम पंचायत द्वारा मौखिक रूप से कब्रिस्तान आवंटित किया गया है। इस गांव के कब्रिस्तान में आदिवासियों के दफनाने, हिंदू धर्म के लोगों के दफनाने या दाह संस्कार तथा ईसाई समुदाय के लोगों के लिए अलग-अलग क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं। ईसाइयों के लिए निर्दिष्ट क्षेत्र में, याचिकाकर्ता की चाची और दादा को इस गांव के कब्रिस्तान में दफनाया गया है।

क्या है मामला...

ईसाई व्यक्तियों के लिए निर्दिष्ट क्षेत्र में दफनाने का निर्देश देने के अनुरोध वाली उनकी याचिका को निस्तारित कर दिया गया था। ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा जारी प्रमाण पत्र के आधार पर कि ईसाइयों के लिए अलग से कोई कब्रिस्तान नहीं है, उच्च न्यायालय ने उन्हें यह कहते हुए अनुमति देने से इंकार कर दिया कि इससे आम जनता में अशांति और असामंजस्य पैदा हो सकता है। पादरी की लंबी बीमारी के कारण मृत्यु हो गई।

मुठभेड़ में 12 नहीं...

वांटेड नक्सली कमांडर स्टेट कमेटी मेम्बर और तेलंगाना स्टेट कमेटी का चीफ दामोदर उर्फ चोखा राव भी मारा गया है। इसके अलावा पीपीसीएम हूंगी, देवे, जोगा, और नरसिंह राव भी मारे गए हैं।

वर्चुअल कार्यक्रम में छग से शामिल हुए सीएम...

मंशा और दूरदर्शी सोच के अनुरूप सरकार ने स्वामित्व योजना को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए मजबूती से कदम उठाए हैं। यह योजना न केवल एक ऐतिहासिक पहल है, बल्कि ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने का माध्यम भी है। सामाजिक स्थिरता और न्याय प्रणाली को सुदृढ़ करता है: मुख्यमंत्री साय ने कहा कि संपत्ति के अधिकार केवल भूमि और अन्य संसाधनों के कानूनी स्वामित्व तक सीमित नहीं हैं, ये व्यक्तियों और समुदायों को आत्मनिर्भरता, स्थिरता और सम्मानित जीवन का आधार प्रदान करते हैं। विशेष रूप से, हमारे समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के लिए यह अधिकार उनकी आर्थिक, सामाजिक और व्यक्तिगत स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है। भूमि प्रशासन को पारदर्शी और प्रभावी बनाना हमारी प्राथमिकता है। भूमि की सीमाओं का स्पष्ट सीमांकन न केवल विवादों को रोकने में सहायक है, बल्कि सामाजिक स्थिरता और न्याय प्रणाली को सुदृढ़ करता है।

मारे गए माओवादियों में 59 लाख के इनामी,...

इनाम 05.00 लाख, डोडी वासू पिता नहीं मालूम निवासी पेद्दागेलूर थाना तर्रेम जिला बीजापुर, पदनाम-कोंटा एरिया कमेटी प्लाटून नम्बर 04 सदस्य, इनाम 05.00 लाख, उईका आयतू (25) पिता नहीं मालूम निवासी मिस्सीगुड़ा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा, पदनाम-कोंटा एरिया कमेटी प्लाटून नम्बर 04 सदस्य, इनाम 05 लाख, पोट्टाम मंगली पिता नहीं मालूम निवासी डुवाली नेण्ड्रा थाना गंगालूर जिला बीजापुर, पदनाम - गोलापल्ली एलओएस पार्टी सदस्या, इनाम 02.00 लाख रुपए है। वहीं, शेष 02 माओवादियों की शिनाख्तगी कार्रवाई की जा रही है।

ऑक्सीजन सिलेंडर में ब्लास्ट एक की मौत

पटना। बिहार के पटना सिटी में दर्दनाक हादसा हो गया। यहां अगमकुआ इलाके में नर्सिंग होम के पास ऑक्सीजन सिलेंडर में जोरदार ब्लास्ट हो गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक अन्य घायल हो गया है। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया। पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी है। घटना नर्सिंग होम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान प्रमोद के रूप में हुई है। सिलेंडर में हुआ ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि नर्सिंग होम के शीशे और आसपास खड़े वाहनों के शीशे चकनाचूर हो गए। घटना के बाद कुछ लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। इस मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। पुलिस टीम ने घटनास्थल का जायजा लेकर मौके से सबूत जुटाए हैं।

आंखें तरेर रहे इंडिया गठबंधन के नेताओं को दो टूक

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने शनिवार को इंडिया गठबंधन के उन साथी दलों को साफ साफ संदेश दे दिया कि कांग्रेस पार्टी को गठबंधन से अलग करने का जो 'खेल' चल रहा है वे उसमें कामयाब नहीं हो पायेंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पटना के सदाकत आश्रम से और एआईसीसी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने दिल्ली के नवनिर्मित कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा भवन से दो टूक कहा कि भाजपा को हराने का माद्दा सिर्फ कांग्रेस पार्टी जैसे राष्ट्रीय दल के पास ही है।

उनकी हत्या करने की रची गई थी साजिश 20-25 मिनट के अंतर से मौत से बच गए

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने बड़ा आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सत्ता से बेदखल होते ही उनकी और उनकी छोटी बहन शेख रेहाना की हत्या की साजिश रची गई थी। शेख हसीना ने शुक्रवार रात को फेसबुक पर अपनी पार्टी बांग्लादेश अवामी लीग के पेज पर एक ऑडियो संदेश में यह बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि रेहाना और मैं बच गए, हम केवल 20-25 मिनट के अंतराल से मौत से बच गए। बता दें, बांग्लादेश में 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना को पीएम पद से इस्तीफा और देश छोड़कर भारत जाना पड़ा था। उसके बाद से यहां के हालात बदतर बने हुए हैं। हिंदुओं के घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जिला पंचायत बालोद के द्वारा योजना के तहत जिला / जनपद पंचायत स्तर पर रिक्त पदों की पूर्ति किये जाने हेतु विज्ञापन दिनांक 25.09.2024 जारी करते हुए दिनांक 10.10.2024 आवेदन आमंत्रित किया गया था। जिसके परिप्रेक्ष्य में विकासखण्ड समन्वयक (संविदा) पद हेतु निर्धारित समयावधि में प्राप्त आवेदनो के सारणीकरण, दावा-आपत्ति एवं कम्प्यूटर प्रायोगिक/ कौशल परीक्षा एवं साक्षात्कार उपरांत उक्त पद हेतु मेरिट सूची, मुख्य चयन सूची, प्रतीक्षा चयन सूची व कम्प्यूटर प्रायोगिक / कौशल परीक्षा तथा साक्षात्कार के अंको का प्रकाशन जिला बालोद के वेब-साईट www.balod.gov.in पर किया गया है, जिसका विस्तृत अवलोकन जिला पंचायत बालोद के सूचना पटल पर एवं जिले की वेब-साईट एवं पर जाकर डाउनलोड कर किया जा सकता है।
S-42915/1

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

कम सं (1) ई- निविदा संख्याः डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी -124-24-25 दिनांक 10-01-2025
कार्यः वरिष्ठ मंडल अभियंता / मध्य / बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत टी.बी.आर. टी. डब्लू आर आदि जैसे विभिन्न ट्रैक कार्यो का निष्पादन। **निविदा मूल्य (रु)** 73,12,136.02/- **अमानत राशि (रु)** 1,46,300.00/- **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह. उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है।
कम सं (2): ई- निविदा संख्याः डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी -125-24-25 दिनांक 10-01-2025
कार्यः वरिष्ठ मंडल अभियंता / मध्य / बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत टर्नआउट की डीप स्क्रीनिंग आदि जैसे ट्रैक कार्यो का निष्पादन। **निविदा मूल्य (रु)** 3,04,61,429.04/- **अमानत राशि (रु)** 3,02,300.00/- **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह **निविदा जमा की आरंभ तिथीः** दिनांक 27-01-2025 के 11.00 बजे से । **निविदा जमा की अंतिम तिथीः** दिनांक 10-02-2025 के 11.00 बजे तक । उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी ।
मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/AM/440 **द.पू.म.रेलवे/बिलासपुर**
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिका परिषद गोबरा नवापारा जिला रायपुर (छ.ग.)
फोन नं:- 07701-233830 Email ID- cmognawapara@gmail.com
क्रमांक/623/रा.कु.मे./न.पा./2025 गोबरा नवापारा, दिनांक 17/01/2025
-:: मैनुअल पद्धति निविदा सूचना ::-
राजिम कुंभ मेला 2025 के लिए लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत / रजिस्टर्ड फर्मों से सामाग्री प्रदाय एवं किराये से प्रदाय हेतु दिनांक 06.02.2025 को अपरान्ह 05.00 बजे तक पंजीकृत डाक/ स्पीड पोस्ट के माध्यम से कार्यालय मे सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसमें लाईट फिटिंग्स किराया, रोड क्रास, बंगाली गेट निर्माण, माईक सेट किराया, किराया भंडार से विभिन्न सामाग्री प्रदाय कार्य, फ्लैक्स प्रिंटिंग कार्य आदि सम्मिलित है। **कुल 05 कार्य** अनुमानित लागत **05.00 लाख रू.** अमानत राशि, अनुमानित मात्रा आदि की जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। कोरियर स्वीकार नहीं किये जायेंगे ।

1	निविदा हेतु आवेदन जमा किये जाने की अंतिम तिथि	-	दिनांक 24.01.2025 कार्यालयीन समय तक
2	निविदा प्रपत्र प्रदाय की अंतिम तिथि	-	दिनांक 31.01.2025 कार्यालयीन समय तक
3	निविदा जमा किये जाने की अंतिम तिथि	-	दिनांक 06.02.2025 कार्यालयीन समय तक
4	निविदा खोले जाने की तिथि	-	दिनांक 07.02.2025 सुबह 11.00 बजे

शर्ते :- 1. सशर्त निविदा दर स्वीकार नहीं किया जावेगा ।
2. निविदा दर समस्त कर सहित प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा ।
3. संबंधित कार्य हेतु संबंधित कार्यों के अनुभव को प्राथमिकता दिया जावेगा ।
4. उक्त निविदा सूचना विभाग के वेबसाईट से डाउनलोड किया जा सकता है।
5. अन्य विस्तृत नियम शर्तों का अवलोकन कार्यालयीन समय में नगर पालिका कार्यालय के लो.नि.शा. से जानकारी प्राप्त कर सकते है।
6. संबंधित मद में राशि उपलब्ध होने पर ही भुगतान किया जावेगा ।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् गोबरा नवापारा

आम सूचना
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ब्रम्हा सोनकर पिता-राम अवतार सोनकर निवासी- भाठागांव तहसील व जिला रायपुर छ.ग. ने विक्रेता अश्वनी कुमार डढसेना पिता-गंभीर राम डढ़सेना निवासी म.नं. 85 वार्ड नंबर 02 पुरानी बस्ती अंगारी जिला बालौद छ.ग. से उनके आधिपत्य एवं स्वामित्व की कृषि भूमि जो कि मौजा महुदा प.ह.नं. 5 रा.नि.मं.- अमलेश्वर तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 42,43,44 में स्थित रकबा 0.1200 हे., 0.4400 हे. 01000हे भूमि है, जिसे क्रय करने का सौदा कर अग्रिम बयाना राशि प्रदान कर दिया है, केवल बैनामा निष्पादन एवं पंजीयन की कार्यवाही शेष है.
अतः उक्त संव्यवहार के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, बैंक, साहूकार शासकीय अथवा गैर शासकीय निकाय, निगम, पारिवारिक सदस्य एवं अन्य को कोई दावा या आपत्ति प्रस्तुत कर पावती लेंवे, केवल आम सूचना का खण्डन मान्य नहीं होगा म्याद वाद की गयी दावा या आपत्ति इस आम सूचना के समक्ष अवैध व शून्य मानी जावेगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी एवं मेरा पक्षकार अपने पक्ष में बैनामा पंजीयन कराने के लिए स्वतंत्र होगा।
सो सूचना जाने'
रायपुर,
दिनांक - 18/01/25
भवदीय
पी.एल. साहू अधिवक्ता
सिविल कोर्ट रायपुर (छ.ग.)
मो. नं. 94255-11249

कार्यालय नगर पंचायत कसडोल
जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
क्रमांक/26/न.पं./लो.नि.शा./2024-25 कसडोल, दिनांक 17/01/2025
प्रथम ई-निविदा आमंत्रण सूचना :-
नगर पंचायत कसडोल द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	164556	वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु नगर पंचायत कसडोल के विभिन्न विभागों हेतु कुशल/ अर्धकुशल/ अकुशल श्रमिकों की आपूर्ति ।	99.50	10.02.2025

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http//uad.cg.gov.in सेभी डाउन लोड की जा सकती है ।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत कसडोल
जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
जल ही जीवन है, कृपया पानी व्यर्थ न बहावें। समय पर करों का भुगतान करें।

Office of the Executive Engineer
Road Construction Department,
Road Division, Chaibasa
eercdchaibasa-jhr@nic.in
Very Short E-Procurement Notice
E-tender Reference No. : RCD/CHAIBASA/2024-25/17 (4th Call)
Date : 17.01.2025

1.	Name of Work	Selection of Bidder for collection of user fee through fee collecting agency on the basis of the competitive bidding through on E-Tender Basis only at Km. 13+400 at Sanagajata Toll Plaza for the section from Km. 0.00 to Km. 47.86 (Chaibasa-Kandra Section) of State Highways No. 5 in the state of Jharkhand.
2.	Estimated Cost (Rs.)	Rs 12,43,50,000.00 (Twelve Crore Forty Three Lacs Fifty Thousand) Only. Per annum
3.	Time of Completion	02 (Two) Years
4.	Date of Publication of Tender On Website	20.01.2025 at 11.30 AM
5.	Last date/Time for receipt of bids.	27.01.2025 Up to 3.00 P.M.
6.	Date of Opening of Bid	28.01.2025 at 03:30 P.M.
7.	Name & address of office Inviting tender	Office of the Executive Engineer, RCD, Road Division, Chaibasa
8.	Contact no. of Procurement Officer	7781899686
9.	Helpline number of e-Procurement cell	0651-3510880

* Further details can be seen on website http://jharkhandtender.gov.in
Executive Engineer
RCD, Road Division,
Chaibasa.
PR 344590 West Singhbhum(24-25)#D

राशिफल

मेष – मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान रहेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। तरक्की के योग हैं।

वृष – मन थोड़ा परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जाना हो सकता है।

मिथुन – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। कारोबारी कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क – वाणी में मधुरता रहेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

सिंह – आत्मविश्वास भी बहुत रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मीठे खानपान में रुचि बढ़ेगी। खर्च बढ़ेंगे। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

कन्या – किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती हैं।

तुला – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार में सुधार होगा। कारोबार के विस्तार के लिए पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता के योग हैं।

वृश्चिक – किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार से लाभ के अवसर भी मिल सकते हैं। यात्रा के सुखद परिणाम मिलेंगे।

धनु – आत्मविश्वास से लबरेज तो रहेंगे, परन्तु मन अशान्त भी हो सकता है। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।

मकर – संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

कुंभ – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंता परेशान करेंगी।

मीन – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे, परन्तु आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। खर्च अधिक रहेगा। मित्रों से भेंट होगी।

शब्द पहेली - 5752

■ मंगल सैनचा, बैंगलोर

बाएँ से दाएँ
1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली- 5751 का हल

	म	ल	म	ल			र	ह	न	
चा	य		हा		जा	सू	स		शा	म
टु			रा	श	न		म			न
का	र	गु	जा	री		का		दु	का	न
र		ना		फ	न	का	र		फि	
	चा	ह						भ	ला	
	ह		अ	च	क	न		वं		अ
क	त	रा		र्म		क	म	र	बं	द
म			ब		ला	ल	च			र
र	न		ल	की	र		ल		आ	क
	म	ज	मा			अ	ना	या	स	

सूडोकु नवताल - 5763

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5762 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

नौकरी लगाने के नाम पर 17 लाख की ठगी

भिलाई। राजस्व विभाग में नौकरी लगाने का झांसा देकर ठगी करने वाले दो युवकों के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने धारा 420, 34 के तहत जुर्म दर्ज किया है। कोतवाली दुर्ग टीआई विजय यादव ने बताया कि करंजिया नवागांव पो चंदनू बेमेतरा निवासी खिबीराम को राजेश कुमार महिलांगे स्वयं को मंत्रालय से अच्छी पहचान का झांसा देकर राजस्व विभाग में नौकरी लगाने के नाम परग्राम व पोस्ट पद्मुमतरा तहसील व जिला राजनांदगाव निवासी राजेश कुमार महिलांग, 6/डी, बी-पाकेट मरोदा सेक्टर सुनील कुमार पटेल ने नौकरी लगाने के नाम पर 17 लाख रुपए लेकर ठगी किया है। रुपए देने के बाद राजेश ने बिलासपुर ले जाकर अपने दोस्त सुनील कुमार से मुलाकात कराया था।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल, पाकुड़

शुद्धि–पत्र–18 / 2024–25

एतत् द्वारा सूचित किया जाता है कि ई– अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 14/ 2024-25/RWD/EE/ PAKUR दिनांक 07.01.2025 के द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना (शीर्ष 4515) अन्तर्गत तथा विज्ञापन संख्या PR-343686 Rural Work Department (24-25)-D द्वारा प्रकाशित विज्ञापन में आंशिक संशोधन किया जा रहा है जो निम्नवत है–

विस्तृत जानकारी	पूर्ववत आदेश	संशोधित आदेश
बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि	13.01.2025	18.01.2025
ई– निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	22.01.2025 अपराहन् 5:00 बजे	27.01.2025 अपराहन् 5:00 बजे
निविदा खोलने की तिथि एवं समयः	24.01.2025 अपराहन् 3:30 बजे	29.01.2025 अपराहन् 3:30 बजे

निविदा की शेष सभी शर्ते पूर्ववत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल, पाकुड़

PR 344577 (Rural Work Department)24-25*D

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 3483 / लो.क. वि/न.पा.नि./ 2025 रायगढ़ दिनाँक 17.01.25

ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि. क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	164745	CONSTRUCTION OF DRAIN FROM NEAR KEWDABADI BUS STAND TO FRIENDS COLONY NALA AT DHIMRAPUR CHOWK.	139.36	10.02.2025
2	164763	CONSTRUCTION OF DRAIN FROM GHADI CHOWK TO DHIMRAPUR ROAD.	147.19	10.02.2025
3	164779	ROAD MEDIAM & FOOTPATH UPGRADATION WORK OF MUNICIPAL AREA.	164.12	10.02.2025
4	164782	CONSTRUCTION OF BT ROAD FROM SHALINI SCHOOL TO AISHWARYAM APARTMENT TO GOVARDHANPUR BRIDGE AT W.N. 47 (2nd Call)	412.68	03.02.2025
5	164789	CONSTRUCTION OF GOVARDHANPUR PIPE LINE CROSSING BRIDGE AT WARD NO. 47	103.03	10.02.2025
6	164794	CONSTRUCTION OF JAIL PARISAR BRIDGE FOR PIPE LINE CROSSING BRIDGE AT WARD NO. 29	77.32	10.02.2025
7	164796	CONSTRUCTION OF KHARRAGHAT BRIDGE FOR PIPE LINE CROSSING BRIDGE AT WARD NO. 10	90.43	10.02.2025

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई–प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
न.पा.नि. रायगढ़

छत्तीसगढ मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर

प्रथम निविदा- ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना (निर्माण प्रकोष्ठ)

Website - www.cgmsc.gov.in

Main portal - http://eproc.cgstate.gov.in क्र./13439/निर्माण/2025 दिनांक 17/01/2025

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य का नाम	राशि (रू.लाख)
1	10302	जिला गरियाबंद वि.ख. गरियाबंद के ओड में उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण कार्य। (प्रपत्र-अ)	24.78
2	10303	जिला रायपुर के शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर में नवीन मिनी टीचिंग फार्मेसी भवन का निर्माण कार्य। (प्रपत्र-अ)	219.42
3	10304	जिला रायपुर अंतर्गत डी. के. एस. सुपरस्पेशिलिटी चिकित्सालय हेतु स्टॉफ क्वार्टर एवं पी.जी. हॉस्टल (मल्टी स्टोरी बिल्डिंग) का निर्माण कार्य। (प्रपत्र-अ)	1363.24
4	10305	डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में डिजाईनिंग रिपेयर फसार्ड लाईट एवं फेस अपलिफ्टिंग कार्य के अतिरिक्त उन्नयन कार्य। (प्रपत्र-ब)	1923.26
5	10306	डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर परिसर में 700 बिस्तरीय इंटिग्रेटेड नवीन चिकित्सालय भवन का निर्माण कार्य। (प्रपत्र-ब)	23100.62
6	10307	जिला धमतरी वि.ख. नगरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोराई में ई.टी.पी. स्थापना का कार्य। (प्रपत्र-ब)	11.13
7	10308	जिला रायपुर वि.ख. धरसीवां के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खोखोपारा में ई.टी.पी. स्थापना का कार्य। (प्रपत्र-ब)	11.13

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर दिनांक 24/01/2025 से देखी जा सकती है। जिसकी अंतिम तिथि दिनांक 17/02/2025 तक है। निविदा में भाग लेने हेतु अमानत राशि, निविदा प्रक्रिया शुल्क एवं निविदा संबंधित सभी दस्तावेज आनलाईन स्वीकार की जावेगी।

S-42908/1 अधीक्षण अभियंता

छत्तीसगढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर

// सूचना // नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 17/01/2025

क्रमांक एफ 7–01/2025 / 32 : छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 23-क (1) एवं (2) के अन्तर्गत नवा रायपुर अटल नगर विकास योजना 2031 में अत्यावश्यक लोक प्रयोजनार्थ उपांतरण करने का अनंतिम निर्णय लिया है। अधिनियम की धारा 23-क (2) के अधीन राज्य शासन एतद् द्वारा प्रस्तावित उपांतरण के निम्नानुसार प्रारूप को क्षेत्र के सर्वसाधारण के निरीक्षण हेतु अवलोकनार्थ प्रकाशित करता है :-

नवा रायपुर अटल नगर विकास योजना 2031 में उपांतरण प्रस्ताव (परिशिष्ट - एक)

2/ प्रस्तावित उपांतरण विकास योजना में निहित विकास नियमन में संशोधन हेतु है।

3/ उपांतरण प्रस्ताव की प्रति मानचित्र सहित आयुक्त, संभाग रायपुर, कलेक्टर, जिला रायपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण, संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर, आयुक्त, नगर पालिक निगम, रायपुर के कार्यालयों में कार्यालय समय में (अवकाश के दिनों को छोड़कर) निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी।

4/ अतः प्रस्तावित उपांतरण से प्रभावित होने वाले व्यक्तियों से इस सूचना के दो स्थानीय मुख्य दैनिक समाचार पत्रों में एक दिन के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर लिखित आपत्तियाँ तथा सुझाव आमंत्रित किये जाते हैं। आपत्ति तथा सुझाव निम्नलिखित कार्यालयों में शासकीय कार्य दिवसों में प्रस्तुत किये जा सकते हैं :-

(1) आयुक्त, रायपुर संभाग, छत्तीसगढ़,
(2) कलेक्टर कार्यालय, जिला रायपुर।
(3) मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर।
(4) संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर।
(5) आयुक्त, नगर पालिक निगम रायपुर।

(परिशिष्ट- एक)

छ.ग. नगर तथा ग्राम निवेष अधिनियम 1973 की धारा 23-क के तहत नवा रायपुर अटल नगर विकास योजना 2031 में उपांतरण प्रस्ताव

18.6.1 Regulations for Layer II

Regulations for Integrated Township

अंगीकृत नवा रायपुर अटल नगर विकास योजना 2031 में				अधिनियम की धारा 23 (क) के तहत उपांतरण प्रस्ताव			
Minimum area requirement for the development of Integrated Township shall be 10 Ha.				Minimum area requirement for the development of Integrated Township shall be 10 Ha.			
Sr. No.	Activity	Percentage of allotment of land	Details	Sr. No.	Activity	Percentage of allotment of land	Details
1	Residential	Maximum 50%	As per the provisions of Town Development Scheme. EWS is included.	1	Residential	Minimum 50%	Housing provisions for EWS & LIG will be in accordance with the prevailing Chhattisgarh Municipal Corporation and Municipalities (Registration of Colonizer, Terms and Conditions) Rules, 2013 Rule 10. Reservation of developed plots and/ or Constructed houses/ Flats for Economically Weaker Section (EWS) or Low Income Group (LIG).
2	Commercial	Maximum 5%	5% Convenient shops and sector level local shopping centres.	2	Commercial	Maximum 5%	Convenient shopping centre/ local shopping centre/ club.
3	Services & Facilities/ Social Infrastructure	Minimum 25%	All public and semi- public activities and roads.	3	Social Infrastructure	Minimum 5%	Education, health, religious building, community facilities
4	Social facilities	Maximum 5%	As per the provisions of Town Development Scheme.	4	Services Facilities and Utility	Minimum 25%	Roads (minimum 12metres wide), Police Station, Fire Station, water reservoir/ sewer treatment plant, electric sub-station, banking and other facilities, etc.
5	Open area	Minimum 10%	Garden, playground etc.	5	Open area	Minimum 10%	Garden, playground, etc.
6	Water body	Minimum 5%	Development of pond on at least 5% of the total land of the Integrated Township area.				
Other Regulations:				Other Regulations:			
1. As per requirement the construction of STP will be mandatory and to be implemented by the developer himself. 2. Provision for Rainwater Harvesting will be mandatory to be implemented by the developer himself.				1. As per requirement the construction of STP will be mandatory and to be implemented by the developer himself. 2. Provision for Rainwater Harvesting will be mandatory to be implemented by the developer himself. 3. Provision for Solid Waste management as per the prevailing rules will be mandatory.			

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
(देवेन्द्र भारद्वाज)
विशेष सचिव,
छत्तीसगढ़ शासन
आवास एवं पर्यावरण विभाग

G- 242505458/1

हाईवे पर सड़क हादसा : भिलाई-तीन और कुम्हारी थाना क्षेत्र की घटना

सड़क हादसों में तीन ने गंवाई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि बाजार चौक भिलाई तीन निवासी सौम्या तिवारी 23 वर्ष घर से जिम जाने के लिए निकली थी। फोरलेन के सर्विस लेन सौम्या पैदल चलते हुए राम मंदिर के पास के जिम जा रही थी। इस दौरान जनता स्कूल मिडिल कट से थोड़ा पहले अज्ञात 16 चक्का वाहन ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सौम्या को अपने चपेट में लिया। हादसे में सौम्या की मौके पर ही मौत हो गई। घटना 5.45-6 बजे की भोर की है। वाहन की ठोकर से सौम्या के सिर पर गंभीर चोट लगी थी। ठोकर मारने वाले वाहन के पहिए का निशान भी घटनास्थल पर साफ नजर आ रहा है। वाहन नेशनल हाइवे दुर्ग से रायपुर की ओर जा रही थी। अचानक जलाराम स्वीट्स भिलाई 3 के पास वाहन सर्विस लेन पर चालक उतार लिया। जहां से सौम्या को जोरदार ठोकर मार कर तुरंत वाहन को जनता स्कूल मिडिल कट से पहले मेन लेन में जाकर चालक फरार हो गया। सौम्या का लाश सड़क किनारे कुछ देर तक पड़ा रहा। आसपास के लोगों को जानकारी लगने पर परिजनों को खबर दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को तुरंत पीएम के लिए शव को शास्त्री अस्पताल सुपेला भेज दिया। पीएम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। जिसका अंतिम संस्कार परिजनों ने भिलाई तीन मुक्तिधाम में गमगीन माहौल में किया गया। सौम्या तिवारी के पिता कमलेश तिवारी (भोला) का जगदम्बा स्वीटस नामक होटल भिलाई तीन में है। मृतका का आरटीओ में नौकरी की ज्वाइनिंग एक -दो दिन में होने वाली थी। जबकि सौम्या की बुआ प्रभा तिवारी आरटीओ विभाग में उप निरीक्षक है।

पुलिस दोनों घटना की जांच में जुटी

खाना खाने जा रहे युवक-युवती की ठोकर से मौत

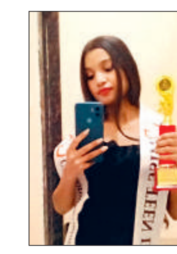

कुम्हारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्टेशन चौक के पास रायपुर से दुर्ग की ओर आ रही कार सीजी 07 बीडी 6641 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सीजी 22 एम 4213 में सवार युवक हर्ष कुमार साहू और युवती नेहा भास्कर खारुन ग्रीन निवासी है। शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात निवास से खाना खाने के लिए अपने एक्टिवा से कुम्हारी रेलवे स्टेशन के पास होटल जा रहे थे। इस दौरान कार चालक ने एक्टिवा सवार हर्ष और नेहा को जोरादार ठोकर मारने से सिर समेत शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोट आई उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां दोनों की मौत हो गई। हर्ष साहू अनूपपुर एमपी का रहने वाला है जो कुम्हारी में पीजी रुम में रहकर आईसीएफएआई वि.वि. में बीकाम की पढ़ाई करता था। वहीं बिलाईगढ के सारंगढ़ निवासी नेहा भास्कर रायपुर में रहकर मॉडलिंग किया करती थी। युवती अपनी सहेली के साथ हर्ष से मिलने खारुन ग्रीन पहुंचे थे। देर रात एक्टिवा में खाना खाने गए थे।

मंडागांव बीएसएफ कैंप के पास 3 नक्सल सहयोगी गिरफ्तार, नक्सल सामग्री जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

नक्सलियों को सामान पहुँचाने जंगल की ओर जा रहे तीन नक्सल सहयोगियों को बीएसएफ एवं जिला पुलिस बल ने बीएसएफ मंडागांव कैंप के पास डेटोनेटर, वायरलेस (वाकी टॉक) सेट एवं अन्य सामग्री के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में कई राज भी उजागर किए है। कांकेर जिला पुलिस को एक माह में डीवीसी सहित 07 नक्सलियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिल चुकी है। जानकारी के अनुसार बीएसएफ मंडागांव में तैनात 178 बटालियन कंपनी और जिला पुलिस के जवान के द्वारा मंडागांव कैंप के पास 18 जनवरी को एमसीपी के तहत आने जाने वाले वाहनों की जाँच किया जा रहा था और कहाँ से कहाँ जा रहे, इसकी पूछताछ किया जा रहा था। एमसीपी के दौरान एक मोटर सायकल क्रमांक सीजी 19 बीसी 1289 में सवार तीन युवक को पूछताछ के लिए रोका गया और पूछताछ में उनके द्वारा कई प्रश्नों के जवाब नहीं देने पर एमसीपी में तैनात जवानों को तीनों युवक संदिग्ध लगे। तीनों युवक की तलाशी लिया गया और मोटर सायकल की तलाशी लेने पर उनके पास से संदिग्ध सामान मिला। जवानों ने उनके पास से मिले संदिग्ध सामान की पूछताछ करने लगे कि यह सामान तुम्हारे पास कहाँ से आएं। तीनों युवक इधर उधर की बात करके विषय को घुमाने लगे और अंत में कड़ाई से पूछताछ करने पर तीनों युवकों ने बताया कि हम लोग नक्सलियों के लिए सामग्री की सप्लाई करते है और विगत चार वर्षो से नक्सलियों के लिए सामान पहुँचा रहे है। ऐसी जानकारी मिलने पर एमसीपी में लगी टीम ने उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाया। पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी., डीआईजी कांकेर अमित तुकाराम कांबेल, डीआईजी बीएसएफ विपुल मोहन बाला के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. कल्याण ऐलेसेला निर्देशन में कार्यवाही किया गया। पुलिस को तीनों नक्सल सहयोगियों से पूछताछ में कई अहम सबूत हाथ लगे है, परंतु अभी मिले सबूतों की जाँच चल रही है, इसलिए पुलिस इनका खुलासा नहीं कर रही है। मंडागांव में पकड़ाए नक्सली मददगारों ने जवानों को पूछताछ में बताया कि हम लोग 4 सालों से काम कर रहे है और विजय रेड्डी, सुकमी, बुदरी, चंदर कतलाम, देवली, श्रीकांत, रामसाय, सुक्कू पद्दा, नरसिंह, ललिता, सुकलाल पद्दा के द्वारा खबर दिए जाने पर इन लोगों को कई बार सामान पहुँचाया हूँ। जवानों को बताया कि अभी परिस्थितियाएं बहुत खराब चल रही है, अभी कुछ ज्यादा ही मदद की जरूरत पड़ेगी।

बाइक की चपेट में आने से सड़क पार करती महिला की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिमगा

सड़क पार कर रही अधेड़ महिला तेज रफ्तार मोटर सायकिल की चपेट में आने से मौत हो गई।घटना की स्थित देख बाइक छोड़ चालक वहां से फरार हो गया। परिजनों ने बाइक चालक के खिलाफ थाने में अपराध दर्ज कराया है।

थाने से मिली जानकारी के अनुसार सिमगा-तिल्दा मार्ग में ग्राम पौसरी निवासी 68 वर्षीय महिला रमेशरीन साहू अपने दुकान से घर जाने के लिए सड़क पार कर रही थी, तभी सिमगा की ओर से आ रही मोटरसायकिल क्रमांक सीजी 12 बीए 3806 के चालक ने लापरवाही पूर्वक मोटर सायकिल चलाकर सोसायटी के सामने रमेशरीन बाई साहू को ठोकर मारकर दिया, जिससे महिला के सिर में गंभीर चोट लगने से खून बहने लगा। घायल महिला को परिजनों ने सिमगा के निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दुर्घटना के पश्चात आरोपी अपनी मोटरसायकिल छोड़कर फरार हो गया। प्रार्थी हिरेन्द्र साहू की रिपोर्ट पर पुलिस ने मोटर साइकिल को जब्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 281, 125 (ए) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है।

तेज रफ्तार बाइक ट्रक के भीतर घुसी, एक गंभीर

मैनपुर। मैनपुर देवभोग नेशनल हाईवे मार्ग में शनिवार दोपहर को एक बड़ी घटना टली। हालांकि इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। दो बच्चे सुरक्षित है। मिली जानकारी के अनुसार मैनपुर के तरफ से ट्रक क्रमांक सी जी 04 पीसी 1953 निष्ठीगुड़ा धान खरीदी केन्द्र धान भरने के लिए जा रहा था और अचानक एक तेज रफ्तार मोटर सायकल ट्रक के भीतर घुस गया मोटर सायकल में तीन लोग सवार ट्रक से टकराकर बाहर गिरे जिससे एक युवक बिलभद्र घायल हो गया और दो बच्चे सुरक्षित है घटना के बाद भारी भीड़ लग गई पुलिस भी मौके पर पहुंच गई भारी मशक्त के बाद मोटर सायकल को ट्रक के भीतर से बाहर निकाला गया।

सड़क हादसे में कमार युवक की मौत

धमतरी। बाइक फिसलने से गंभीर रूप से घायल युवक की अस्पताल में मौत हो गई।

परिजनों के अनुसार केरेगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्हड़ा निवासी सोपसिंह कमार पिता जगतूराम उम्र 28 वर्ष मजदूरी करता था। युवक बीते रविवार की सुबह काम के सिलसिले में मोटरसाइकिल से कुकरेल गया था। वहां से युवक मोटरसाइकिल चलाते वापस अपने घर ग्राम कुम्हड़ा लौट रहा था। इसी दौरान ग्राम बनरौद के पास मोटरसाइकिल सड़क पर अनियंत्रित होकर फिसल गई। युवक बाइक सहित गिर गया। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान शनिवार को युवक की मौत हो गई।

बंदर के कूदने से स्कूटी सवार पति -पत्नी गंभीर

मैनपुर। नगरी मार्ग में झरीया बाहरा के आगे चीलाधुर नाला के पास शनिवार को दोपहर 02 बजे के आसपास बंदर के अचानक सड़क में कुदने से स्कूटी में सवार पति - पत्नि गिरकर घायल हो गए जिसे संजीवनीय एक्सप्रेस 108 के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया जहां प्रांरभिक उपचार के बाद उनके परिजन उन्हे धमतरी इलाज के लिए ले गए। मिली जानकारी के अनुसार बोरई निवासी शिक्षक दम्पत्ती एक शादी विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मैनपुर क्षेत्र पहुंचे थे और वापस लौटते समय मैनपुर से 09 किलो मीटर दूर नगरी मार्ग चीलाधुर नाला के पास अचानक बंदर सड़क के उपर कुद गया जिससे स्कूटी में सवार शिक्षक व उसकी पत्नी अचानक गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।

छत्तीसगढ़ शासन
ऊर्जा विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, अटल नगर, नवा रायपुर

विज्ञापन

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड में प्रबंध निदेशक की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन आमंत्रण की सूचना, पात्रता, आवेदन पत्र का प्रारूप आदि का ब्यौरा छत्तीसगढ़ शासन के वेबसाईट www.cgstate.gov.in एवं www.cspgcl.co.in उपलब्ध है।

उपरोक्तानुसार निर्धारित प्रारूप में आवेदन श्री मनोज कोशले, उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, ऊर्जा विभाग, महानदी भवन, मंत्रालय, कक्ष क्रमांक ए. डी. 3 - सी-19, नवा रायपुर 492002 के पते पर भेजा जावे जो 28 फरवरी 2025 तक आवश्य पहुंच जाना चाहिये। आवेदन पत्र ई-मेल पते cspgclmd@gmail.com पर भी प्रेषित की जा सकती है। अंतिम तारीख के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।

(मनोज कोशले)
उप सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
ऊर्जा विभाग

G-242505457/3

कार्यालय, छत्तीसगढ़ राज्य आयुष सोसायटी, राष्ट्रीय आयुष मिशन
संचालनालय आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) इन्द्रावती भवन, तृतीय तल, ब्लॉक-1, अटल नगर नवा रायपुर छत्तीसगढ़
दूरभाष क्रमांक 0771-14052949 ई-मेल cgnamoffice@gmail.com

क्रमांक/07/02/रा.आ.मि. /2024-25/464 रायपुर, दिनांक 7 JAN 2025

// विज्ञापन सूचना//

विषयान्तर्गत लेख है, कि राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत लाइफ स्टाइल क्लीनिक कार्यक्रम हेतु स्वीकृत कार्यालय राज्य आयुष सोसायटी, संचालनालय आयुष के अधिनस्थ संस्था/जिलों में संविदा के आधार पर आयुष चिकित्सक (पोस्ट ग्रेजुएट-स्वस्थवृत/ कायचिकित्सा)-09 पद की पूर्ति हेतु विज्ञापन तैयार किया विज्ञापन संबंधित विस्तृत जानकारी, नियम एवं शर्तों का विवरण तथा आवेदन-पत्र का प्रारूप कार्यालय राज्य आयुष सोसायटी द्वारा निर्धारित अर्हता अनुरूप, इच्छुक अभ्यर्थियों के आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

अभ्यर्थी विज्ञापन संबंधित विस्तृत जानकारी, नियम एवं शर्तों का विवरण तथा आवेदन-पत्र का प्रारूप विभागीय वेबसाईट http://ayush.cg.gov.in एवं www.cghealth.nic.in से प्राप्त (डाउनलोड) कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी दिनांक 03.02.2025 तक सांय 5.00 बजे तक अपने सम्पूर्ण दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रारूप में आवेदन-पत्र पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से कार्यालय, राष्ट्रीय आयुष मिशन संचालनालय आयुष, इन्द्रावती भवन, तृतीय तल, ब्लॉक -1, अटल नगर नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ के पते पर भेज सकते हैं।

सदस्य सचिव
कार्यकारी समिति
राज्य आयुष सोसायटी एवं
संचालक आयुष (छत्तीसगढ)

S-42900/2

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल

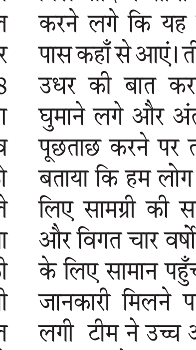

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

वृत्त - दुर्ग अन्तर्गत
ऑनलाईन आधार पर विक्रय हेतु उपलब्ध सम्पत्ति

विज्ञापन की अंतिम तिथि 25 अप्रैल 2025

प्रक्षेत्र - कवर्धा अंतर्गत ऑनलाईन स्ववित्तीय ऑफर आधार पर उपलब्ध सम्पत्ति

क्र.	स्थान/कालोनी का नाम	उपलब्ध भवनों के प्रकार	रिक्त भवनों की संख्या	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्ग फीट में)	कुर्सी क्षेत्रफल (वर्ग फीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रू. लाख में)	धरोहर राशि (रू. लाख में)
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	अटल विहार योजना जोराताल, कवर्धा	एल.आई.जी. (स्वतंत्र भवन)	63	1119.04	668.73	21.35	0.50
2.		ई.डब्लू.एस. (स्वतंत्र भवन)	29	602.66	360.99	10.10	0.25

नियम एवं शर्तें -
1. धरोहर राशि ऑनलाईन पेमेंट गेटवे के माध्यम से क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, यू.पी.आई., आर.टी.जी.एस., एन.ई.एफ.टी., द्वारा जमा किया जा सकता है।
2. भवनों का आबंटन स्ववित्तीय ऑफर आधार पर ऑनलाईन के माध्यम से किया जाएगा।
3. भवनों का ऑफसेट मूल्य से अधिक ऑफर प्रत्येक 15 दिवस में प्राप्त किया जाएगा जिन हितग्राहियों द्वारा भुगतान हेतु चालान के माध्यम से आर.टी.जी.एस., एन.ई.एफ.टी. का विकल्प चयन किया जाएगा, उन्हें एक अतिरिक्त बैकिंग कार्य दिवस भुगतान हेतु प्रदान किया जाएगा। तदुपरांत आगामी कार्य दिवस में ऑफर खोला जाएगा। अवकाश होने की स्थिति में ऑफर अगले कार्य दिवस में खोला जाएगा।
4. ऑफर स्वीकृति पश्चात निर्धारित समयावधि में शेष किश्त की राशि जमा नहीं करने पर धरोहर राशि राजसात कर ली जाएगी।
5. उपरोक्त भवनों के दर्शित मूल्य स्टैंडर्ड है, बेटर लोकेशन, कॉर्नर तथा अतिरिक्त भूखंड की स्थिति में मूल्य नियमानुसार अधिक होंगे, भवनों के वास्तविक मूल्य बुकिंग पोर्टल से देखी जा सकती है।
6. ऑनलाईन ऑफर आवेदन केवल मण्डल की वेबसाईट : www.cghb.gov.in के माध्यम से किया जा सकता है।
7. अन्य नियम एवं शर्त आवेदन पत्र में उल्लेख अनुसार मान्य होगा।
8. अधिक जानकारी हेतु संपदा अधिकारी/कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल प्रक्षेत्र - कवर्धा से सम्पर्क करें या वीजिट करें मण्डल की वेबसाईट : www.cghb.gov.in

सम्पर्क - प्रक्षेत्र - कवर्धा - 95848-92449, 94242-84256, 70000-42369

सबके घर की आस, सबके लिए आवास, छ.ग. गृह निर्माण मण्डल पर सबका विश्वास

टोल फ्री नं. 1800 121 6313

इस हफ्ते देखिए ये फिल्में और सीरीज, रोमांस व स्टंट से भरपूर

आई वॉन्ट टू टॉक से लेकर 'पाताल लोक 2' तक

मुंबई। हर हफ्ते सिनेमाघरों और ओटीटी पर कोई न कोई नई फिल्म रिलीज होती है। जनवरी का तीसरा हफ्ता भी दर्शकों के लिए खास होने वाला है। जहां ओटीटी पर मनोरंजन का महासंग्राम होने वाला है, वहीं सिनेमाघरों में भी शानदार चर्चित फिल्में दस्तक देने वाली हैं।कुछ ऐसी फिल्में और सीरीज आपके बीच आ रही हैं, जिनका इंतजार बेसब्री से किया जा रहा था। आइए जानें इस हफ्ते आपके लिए क्या कुछ है खास।

'आजाद' और 'आई वॉन्ट टू टॉक'

काफी समय से अजय देवगन फिल्म 'आजाद' को लेकर चर्चा में हैं। इसके जरिए रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अभिनय जगत में कदम रख रही हैं। इसमें राशा की जोड़ी अजय के भांजे अमन देवगन के साथ बनी है। यह उनकी भी पहली फिल्म है। 'आजाद' 17 जनवरी, 2025 में सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। उधर अभिषेक बच्चन की फिल्म 'आई वॉन्ट टू टॉक' सिनेमाघरों के बाद 17 जनवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर आ रही है।

'चिड़िया उड़' और 'गृहलक्ष्मी'

'चिड़िया उड़' एक क्राइम थ्रिलर वेब सरीज है, जिसमें अभिनेता जैकी श्रॉफ, भूमिका मीना और सिकंदर खेर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह सीरीज 15 जनवरी को अमजेन प्राइम वीडियो और एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हुई है। यह सीरीज आबिद सुरती के मशहूर उपन्यास 'केज' पर आधारित है। उधर हिना खान की वेब सीरीज 'गृह लक्ष्मी' 16 जनवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो गई है। इस सीरीज में चंकी पांडे, राहुल देव और दिब्येंदु भट्टाचार्य भी हैं।

'इमरजेंसी'

कंगना रनौत पिछले काफी समय से 'इमरजेंसी' को लेकर चर्चा में हैं। यह 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन और दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। कंगना रनौत इस फिल्म की निर्माता-निर्देशक भी हैं। यह फिल्म 6 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में आने वाली थी, लेकिन केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से प्रमाणपत्र न मिलने के मिलने के कारण ऐसा नहीं हो पाया।

'पाताल लोक सीजन 2' और 'द रोशन्स'

'पाताल लोक' के दूसरे सीजन 'पाताल लोक 2' में इंस्पेक्टर हाथीराम चौधरी उर्फ जयदीप अहलावत एक बार फिर दर्शकों को अपना दीवाना बनाने के लिए तैयार हैं। यह 17 जनवरी को अमेजन प्राइम वीडियो

में रिलीज हो गई है। उधर 'द रोशन्स' एक डॉक्यूमेंट्री सीरीज है, जो बॉलीवुड के सबसे प्रभावशाली परिवारों में से एक राकेश रोशन, राजेश रोशन और ऋतिक रोशन की कहानी सुनाने वाली है। यह 17 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है।

'पावर ऑफ पांच'

'पावर ऑफ पांच' एक वेब सीरीज है, जो ऐसे दोस्तों के ग्रुप की कहानी है, जिनकी जिंदगी तब पूरी तरह बदल जाती है, जब उन्हें पता चलता है कि उनके पास सुपरपावर है। यह सीरीज भी 17 जनवरी से डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज हो गई है।

अक्षय की 'भूत बंगला' में धमाकेदार एंट्री...

मुंबई। बॉलीवुड फिल्मकार प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही अक्षय कुमार स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला में तब्बू की एंट्री हो गई है। निर्देशक प्रियदर्शन और अभिनेता अक्षय कुमार की जोड़ी 14 साल बाद भूत बंगला के लिए फिर से साथ आ रही है। इस फिल्म में तब्बू की एंट्री हो गयी है। तब्बू ने इंस्टाग्राम पर घोषणा करते हुए एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर शेयर की, जिस पर लिखा था भूत बांग्ला। तब्बू ने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, हम यहां बंद हैं। वर्ष 2000 में प्रदर्शित फिल्म हेरा फेरी में अक्षय और तब्बू साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म का निर्देशन भी प्रियदर्शन ने ही किया था। फिल्म भूत बांग्ला में अक्षय कुमार और तब्बू के अलावा परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी जैसे कई बेहतरीन कलाकार नजर आ सकते हैं। फिल्म भूत बंगला को शोभा कपूर, एकता आर कपूर और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस, केप ऑफ गुड फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है।

फ्लैट बेचना है किराये से देना है

शंकर नगर रायपुर में श्रीराम RESIDENCY में 4BH का फ्लैट सर्वसुविधा युक्त बेचना है किराये से देना है।
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें :-
मो. : 9977345867

शाहिद की देवा का ट्रेलर रिलीज स्टंट्स करते आए नजर...

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की मच-अवेटेड एक्शन थ्रिलर फिल्म देवा का ट्रेलर रिलीज हो गया है. सामने आए ट्रेलर में तेज रफ्तार, जबरदस्त एक्शन और जबरदस्त इंटेंसिटी देखने को मिल रहा है। फिल्म में शाहिद का किरदार उनकी दो फिल्में 'कबीर सिंह' और 'हैदर' जैसा दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि देवा में शाहिद कपूर ने पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभाया है। वहीं फिल्म में पूजा हेगड़े ने शाहिद कपूर की प्रेमिका के किरदार निभाया है। ट्रेलर में शाहिद कपूर देव अंबरे के किरदार में पूरी तरह से छाए हुए हैं, उनके एक्शन और जबरदस्त स्टंट्स देख कर फैंस का दिल थम जाएगा। ट्रेलर में जो दिल को धड़काने वाला बैकग्राउंड म्यूजिक है, वो रोमांच को और भी बढ़ा रहा है।

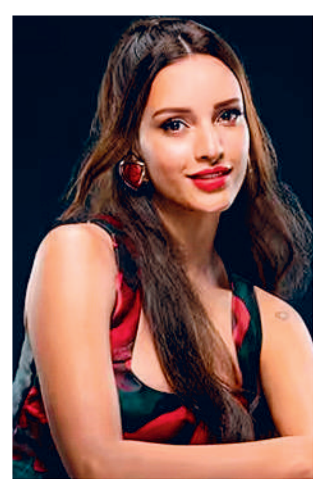

मासूमियत नहीं इसलिए आशिकी-3 से कटा पत्ता...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी फिल्म आशिकी 3 में काम करती नजर नहीं आ सकती है। वर्ष 1990 में महेश भट्ट ने राहुल रॉय और अनु अग्रवाल को लेकर सुपरहिट फिल्म आशिकी बनायी थी। वर्ष 2013 में महेश भट्ट ने आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर को लेकर आशिकी 2 बनायी। आशिकी 2 भी सुपरहिट साबित हुई। अब आशिकी 3 बनाई जा रही है। करीब दो साल पहले आशिकी 3 बनाने की घोषणा हुई है। इस फिल्म के लिये कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी के काम करने की चर्चा थी। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु करने वाले थे। चर्चा है कि तृप्ति डिमरी अब आशिकी 3 का हिस्सा नहीं होंगी।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड हाइट 5 फिट से शुरू वेतन 12000/- से 20200/- तक (PF+ ESIC +BONUS +रहना फ्री) मेंस की सुविधा 5वीं से 12वीं तक **कार्या:-शिव सेक्युरिटी कमला सुपर बाजार, तेलघानी नाका चौक, रेल्वे स्टेशन के पास, रायपुर (छ.ग.) मों. 0771-4036689, 8120957510, 9630939692.**(RO-2482)

आवश्यकता है- सिक्युरिटी गार्ड , मार्केटिंग अफसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर वेतन 14500 से 18000 पता TANGO SECURITY PVT. LTD. ऑरेंज हाइव 6 फ्लोर ऑफिस 603 मोवा रायपुर मो.- 8109070600, 7869230888.(RO-2476)

आवश्यकता है- कम्प्युटर ऑपरेटर, सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं-स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन योग्यतानुसार **संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइल:- 7746000016, 7747000019.** (RO-3160)

ऑपरेटर/गोडाऊन कार्य

आवश्यकता है- होलसेल दवा दुकान में कम्प्युटर आपरेटर, गोडाऊन कार्य करने हेतु युवक-युवती की आवश्यकता है। पूर्ण बायोडाटा के साथ **संपर्क करें ओम मेडीको, मकान नं.A 31, राधास्वामी नगर, भाठागांव चौक, रिंग रोड नं.1, रायुपर मों. 7647960841.**(RO-2493)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार **संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.** (RO-om)

कम्प्युटर कार्य

आवश्यकता है- कोरियर मे कस्टमर विजिटकार्य हेतु लड़को और कंप्यूटर कार्य हेतु लड़की की आवश्यकता है। **श्रीमारूति कोरियर, रिंगरोड-1 कुशालपुर कार्नर हाऊस के बाजू, रायपुर। 9399676408.** (RO-439)

लेबर

आवश्यकता है- दो मेहनती लेबर की आवश्यकता हैं। **सम्पर्क करें- लक्ष्मी ऑटो इंजीनियरिंग प्रा. लिमि. नीली बिल्डिंग, होटल गुरूकृपा के पास, के.के. रोड, मौदहापारा, रायपुर मो. नं. 9630205205.** (RO-6964)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप पर कार्य करने हेतु उम्मीद्वार की आवश्यकता है, इच्छुक उम्मीद्वार समस्त बायोडाटा सहित **सम्पर्क करें:- डागा पेट्रोल पम्प, फाफाडीह चौक, स्टेशन रोड रायपुर मो.- 8109135400.**(RO-744)

हेल्पर/मिस्त्री

आवश्यकता है- गाड़ी रिपेयरिंग वर्कशॉप में हेल्पर मिस्त्री की शीघ्र आवश्यकता है। इच्छुक **भनपुरी व्यास तालाब पर कुणाल ऑटो में संपर्क करें** वेतन योग्यतानुसार मो.- **8349642946, 8109135400.**(RO-745)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

ऑपरेटर/ड्रायवर

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कंप्यूटर ऑपरेटर की जिसे आयुष्मान भारत योजना एंट्री का ज्ञान हो एवं 3 आया बाई, ड्राईवर एम्बुलेंस व घरेलू गाड़ी चलाने हेतु मिले **बांठिया हॉस्पिटल राजा तालाब रोड़ रायपुर 0771-2425009.**(RO-3228)

सुपरवाइजर/अकाउंटेंट

आवश्यकता है- महावीर नगर क्षेत्र में कार्य करने हेतु अकाउंटेंट, सुपरवाईजर, इलेक्ट्रीशियन (अनुभव-5 वर्ष) सुरक्षा गार्ड (अनुभव-3 वर्ष) **संपर्क करें- 7880008106.**(RO-2492)

ड्रायवर

आवश्यकता है- स्कूल बस चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की शीघ्र आवश्यकता है। (हैवी लाईसेंस) वेतन 12500/- से 13500/- **संपर्क- शिवोम विद्यापीठ, सांकरा, मो.- 9109126445.**(RO-746)

आवश्यकता है- अनुभवी ड्राइवरों की आवश्यकता है, जिनको संपूर्ण छत्तीसगढ़ की जानकारी हो, वैद्य लाइसेंस के साथ **संपर्क करें, वेतन 15000/- तक, रहने की सुविधा उपलब्ध - देव ट्रेवल कार रेंटल सर्विस, मोतीबाग रायपुर. मो. 9752008009, 8959910211.**(RO-1627)

आवश्यकता है- तीन चक्का इलेक्ट्रिक माल वाहक ऑटो चलाने हेतु ड्राइवर एवं हेल्पर कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध **पता- अशोक इंटरप्राइजेज आशीर्वाद धर्म कांटा के पास उरला बिरगांव रायपुर मिलने का समय सुबह 09 से 08 - 8770676924.**(RO-5235)

देखरेख

आवश्यकता है- 24 घंटे घर पर रहकर दो बच्चों को देखरेख एवं पढ़ाने के लिए 12वीं पास महिला की आवश्यकता है, उम्र 22-44 साल, सैलरी 12000/-, **मो.- 95225-55844.**(आरो न.-661)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में काम करने के लिए लड़को की आवश्कता हैं,आकर्षक वेतन । **संपर्क - समय 12 से 7 बजे । पूजा साड़ी,महालक्ष्मी क्लॉथ मार्केट,पंडरी,रायपुर ।**(RO-444)

आवश्यकता है- थोक दुकान में परमानेंट कार्य हेतु दुकान-दुकान सप्लाई हेतु लड़को की आवश्यकता है योग्यता 8+ उम्र 16 से 25 वर्ष। ट्रेनिंग + रहना + खाना फ्री। ट्रेनिंग बाद 7000 से 20,000 **संपर्क:- उतई दुर्ग मो.97544.09440, 99930-31494.** (आरो न.-660)

आवश्यकता है- पशु आहार दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है आकर्षक वेतन **शुभम पशु आहार मेन रोड हाई स्कूल के पास सेजबहार रायपुर मोबाइल नंबर 8120677760.** (RO-7439)

आवश्यकता है- हार्डवेयर दुकान में कार्य करने के लिए आठवीं पास लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। **संपर्क करे:- जैन हार्डवेयर एंड टूल्स, बाम्बे मार्केट, रायपुर, 9229101124.**(RO-398)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने हेतु लड़के का वेतन 10000/- एवं लड़कियों का 7000 वेतन **संपर्क करें हरिओम प्लास्टिक, पंडरी रायपुर प्रकाश होलसेल के बाजू 9131348561, 9300203900.** (RO-7438)

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- टेलीकालिंग ऑफिस कार्य हेतु लड़की एवं महिलाओं की आवश्यकता है। योग्यता:- 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट, सेलरी:- 7000 कमीशन+ बोनस से कमाएं 15000/- से 20000/- **पता:-देवेंद नगर रायपुर मो.-9993860971.** (आरो न.-662)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सर्विसिंग कार्य

आवश्यकता है- दो पहिया वाहन धुलाई (सर्विसिंग) हेतु युवको की आवश्यकता है वेतन 10,000 अनुभवनुसार **संपर्क करें:- किशोर ऑटो पार्ट्स जय शंकर प्लाजा डगनिया मोबाइल - 9425203217.**(RO-3232)

दुकान/ड्रायवर कार्य

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम दुकान में काम करने के हेतु अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़कों की एवं टाटा ऐस चलाने ड्राइवर की आवश्यकता **संपर्क: दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास 98271-14645, 9131139179.**(RO-om)

सेल्समैन

आवश्यकता है- दिनेश गारमेंट जवाहर मार्केट पावर हाउस भिलाई में मेंस वेयर के लिए सेल्समैन की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता आकर्षक वेतन के साथ (आरो न.-666)

आवश्यकता

आवश्यकता है- हैदराबाद में नौकरों की जरूरत है. मध्यम आयु वर्ग और युवा पुरुषों को घर और खेतों में काम करने के लिए अच्छा वेतन दिया जाएगा। **संपर्क करें: 7526977077.**(RO-43773)

पैकिंग/सेल्स कार्य

आवश्यकता है- ऑटोपार्ट्स की दुकान में पैकिंग एवं सेल्स कार्य हेतु लड़को की आवश्कता हैं। वेतन योग्यतानुसार । **संपर्क - तृप्ति सेल्स कार्पोरेशन, एम. जी. रोड, रायपुर । मों- 9340273375.** (RO-448)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- आगरा में रहकर ऑफिस में कार्य हेतु 18 से 28वर्ष के 10वीं, 12वीं पास अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री शीघ्र **सम्पर्क करें- 8937847856, 6395268809.**(RO-36516)

पैकिंग/बिल कार्य

आवश्यकता है- 375/- प्रतिदिन (+) ओवरटाइम माल जमाना, माल दिखाना, पैकिंग, बिल बनाना। लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार। **संपर्क- पवन ट्रेडर्स, बंजारी रोड, वर्धमान ज्वेलर्स के पीछे, शारदा चौक, रायपुर, 9926370555.**(RO-770)

आवश्यकता

आवश्यकता है- दुकान में पानी सप्लाई ऑटो में साथ चलने के लिए 8वीं 10वीं पढ़े लिखे मेहनती लड़के की आवश्यकता हैं **संपर्क करें- डी डी नगर रायपुर** Mob. **9098148235.**(RO-om)

आवश्यकता है- अर्जेंट रिक्वायर्ड- ऑफिस कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता सैलरी ९,००,०० तक, **कॉल - 9425517483, 6268739267-** Ankit law house.(RO-39004)

पैकिंग/हेल्पर कार्य

आवश्यकता है- बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है रूम, बिजली की सुविधा फ्री। पता बंजारी मंदिर के पास रावाभाटा रायपुर **7471176423** (RO-36705)

अन्य

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है। **संपर्क करें:- 7044713881, 7044684039, 7044893771.** (RO-754)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है। **संपर्क करें:- 7450945537, 8335088415.** (RO-818)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है। **संपर्क करें:- 8240426971, 9163849676.** (RO-755)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए :- पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी निश्चित सफलता के साथ पास करे:- B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech,(अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा **संपर्क:-** Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai Mo.- **9826196515, 9826896515.**(आरो.-7155)

Property प्रापर्टी

मकान/जमीन

मकान बेचना है- (शीतला चौक) ग्राम तुलसी -2 (बाराडेरा) 2920 वर्ग फिट में पक्का मकान 6 कमरा, 1 किचन, बारी बोरवेल है, गली के दोनों तरफ रास्ता सुविधा है इच्छुक व्यक्ति **संपर्क करे- मोबाईल नंबर 9406020233, 7697143954.**(RO-2494)

मकान बेचना है- चांगोराभाटा 600 वर्गफुट एवं 800 वर्गफुट में 2 BHK मकान, कार पोर्च, पीओपी किया हुआ सर्वसुविधायुक्त स्वतंत्र नया मकान बेचना है **संपर्क करे मोबाइल नंबर:- 9300505421, 9993451070.** (RO-om)

बेचना है- जमीन, अर्जुंदा गुरेदा डामर रोड पर,1.32 एकड़ (पंप 2 H.P), पेट्रोल पंप, राइस मिल, पोल्ट्री एवं फार्म हाउस हेतु। 80 फीट फ्रंट रोड पर। **संपर्क -97524-08700.**(आरो न.-663)

जमीन बेचना है- होलसेल क्लाथ मार्केट पुलगांव दुर्ग में प्लाट 19×45 फिटव जेवरा भिलाई में IIT के पास 2 एकड़ कृषिभूमि बेचना है। **संपर्क:- फोन.- 9425235536.**(आरो न.-664)

प्लाट

बेचना है- रायपुर रिंग टोड नं. 1 से 300 मीटर के अंदर वॉलफोर्ट सिटी भाठागांव (रायपुर) से लगा हुआ 60x45 फीट = 2700 वर्गफीट बाउंड्रीवॉल सहित. कॉर्नर प्लॉट दोनो तरफ रोड. बेचना है। **सम्पर्क:- 8253082898.**(आरो न.-4421)

बेचना/किराया

बेचना है
VIP Karishma के बगल
Commercial Building
Builtup Area - 8500 Sqft.
Plot Area- 4500 Sqft.

किराये से देना है
शंकर नगर में
1000 वर्गफुट हॉल प्रथम तल में किराये से देना है।
VIP Estate में
Commercial Building
Builtup Area- 17400 Sqft.
Govt. Bank/ Hospital को प्राथमिकता
संपर्क करें- 8120008290
Dev Ad.

वैवाहिकी वर चाहिए

बौध्द वर चाहिए- गोरी, सुन्दर, सुशील बौध्द महाराष्ट्रीयन (महार) जन्म 1996, 5'3" डॉक्टर (फिजियोथेरेपिस्ट) कन्या हेतु सजातीय सुयोग्य वर चाहिए। सम्पर्क करें:- 8871300333 (665)

वर चाहिए
सुशीला वर्मा तलाकशुदा नि:संतान 07/03/1977 हाईट 5'-4" बीकॉम. कम्प्यूटर डिप्लोमा, फूड स्टॉल एवं कैफे, मासिक आय एक लाख स्वयं का मकान सभी मान्य जाति बंधन नहीं, जरुरतमंद को प्राथमिकता
सम्पर्क करें
7415070430
7415070430

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी...
CLASSIFIED RATE CARD 15 जून 2024 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	450	550	500	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	400	500	480	150/- Sq cm
Bilaspur City	400	450	450	140/- Sq cm
Raipur All Edition	650	750	700	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	550	600	600	195/- Sq cm
All CG	900	1020	1000	310/- Sq cm
All CG + MP	1150	1500	1450	330/- Sq cm
All Edition	1550	1900	1800	380/- Sq cm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
Colour 20% Extra Charge For Disply

SCHEME
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. Single day Booking 100Rs. Extra.

ADVT. Booking time 10.30 am to 3.00 pm.
5% GST for All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	2800	2+1
Bhilai + Durg Edition	2600	5+3
Raipur Edition	4000	10+10
Bilaspur City	2200	15+18
Bilaspur Edition	3500	
All CG	5000	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /-1 Sunday	800 /-1 Sunday
900 /-2 Sunday	1200 /-2 Sunday
1200/-3 Sunday	1500/-3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	50000	80000	100000
Bilai + Durg Edition	45000	75000	95000
Bilaspur City	35000	65000	80000
Raipur All Edition	65000	110000	140000
Bilaspur All Edition	50000	90000	110000
All CG	100000	160000	200000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur
Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778
E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur.
Mob.: 9826782100
E-mail- hbclassified375@gmail.com

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए हम सब अलग-अलग तरह के काम तो करते ही हैं। लेकिन कुछ काम ऐसे भी होते हैं, जिनको करते हुए हमें एक अलग तरह की खुशी, संतुष्टि मिलती है। यही होते हैं हमारे शौक यानी हॉबीज। हॉबीज अपनाने के फायदे तन और मन की सेहत तक ही सीमित नहीं होते हैं बल्कि इससे हमें सामाजिक और आर्थिक रूप से भी कई प्रकार के लाभ होते हैं। यानी हॉबीज से हमारी लाइफ बनती है हैप्पी।

हॉबीज से बन जाए हैप्पी लाइफ

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

अकसर लोग शौक की बात को या तो नकारात्मक रूप में लेते हैं या समय की बर्बादी मानते हैं। लेकिन मनोविज्ञानियों, समाज शास्त्रियों और व्यवहार विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित कार्य, पढ़ाई, पेशे या कारोबार से मिले जरा से अतिरिक्त समय में हमें अपने तन-मन के सुकून के लिए कोई रचनात्मक शौक या हॉबी जरूर अपनानी चाहिए। इसके कई फायदे हैं।

होते हैं कई तरह के फायदे

कैलिफोर्निया (अमेरिका) के सांता मोनिका में स्थित पैसिफिक न्यूरोसाइंस इंस्टीट्यूट के पैसिफिक ब्रेन हेल्थ सेंटर में जेरिएट्रिक कॉग्निटिव हेल्थ के निदेशक स्कॉट कैसर कहते हैं कि शौक रखने के कई सकारात्मक स्वास्थ्य परिणाम मिलते हैं, इसके पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध हैं। डॉ. कैसर का कहना है, 'चाहे आप वॉकिंग, सुडोकू, डांस, वाटर कलर पेंटिंग या कोई म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट बजाना पसंद करते हों, जान लें कि आपके शौक न केवल आपको खुशमिजाज रखते हैं, बल्कि वे आपको स्वस्थ भी रखते हैं।'

कई बीमारियों से होता है बचाव

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, (लॉस एंजेल्स, अमेरिका) में हेल्थ साइंस के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कीन वुई कहते हैं, 'किसी मनोरंजक शौक को पूरा करने से मस्तिष्क में एंडोर्फिन नामक रसायन निकलता है, जो अच्छा महसूस कराता है, जबकि कॉर्टिसोल नामक स्ट्रेस हार्मोन कम होता है।' नतीजतन इससे रक्तचाप कम होता है, सूजन कम होती है, नींद में सुधार होता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, हृदय के स्वास्थ्य में सुधार होता है और ऊर्जा बढ़ती है। विज्ञान भी इस बात का समर्थन करता है। 2021 में कई अध्ययनों के विश्लेषण में इस बात के पुख्ता सबूत मिले हैं कि हॉबीज या फेवरेट एक्टिविटीज में शामिल होने से कोरोनरी हार्ट डिजीज, याददाश्त और डिमेंशिया के साथ-साथ पुराना दर्द, कमजोरी और अक्षमता सहित उम्र से संबंधित शारीरिक ऊर्जा में क्षय से बचाव करके स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। लैंसेट साइकिएट्री पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट में पाया गया कि जो लोग पुरानी

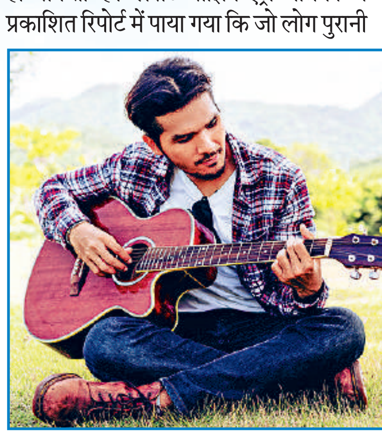

बीमारी से पीड़ित थे, उनके लिए कोई शौक पूरा करने से उन्हें अपने लक्षणों को नियंत्रित करने में मदद मिली और यहां तक कि उनकी बीमारी बढ़ने की गति भी धीमी हो गई। हॉबीज को समय देने वाले लोग, अकसर गणित जैसे पेचीदा विषयों में भी बेहतर प्रदर्शन करते हैं। डिमेंशिया से सुरक्षा प्रदान करने के अलावा हॉबीज, हमारी न्यूरोप्लास्टिसिटी में सुधार करती हैं। अच्छी हॉबीज में मस्तिष्क के तंत्रिका नेटवर्क को बदलने, उनका अनुकूलन करने और नए कनेक्शन बनाने की क्षमता होती है। संभवतः इसीलिए मनोविज्ञानी मानसिक समस्या से ग्रस्त लोगों को संगीत वाद्ययंत्र बजाने की सलाह देते हैं।

दीर्घायु के साथ मिले निरोगता

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया है कि हॉबीज को समय देने और लंबी उम्र के बीच मजबूत संबंध होता है। एक अलग अध्ययन में पाया गया कि वृद्ध लोगों में नियमित अवकाश गतिविधियों में शामिल होने पर मृत्यु दर का जोखिम 19 प्रतिशत कम होता है। कई मायनों में, शौक हमें खुश करते हैं। जर्नल ऑफ पर्सनालिटी में प्रकाशित 2023 के एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग हर दिन अपने शौक (चाहे वे कोई भी हों) को पूरा करने के लिए सचेत प्रयास करते हैं, उनके स्वास्थ्य में औसतन 8 प्रतिशत की वृद्धि और तनाव, चिंता में 10 प्रतिशत की कमी देखी गई। इसी तरह, नेचर मेडिसिन में प्रकाशित 2023 के एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों ने कम से कम एक शौक होने की सूचना दी, उनमें अवसाद के लक्षण कम पाए गए और खुशी, स्वास्थ्य और जीवन संतुष्टि का स्तर अधिक पाया गया।

उद्देश्य की भावना जगाए

कई हॉबीज के लिए लक्ष्य निर्धारित करना और डेवलपमेंट ट्रैक करना जरूरी होता है। जैसे- बागवानी में आपको रोज तय करना होता है कि किस प्रकार के पौधे लगाएंगे, किसको कैसे ग्रोथ देंगे। जब आप अपने लगाए पौधों को बढ़ते हुए देखते हैं या अपनी प्लानिंग सफल होते देखते हैं, आपके मन में उपलब्धि की भावना महसूस होती है। इससे आत्मबल बढ़ता है।

बढ़ती है चुनौती लेने की ताकत

कई प्रकार की हॉबीज में आपको रोज नई-नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। पजल सॉल्व करना हो या खास प्रकार की कलाकृतियां या स्टांप कलेक्ट करने की हॉबी हो या फिर कोई और हॉबी, अच्छे शौक व्यक्तिगत विकास और आत्म-प्रशिक्षण के अवसर होते हैं।

बढ़े सामाजिक दायरा

शौक का सबसे कम आंका जाने वाला लाभ हमारे सामाजिक कल्याण पर उनका प्रभाव है। डॉ. कैसर कहते हैं, 'मनुष्य हमेशा एक समुदाय के भीतर पनपता रहा है, इसलिए, हमें समाज की बहुत जरूरत होती है। जब हमें यह नहीं मिलता है, तो हमारे स्वास्थ्य के सभी पहलू प्रभावित हो सकते हैं।' अमेरिकन जर्नल ऑफ जेरिएट्रिक साइकिएट्री द्वारा प्रकाशित 2020 के विश्लेषण के अनुसार, दीर्घकालिक अकेलापन आपके स्वास्थ्य के लिए प्रतिदिन 15 सिगरेट पीने से भी ज्यादा बुरा है। हॉबीज कम्युनिटी की भावना, नए दोस्त बनाने और पुराने दोस्तों से मिलने का एक शानदार तरीका हैं। कई हॉबीज ग्रुप्स में ही परफॉर्म की जाती हैं। जैसे- सिंगिंग, फुटबाल, क्रिकेट, टेनिस, बैडमिंटन जैसे स्पोर्ट्स आदि। इसके अलावा अगर आप इनडोर हॉबीज अपनाएं तो लोगों को पढ़ाना, ऑनलाइन चैटिंग आदि के द्वारा भी सोशल कनेक्शन का लाभ उठा सकते हैं।

होता है आर्थिक लाभ भी

आपके शौक आपके करियर या कमाई से संबंधित भी हो सकते हैं। इससे आपका कौशल निखरता है और कमाई बढ़ती है। यदि आप एक ग्राफिक डिजाइनर हैं तो आप घर पर पेंटिंग या कोलाज बनाने जैसे रचनात्मक शौक अपना सकते हैं। शर्त यही है कि शौक में संतुष्टि मुख्य होनी चाहिए, आर्थिक लाभ नहीं। *

कैसे चुनें अपनी हॉबीज

आपके लिए कौन-सी हॉबीज मुफीद हैं, यह आपके व्यक्तित्व, रुचियों, योग्यताओं और संसाधनों के आधार पर निर्भर करता है। हममें से ज्यादातर लोगों को अपनी पसंद और नापसंद के बारे में सहज ज्ञान होता है। शौक चुनने का एक अच्छा तरीका यह है कि आप अपने जीवन के किन क्षेत्रों में अभी सुधार करना चाहते हैं, इस पर विचार करें। इस बारे में मनोविज्ञानी प्रदीप शक्तावत कहते हैं, 'इसे स्वास्थ्य के साथ आर्थिक लाभ के नजरिए से और सामाजिक प्रतिष्ठा के नजरिए से भी देखते हुए चुन सकते हैं। मुख्य बात यह है कि शौक ऐसा हो, जिसे करने में आपको सुकून और खुशी मिले।'

रिटायरमेंट के बाद बनी रहे उत्साह-उमंग-जीवंतता

अधिकतर नौकरी-पेशा वाले लोग, रिटायरमेंट के बाद एकाकीपन से ग्रस्त हो जाते हैं। ऐसा आपके साथ न हो, आप जीवन की सांध्य बेला में भी उत्साहित और जीवंत बने रहें, इसके लिए अपनी मानसिकता के साथ जीवन शैली में कुछ बदलाव करें।

लाइफस्टाइल
रवि तिवारी

नौकरी करने वाली जमात के लिए रिटायरमेंट एक सच्चाई है, जो एक उम्र के बाद आती ही है। लेकिन रिटायरमेंट जीवन का अंत नहीं है बल्कि वह जीवन का ऐसा पड़ाव है, जो एक नई शुरुआत की संभावना लिए आती है। यह वह समय होता है, जब व्यक्ति अपने व्यस्त करियर से मुक्त होकर परिवार और स्वयं के लिए समय निकाल सकता है। लेकिन दूसरी ओर यह भी सच्चाई है कि इसके साथ ही उसके जीवन में खालीपन, एकाकीपन और निष्क्रियता के भाव भी आ सकते है। फलस्वरूप इससे उत्पन्न स्थिति उसके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालती है।

एकाकीपन की वजहें: सेवानिवृत्ति के बाद महसूस होने वाला एकाकीपन और तन्हाई बहुत स्वाभाविक है। दरअसल, इसके बाद जीवन की दिनचर्या में बदलाव हो जाता है। नौकरी के दौरान दिनचर्या में एक उद्देश्य और सक्रियता होती है। लेकिन रिटायरमेंट के बाद अचानक इस व्यस्तता का समाप्त हो जाना, व्यक्ति को असहज बना देता है। इसके अलावा नौकरी के दौरान सामाजिक संबंधों में कमी आ जाती है, क्योंकि व्यस्तता के कारण उन्हें निभाने में समयाभाव होता है। उस दौरान तो केवल कार्यस्थल पर सहकर्मियों और मित्रों से नियमित संपर्क बना रहता है। रिटायरमेंट के बाद वह संपर्क भी धीरे-धीरे कम होने लगता है, जिससे व्यक्ति को स्वाभाविक रूप से अकेलेपन का अनुभव होने लगता है। इसके अलावा परिवार के अन्य सदस्यगण, अपनी-अपनी जिम्मेदारियों में व्यस्त हो जाते हैं और उनके बच्चे अलग शहरों या देशों में पढ़ने या नौकरी करने के लिए अपने परिवार सहित चले जाते है। इस वजह से भी रिटायरमेंट के बाद बहुत एकाकीपन का अहसास होता है।

शारीरिक कमजोरी का बढ़ना: रिटायरमेंट के साथ ही वृद्धावस्था शुरू हो जाती है। ऐसे में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं शुरू होना स्वाभाविक है। इससे शारीरिक कमजोरियां और बीमारियां व्यक्ति को सक्रिय जीवन से दूर करती चली जाती हैं। जीवन में अकेलापन और निष्क्रियता बढ़ने का यह भी एक कारण है। फलस्वरूप व्यक्ति सामाजिक आयोजनों और लोगों से मेल-मिलाप में भाग लेना छोड़ देता है, जिससे उसका समाज से जुड़ाव कम होता चला जाता है। ऐसी बहुत सारी स्थितियां हैं, जो रिटायरमेंट के बाद इंसान के जीवन में स्वाभाविक रूप से आती चली जाती है। ऐसे में अगर रिटायरमेंट के बाद व्यक्ति मानसिक रूप से सजग ना रहे या अपनी मानसिकता में दिनचर्या में बदलाव न करे तो उसे अकेलापन महसूस होगा ही।

करें वो काम जिनसे मिले खुशी: अगर आप रिटायरमेंट को नए जीवन का एक अध्याय मानकर इसे सकारात्मक दिशा में मोड़ लें तो आप अकेलेपन की मानसिकता से मुक्त रहेंगे। इसके लिए आप युवा और प्रौढ़ावस्था में अपनी अधूरी रह गई इच्छाओं की पूर्ति के लिए नए सिरे से प्रयास शुरू कर सकते हैं। अपनी रुचि के अनुसार कला, संगीत, लेखन, बागवानी या फोटोग्राफी जैसी गतिविधियों में शामिल होकर रचनात्मकता को बढ़ावा दें। अपनी नई रुचियों का भी विकास करें। जीवन को समयबद्ध तरीके से संचालित करें। योग, ध्यान और शारीरिक व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। पुस्तकें पढ़ें और ज्ञानवर्धक कार्यों में समय लगाएं। अपने खोए हुए सामाजिक संबंधों को मजबूत करें। पुराने मित्रों और सहकर्मियों से संपर्क बनाए रखें। परिवार के साथ समय बिताएं, रिश्तों को महत्व दें। किसी सामाजिक संगठन से जुड़कर समाजसेवा करें, दूसरों की सहायता करने से व्यक्ति को संतोष और आत्म-गौरव की अनुभूति भी होती है।

बने रहें सकारात्मक: सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपनी मानसिकता को हमेशा सकारात्मक बनाए रखें। रिटायरमेंट के बाद अगर कोई आपसे पूछे, 'क्या कर रहे है आजकल?' इस सवाल का जवाब निराशाजनक होकर ऐसा कभी न दें कि बस समय काट रहे हैं या यह भी न कहें कि अब तो कुछ बचा ही नहीं है करने को। इसके बजाय आप कुछ ऐसा जवाब दें कि अपने जीवन का बेहतरीन समय गुजारने की कोशिश में लगा हूं और अब स्वयं के लिए मस्ती से जी रहा हूं। यह याद रखना चाहिए कि समाज और परिवार के साथ सक्रिय जुड़ाव व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाए रखता है। इसका निरंतर प्रयास करते रहें। अगर जीवन में कोई मजबूरी न हो तो रिटायरमेंट के बाद कोई नौकरी न करें। करें तो स्वयं का कोई काम स्वान्तः सुखाय के लिए करें। इससे नौकरी की मानसिकता को दूर कर अपने आत्म विश्वास को आप जगा पाएंगे, जो आपके एकाकीपन को परे धकेलते हुए एक उद्देश्यपूर्ण और सुखद समय बनाने में मदद कर सकता है। कभी न भूलें कि यह वह समय है, जिसमें आप अपने अनुभवों, ज्ञान और रुचियों के माध्यम से अपने आपको या परिवार के अन्य सदस्यों, खासकर नौजवानों को समृद्ध कर सकते हैं। याद रखें कि रिटायरमेंट, जीवन का अंत नहीं बल्कि एक नई शुरुआत है। सकारात्मक मानसिकता बनाएं और स्वयं को व्यस्त रखते हुए समाज को बेहतर योगदान देने का प्रयास करते रहें। *

कविता
आरती 'आस्था'

रिश्ते निभाना

मैंने कहा,
नहीं जानती शायद
रिश्ते निभाना मैं
तभी छूटते जाते हैं,
छिटकते जाते हैं,
एक के बाद एक रिश्ते मुझसे।
तुम बोले, ऐसा नहीं है
कतई नहीं
निभाती हो जिस तरह
रिश्तों को तुम,
मैं तो कहूंगा
सीखना चाहिए तुमसे,
रिश्ते बचाने के लिए,
कैसे किया जाता है,
खुद को आहुत।
रही बात रिश्तों के
छूटने-छिटकने की,
तो जो रिश्ते बार-बार करें,
मन को आहत,
लहूलुहान हमारी आत्मा को,
उन रिश्तों का छूटना ही अच्छा,
छिटकना ही बेहतर।

व्यंग्य
राकेश सोहम

बाहर रखे असली लड्डुओं को फूटने से बचाए जाने का यत्न किया जा सकता है, लेकिन मन के लड्डू को नहीं। लड्डू मन में गए कि फूटे। वे मन में कभी साबुत नहीं बचते।

मन में लड्डू फूटने का सबब

भारतीय पकवानों में लड्डू को कौन नहीं जानता! शायद ही कोई होगा, जिसे लड्डू पसंद नहीं होंगे। किसी भी अवसर में लड्डू जगह बना लेते हैं। लड्डू बेशक एक मानवीय आविष्कार है। खाने के मामले में लड्डू मनुष्य का पहला पकवान माना जा सकता है। आदिमानवों ने खाद्य सामग्री जुटाई होगी। खाने के लिए मुट्ठी में समेट कर उठाई होगी। अचानक कुछ कारणवश बिना निगले मुट्ठी की खाद्य सामग्री दोबारा जमीन पर रख दी होगी। बाद में आश्चर्यचकित हुए होंगे, 'अरे! यह गोल-गोल अच्छा दिख रहा है।' कालांतर में बिखरी खाद्य सामग्री को मुट्ठी में दबाकर लड्डू का रूप दिया जाने लगा होगा। जैसे-जैसे मानवीय समझ बढ़ी होगी, अलग-अलग खाद्य सामग्रियों से नाना प्रकार के छोटे-बड़े और रंग-बिरंगे लड्डू बनाए जाने लगे होंगे। उठाने-धरने और कम जगह में अधिक सामग्री के संग्रहण में आसानी की वजह से लड्डू चर्चित होते गए होंगे। जब मन किया, लड्डू उठाया और मुंह में डाल लिया।

लड्डुओं को बड़े जतन से रखना पड़ता है। वरना वे फूट जाते हैं। बनाने की विधि पुख्ता नहीं होने से भी लड्डुओं के फूटने की संभावना बढ़ जाती है। मन में लड्डू के फूटने का सबब कौन नहीं जानता। सवाल है कि क्या मन में भी लड्डू होते हैं? क्या सबके मन में लड्डू होते हैं? अगर होते हैं तो कितने? किसी ने देखे हैं कभी मन के लड्डू? मन में लड्डू फूटते क्यों हैं? कोई यह तर्क दे सकता है कि मन में लड्डू होते हैं, तभी तो फूटा करते हैं। सवाल यह भी है कि मन के लड्डुओं को साबुत रखने में क्या हर्ज है? लड्डुओं को फोड़ने की क्या आवश्यकता है? कोई यह भी शर्त रख सकता है कि मन के लड्डुओं को बचाकर रखना है। लड्डुओं को मन में रखे रहना है, फूटना नहीं चाहिए! तब तो यह कठिन परीक्षा से गुजरने का मामला हो जाएगा! मन में लड्डू को फूटने से बचाना एकदम असंभव है। बाहर रखे असली लड्डुओं को फूटने से बचाए जाने का यत्न किया जा सकता है, लेकिन मन में लड्डू को नहीं। लड्डू मन में गए कि फूटे। वे मन में कभी साबुत नहीं बचते। लड्डू मुख तक साबुत जा सकते हैं। मुख के अंदर भी साबुत रुक सकते हैं। मन में लड्डू फूट ही जाते हैं। मन में लड्डू को फूटने से कोई नहीं बचा सकता। लगभग हर व्यक्ति के मन में लड्डू फूटते हैं। शायद जानवरों के मन में भी लड्डू फूटते हों। वे नहीं जानते हैं कि लड्डू क्या बला है। यह एक खोज का विषय हो सकता है।

कहते हैं मन चंचल होता है। वह बड़ा जिद्दी भी होता है। वह चाहे हजार काम लेकर बैठा हो। कितना भी व्यस्त हो, लेकिन लड्डू फोड़ने का मौका नहीं चूकता। व्यक्ति के मन में गाहे-बगाहे लड्डू फूटने लगते हैं। यह एक बड़ा प्रश्न है कि मन में इतने लड्डू आते कहां से हैं? क्या है इनकी आपूर्ति का स्रोत? मौका चाहे कोई भी हो, मन लड्डू फोड़ने बैठ जाता है। व्यक्ति चटपटी चाट खाने गया है। अभी चाट उसके हाथों में आई नहीं है। मन लड्डू फोड़े जा रहा है। यों खाऊंगा, त्यों खाऊंगा, अहा! मजा आ जाएगा। इसी तरह सुंदर स्त्री देखते ही पुरुष मन धड़ाधड़ ढेरों लड्डू फोड़ने लगता है। खाने-पीने की जगह मिलते ही भ्रष्टाचारियों के मन में लड्डू फूटने लगते हैं। मन के लड्डुओं की आवक खोज का विषय हो सकती है। दुनिया का कड़वा सच यह भी है, जिन गरीबों को असली लड्डू नसीब नहीं होते, अकसर उनके मन में ढेरों लड्डू फूटते हैं। खराब किस्मत वालों के मन में लड्डू फूटने की पूरी गारंटी है।

असली लड्डू बनाने के कई तरीके हैं। इन्हें बनाने की हजार सामग्री हो सकती है, लेकिन मन के पास सामग्रियों की कोई कमी नहीं है। वह बड़ा चालाक है। पता नहीं कौन-सी विधि से किसी भी चीज के तुरंत लड्डू बना लेता है! और फिर फोड़ने लगता है। लेखकों के मन में संपादक की स्वीकृति, प्रकाशन की सूचना और बड़े मानदेय के लड्डू फूटने लगते हैं। नेताओं के मन में चुनाव जीतने के लड्डू फूटते हैं। कुंवारों के मन में शादी के लड्डू फूटते हैं। बेघरों के मन में महलों के लड्डू फूटते हैं। चोर मन में चोरी के और लंपट के मन में छोरी के लड्डू फूटते हैं। एक राजनैतिक सच यह है कि चुनाव के दिनों में, मतगणना के समय, परिणाम आते-आते नेताओं के मन में पद और कुर्सी पाने के लड्डू फूटने लगते हैं। कई बार बेचारे! हारे हुए प्रत्याशियों के मन में लड्डू फूटते-फूटते उनके असल लड्डू भी फूट जाते हैं। जीत के लड्डू बांटने के इंतजाम पर पानी फिर जाता है। बहरहाल, आध्यात्मिक जीवन के एक सूत्र को ऐसे कहा जा सकता है, जो व्यक्ति मन में लड्डू फूटने से बचा सकता है, वही सच्चा साधक हो सकता है। भारतीय संस्कृति का इतिहास ऐसे साधकों से भरा पड़ा है। हमारे संस्कार सिखाते हैं कि मनवा तू लड्डू फूटने से बचा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता में जीवन-स्पंदन

वर्षों से पत्रकारिता के अध्यापन से जुड़े डॉक्टर गुरु सरन लाल स्वभाव से जितने सरल-सहज हैं, उनकी कविताओं में भी वही सरलता, सहजता दिखती है। इस बात को प्रमाणित करती हैं, हाल में प्रकाशित हुए उनके पहले कविता संग्रह 'सारा जीवन भूलभुलैया' की कविताएं। इस संग्रह में छंदबद्ध, मुक्त छंद के साथ कुछ गजलें भी संकलित हैं। इन कविताओं की विशेषता यह है कि इन्हें रचने में कवि ने शिल्प से अधिक भावाभिव्यक्ति पर ध्यान दिया है। *'आखिर आता ही क्या है मुझे/मैं नहीं कर सकता झूठा वादा/नहीं दे सकता किसी को धोखा।'* जैसी पंक्तियों के जरिए कवि उन सभी भोले और सच्चे इंसानों की मनोदशा को व्यक्त करते हैं, जो आज के जटिल समय में खुद को मिसफिट महसूस करने की विवशता के साथ जीने को बाध्य हैं। *'अब तो डर लगता है/देखने में कोई सपना।'* कहने की जरूरत नहीं कि ऐसे भाव समाज के हाशिए पर जी रहे हर उस व्यक्ति के मन में उपजते हैं, जो अपने अगले पल के भविष्य को लेकर भी भयाक्रांत है। इसीलिए उसमें कोई भी सपना देखने का साहस नहीं बचा है। जीवन की जटिलताओं को ही नहीं प्रेमानुभूति को भी कवि बहुत सादगी से कुछ कविताओं में व्यक्त करते हुए लिखते हैं, *'बिना हमारे जो रात बीती/क्या नींद आई/ये खत में लिखना।'*

पुस्तक-सारा जीवन भूलभुलैया, (कविता संग्रह), **रचनाकार**-डॉ. गुरु सरन लाल, **मूल्य**-300 रुपए, **प्रकाशक**-इंडिया नेटबुक्स, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा (एनसीआर)

वास्तव में इस संग्रह की कविताओं में जीवन की तमाम स्याह-श्वेत छवियां स्पष्ट तौर पर देखी जा सकती हैं। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

म्यूचुअल फंड डिविडेंड या एसडब्ल्यूपी रेगुलर इनकम के लिए कहां करें निवेश

- रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए क्या है सही, कैसे चुनें
- कॉर्पस का बाकी हिस्सा उसी फंड में जमा रहता है
- एसडब्ल्यूपी में निवेशक फंड के कॉर्पस से कुछ समय पर रकम निकाल सकते हैं
- डिविडेंड प्लान में म्यूचुअल फंड मुनाफे को फंड हाउस निवेशकों में बांटता है

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

नौकरी करने वाले लोगों को रिटायरमेंट के बाद वेतन मिलना भले ही बंद हो जाए, खर्च तो बने ही रहते हैं। इसीलिए रेगुलर इनकम का इंतजाम करना रिटायरमेंट प्लानिंग का बेहद जरूरी हिस्सा है। म्यूचुअल फंड के सिस्टमैटिक विथड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) और डिविडेंड प्लान, दो ऐसे विकल्प हैं, जिनका इस्तेमाल रिटायरमेंट के बाद नियमित आमदनी पाने के लिए किया जा सकता है, लेकिन इन दोनों विकल्पों में कई अहम फर्क भी हैं। अगर आप रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम के लिए प्लानिंग कर रहे हैं, तो आपके लिए यह जानना जरूरी है कि एसडब्ल्यूपी और डिविडेंड प्लान में कौन सा ऑप्शन आपके लिए ज्यादा सही हो सकता है।

सिस्टमैटिक विथड्रॉल प्लान क्या

म्यूचुअल फंड का सिस्टमैटिक विथड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी), एक ऐसा विकल्प है, जिसमें निवेशक अपने फंड के कॉर्पस से फिक्स इंटर्वल यानी तय समय के अंतर पर निश्चित रकम निकालते हैं। कॉर्पस का बाकी हिस्सा उसी फंड में जमा रहता है, जिस पर मुनाफा मिलने की संभावना बनी रहती है। यह ऑप्शन उन लोगों के लिए बेहतर है, जो रेगुलर इनकम हासिल करने के साथ ही साथ अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखना चाहते हैं। एसडब्ल्यूपी के तहत, निवेशक मंथली, तिमाही, या साल में एक बार पैसे निकाल सकते हैं। यह स्कीम आपके लिए जरूरी कैश फ्लो देने के साथ ही साथ बाकी पूंजी पर ग्रोथ हासिल करने का दोहरा लक्ष्य हासिल करने में मदद करती है। सिस्टमैटिक विथड्रॉल प्लान में निवेशक खुद तय कर सकते हैं कि उन्हें कब और कितने पैसे निकालने हैं। इसमें आप सिर्फ उतने ही पैसे निकाल सकते हैं, जितने आपको चाहिए. बाकी पैसे फंड में निवेशित रहते हैं, ताकि रिटर्न जेनरेट होता रहे।

डिविडेंड प्लान का क्या है मतलब?

डिविडेंड प्लान का मतलब है म्यूचुअल फंड की ऐसी स्कीम, जिसमें मुनाफे को फंड हाउस निवेशकों में बांटता है। यहां इनवेस्टर्स को मिलने वाला डिविडेंड उस म्यूचुअल फंड के प्रदर्शन पर आधारित होता है। इसीलिए डिविडेंड की रकम और भुगतान का समय पहले से तय नहीं होता। यह पूरी तरह बाजार की स्थिति और फंड के मुनाफे पर निर्भर होता है।

डिविडेंड प्लान और एसडब्ल्यूपी में फर्क

एसडब्ल्यूपी में इनवेस्टर खुद तय करते हैं कि वे कितनी रकम, कब और कितनी बार निकालेंगे। वहीं, डिविडेंड प्लान में निवेशक को कब और कितने पैसे मिलेंगे, यह फंड के प्रदर्शन पर आधारित होता है। एसडब्ल्यूपी में एक साल से ज्यादा होल्ड किए गए इक्विटी फंड पर एक वित्त वर्ष के दौरान होने वाले 1.25 लाख रुपये तक के लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) पर कोई टैक्स नहीं लगता। एक साल में इससे ज्यादा मुनाफा होने पर उस पर 12.5% की दर से एलटीसजी टैक्स लगता है। वहीं, डिविडेंड प्लान में ऐसी कोई छूट नहीं मिलती। यानी डिविडेंड प्लान से होने वाली आमदनी पर इनकम टैक्स स्लैब के रेट से टैक्स भरना पड़ता है।

एसडब्ल्यूपी और डिविडेंड प्लान

एसडब्ल्यूपी में जमा अपने फंड में से आप कब और कितने पैसे निकालना चाहते हैं, यह अपनी जरूरतों को देखते हुए खुद तय कर सकते हैं, जबकि डिविडेंड प्लान में आपको कितने पैसे मिलेंगे, यह उस फंड के परफॉर्मेंस से तय होता है। स्कीम का मुनाफा कम हो, या घाटा उठाना पड़े, तो डिविडेंड कम होने या नहीं मिलने का रिस्क भी रहता है। एलटीसीजी से जुड़े टैक्स बेनिफिट भी एसडब्ल्यूपीको ही बेहतर विकल्प साबित करते हैं।

कुल मिलाकर रिटायरमेंट के बाद के रेगुलर इनकम और टैक्स सेविंग के लिहाज से एसडब्ल्यूपी बेहतर है, लेकिन इनवेस्टमेंट के बारे में कोई भी फैसला करने से पहले यह जरूर समझ लें कि इक्विटी आधारित किसी भी म्यूचुअल फंड में रिटर्न फिक्स नहीं होता। फिर चाहे वो सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) हो या सिस्टमैटिक विथड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी)। यानी एसडब्ल्यूपी के तहत आप कब और कितने पैसे निकालना चाहते हैं, यह तो आप तय कर सकते हैं, लेकिन कॉर्पस में बचे बाकी पैसों पर म्यूचुअल फंड कितना रिटर्न जेनरेट करेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं होती। इसके अलावा इक्विटी फंड्स में मार्केट से जुड़ा रिस्क अधिक रहता है। इसलिए निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला करने से पहले उससे जुड़े जोखिम को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए और कोई भी कनफ्यूजन होने पर सेबी रजिस्टर्ड निवेश सलाहकार की मदद लेनी चाहिए।

बिजनेस साइट

सिंघानिया बिल्डकॉन : हर्षित गोल्ड सिटी में आयोजित 'प्लॉट मेला' का आज आखिरी दिन

रायपुर। सिंघानिया बिल्डकॉन ग्रुप के द्वारा 'हर्षित गोल्ड सिटी' में प्लॉट मेला 17 से 19 जनवरी तक विधानसभा रोड, नरदहा में आयोजित किया गया। यह तीन दिवसीय आयोजन निवेशकों और घर खरीदने वालों के लिए एक अच्छा अवसर प्रस्तुत करता है। इस मेले में हर्षित गोल्ड सिटी के प्रीमियम रेजिडेंशियल प्लॉट्स का स्वामित्व प्राप्त किया जा सकता है, जो एक लग्जरी टाउनशिप में अत्याधुनिक सुविधाओं और बेहतरीन जीवनशैली के साथ उपलब्ध हैं। हर्षित गोल्ड सिटी, सिंघानिया बिल्डकॉन ग्रुप का एक प्रमुख प्रोजेक्ट है, जो रेरा पंजीकृत है। यहां के प्लॉट्स का आकार 600 से लेकर 1700 वर्ग फीट तक है और कीमत 8.99 लाख से शुरू होती है। इस परियोजना में 100 से अधिक विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, जिनमें खेल मैदान, मंदिर, क्लब, रिक्रिएशन सेंटर, एम्फीथिएटर, नेट क्रिकेट और वॉलीबॉल कोर्ट, स्विमिंग पूल, आउटडोर और इंडोर जिम, लैंडस्केप गार्डन जैसी सुविधाएं शामिल हैं। हर्षित गोल्ड सिटी का स्थान भी अत्यधिक सुविधाजनक है, क्योंकि यह प्रमुख स्कूलों जैसे एनएच गोयल वर्ल्ड स्कूल, डीपीएस, कोलंबिया कॉलेज, अस्पतालों और अंबुजा मॉल के पास स्थित है।

सिपेट रायपुर में एसईसीएल बिलासपुर की ओर से प्रायोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

रायपुर। केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), रायपुर में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), बिलासपुर द्वारा प्रायोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह 17 जनवरी को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश के एसईसीएल खनन प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना था।

समारोह में प्रधान निदेशक एवं प्रमुख सिपेट, डॉ. आलोक साहू रायपुर ने सिपेट की शैक्षिक, कौशल विकास और तकनीकी सेवाओं के बारे में बताया। उन्होंने यह भी कहा कि सिपेट ने एसईसीएल के सहयोग से 6 महीने के मशीन ऑपरेटर प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग कोर्स के तहत युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया है। मुख्य अतिथि डॉ. रामकुमार प्रजापति ने कौशल विकास के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह भारत की औद्योगिक प्रगति में अहम योगदान देता है। समारोह के अंत में अतिथियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। साथ ही उन्हें मेसर्स सतीश इंजेक्टोप्लास्ट, पुणे, मेसर्स कंदुई इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड, पुणे और मेसर्स शिवालिक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, भिलाई में नियुक्ति के प्रस्ताव पत्र भी प्रदान किए गए।

रोजाना 50 रुपये की बचत भी आपको बना देगी करोड़पति

यह फॉर्मूला जानकर जल्द शुरू कर दें निवेश
महीने में 1500 रुपये बचाएं और एसआईपी में निवेश करे
हर स्कीम का रिटर्न लगभग अलग-अलग ही होता है
-कंपाउंड इंटरेस्ट की करोड़पति बनाने में अहम भूमिका

जानकारी
बिजनेस डेस्क

आजकल हर कोई करोड़पति बनना चाहता है। इसके लिए लगातार प्रयास भी किए जाते हैंए लेकिन कुछ नियमों को मानकर संयम के साथ निवेश किया जाए तो आसानी से बड़ा फंड बनाया जा सकता है। कई लोग कई स्कीम में निवेश करते हैं। हालांकि काफी प्रयास के बाद भी छोटी रकम निवेश करके बड़ा फंड नहीं बना पाते। और बनाते भी हैं तो बहुत लंबा समय लग जाता है। अगर आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो आप 50 रुपये रोजाना की बचत से दूसरी स्कीम के मुकाबले कम समय में करोड़पति बन सकते हैं। इसलिए आपको नियम और संयम के साथ रोजना 50 रुपये यानी महीने में करीब 1500 रुपये बचाने होंगे और निवेश करना होगा।

एसआईपी में निवेश काफी बढ़ रहा

निवेश के लिए काफी लोग तरह-तरह के विकल्पों का इस्तेमाल करते हैं। कोई एफडी में निवेश करता है तो कोई दूसरी किसी स्कीम में। हर स्कीम का रिटर्न लगभग अलग-अलग ही होता है। एक तरीका ऐसा भी है जिसमें आप 50 रुपये की बचत से करोड़पति बन सकते हैं। यह तरीका कोई और नहीं बल्कि एसआईपी है। आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करके मोटी रकम इकट्ठी कर सकते हैं। एसआईपी में निवेश लगातार बढ़ रहा है।

एसआईपी बना रहा रिकॉर्ड

सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) लगातार नए रेकॉर्ड बना रहा है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश अपने ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स (एएमएफआई) के डेटा के मुताबिक दिसंबर 2024 में म्यूचुअल फंड्स में एसआईपी इंफ्लो पहली बार 26459 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। नवंबर में यह 25320 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश दिसंबर में 41155 करोड़ रुपये रहा। इसमें महीने दर महीने 15 फीसदी का उछाल आया है।

लॉन्ग टर्म में फायदा ही फायदा

ऐसे कई म्यूचुअल फंड हैं जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। जानकार म्यूचुअल फंड में लॉन्ग टर्म के लिए निवेश की सलाह देते हैं। अगर आप इसमें निवेश करके बड़ा फंड इकट्ठा करना चाहते हैं तो कम से कम 3 या 5 साल के लिए निवेश करें। लॉन्ग टर्म में निवेश पर इसमें अच्छे रिटर्न की गारंटी मानी जाती है। कई म्यूचुअल फंड ने लॉन्ग टर्म में निवेश पर सालाना 15 से 20 फीसदी तक रिटर्न दिया है।

एसआईपी में ही निवेश क्यों

दरअसल काफी लोगों के पास निवेश करने के लिए एकमुश्त रकम नहीं होती। ऐसे में म्यूचुअल फंड में हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश की जा सकती है। आप इसमें रकम ऑनलाइन भी निवेश कर सकते हैं। अभी ऐसी कई स्कीम हें जिनमें 500 रुपये महीने से एसआईपी शुरू की जा सकती है। सेबी अब 250 रुपये की एसआईपी लाने पर विचार कर रही है।

क्या है करोड़पति बनने का फॉर्मूला

म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर इसमें कंपाउंड इंटरेस्ट (चक्रवृद्धि ब्याज) जुड़ता जाता है। इसी वजह से छोटी दिखने वाली रकम समय के साथ-साथ बड़ी होती जाती है। एक आप 50 रुपये रोज बचाते हैं तो महीने में 1500 रुपये जमा कर लेंगे। इन 1500 रुपये को हर महीने एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते जाएं। आपको ऐसा 30 साल तक करना होगा।

चक्रवृद्धि ब्याज का जादू देखें

30 साल में 1500 रुपये महीने से आप 5.40 लाख रुपये इकट्ठे कर लेंगे। अगर मान लें कि आपको इस निवेश पर सालाना 15 फीसदी का ब्याज मिला, तो 30 साल में ब्याज के 99.74 लाख रुपये इकट्ठे हो जाएंगे। ऐसे में आप 30 साल में 1500 रुपये महीने के निवेश से एक करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड इकट्ठा कर लेंगे।

*(**डिस्क्लेमर:** इस विश्लेषण में दिए गए सुझाव व्यक्तिगत विश्लेषकों या ब्रोकिंग कंपनियों के हैं, एनबीटी के नहीं। हम निवेशकों को सलाह देते हैं कि किसी भी निवेश का निर्णय लेने से पहले प्रमाणित विशेषज्ञों से परामर्श कर लें। क्योंकि शेयर बाजार की परिस्थितियां तेजी से बदल सकती हैं।)*

दस साल की नौकरी करने के बाद कितनी मिलती है पेंशन

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने सदस्यों के लिए कर्मचारी पेंशन योजना यानी एंप्लाइज पेंशन स्कीम (ईपीएस) चलाती है। इस योजना के तहत ईपीएफओ सदस्यों को उनके सेवा काल और वेतन के आधार पर एक समय के बाद मंथली पेंशन मिलती है. ईपीएफओ द्वारा एंप्लाइज पेंशन स्कीम (ईपीएस) की शुरूआत 16 नवंबर 1995 को की गई।

इसने एंप्लाइज फैमिली पेंशन स्कीम 1971 की जगह ली है। फैमिली पेंशन स्कीम में जहां सदस्य की मृत्यु पर ही परिवार को पेंशन मिलती थी। वहीं, एंप्लाइज पेंशन स्कीम में ईपीएफओ मेंबर को भी पेंशन देने का प्रावधान है। ईपीएफओ मेंबर के अलावा नई स्कीम में परिवार और नॉमिनी को भी पेंशन देने की व्यवस्था की गई है। नवंबर 1995 में शुरू हुई इस योजना का उद्धेश्य संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद नियमित आय प्रदान करना है। ईपीएस पेंशन पाने के लिए ईपीएफओ सदस्यों को कुछ शर्तों को पूरा करना होता है। कर्मचारी को कम से कम 10 साल की सेवा पूरी करनी होती है। पेंशन 58 साल की उम्र पूरी करने पर मिलती है।

आलोचना करने से पहले बीमा उद्योग की वास्तविकताओं को समझना जरूरी

सुझाव
तपन सिंघल

लाखों करोड़ों लोगों और उनके व्यवसायों को सुरक्षा प्रदान करने वाले बीमा उद्योग को अक्सर ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जो इसकी कोशिशों पर प्रश्नचिह्न लगाती रहती हैं। हाल के कुछ मीडिया रिपोर्ट्स ने फिर से आलोचनाओं का दौर शुरू कर दिया है। यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है कि क्या सनसनीखेज मुद्दों के बीच तर्क कहीं पीछे छूट जाता है? इन रिपोर्ट्स के बारे में बहुत कुछ कहा गया है, लेकिन अब समय आ गया है कि हम इस मुद्दे पर गहराई से विचार करें और वास्तविकता को समझें।

अनदेखी अच्छाई

आईआरडीएआई की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल सामान्य बीमा उद्योग ने 1.72 लाख करोड़ रुपये दावों का निपटारा किया। इसमें से इसने स्वास्थ्य बीमा के लिए 80,000 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया। इसके बावजूद जो लोग लाभान्वित होते हैं, वे शायद ही कभी खबरों में आते हैं। जबकि छिटपुट शिकायतें और अजीबोगरीब बुरे अनुभव पूरे उद्योग का चेहरा बन जाते हैं। इसके अलावा, बीमा उद्योग में दावा निपटान अनुपात 80% से अधिक है। 20% दावे धोखाधड़ी या अस्वीकार्यता के कारण खारिज किए जाते हैं।

सुरक्षा की कीमत

मान लीजिए कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा है और हम बीमा उद्योग को बंद करने का निर्णय लेते हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि इसके बिना क्या होगा? कुछ लोग तर्क देते हैं कि कोई व्यक्ति चाहे तो चिकित्सा खर्च के लिए अलग से बचत करके खुद बीमा कर सकते हैं। हालाँकि, इस पर विचार करें कि : नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में आउट-ऑफ-पॉकेट स्वास्थ्य खर्च वर्तमान में 60% है। बीमा के बिना, यह आंकड़ा 100% तक बढ़ जाएगा, जिससे परिवार पूरी तरह से आसमान छूती चिकित्सा की कीमतों पर निर्भर हो जाएंगे। जिन परिवारों के पास पर्याप्त बचत नहीं है, उनके लिए चिकित्सा बिल उन्हें गरीबी रेखा से नीचे धकेल देंगे। वर्तमान में, भारत की लगभग 7% आबादी स्वास्थ्य सेवा लागतों के कारण हर साल इस कड़वी वास्तविकता का सामना करती है।

दुर्घटना सुरक्षा

बीमा के सहारे चलने वाली दुर्घटना सुरक्षा की बदौलत फल-फूल रहा मोटर उद्योग लड़खड़ा जाएगा, क्योंकि लगभग 55 हजार करोड़ रुपये के क्लेम का भुगतान नहीं हो पाएगा। मोटर इंडस्ट्री आंशिक रूप से बीमा के सहारे मिलने वाली दुर्घटना सुरक्षा के कारण फलता-फूलता है। बीमा के बिना दुर्घटनाओं का वित्तीय बोझ पूरी तरह से वाहन मालिकों पर पड़ेगा, जिससे आर्थिक अस्थिरता बढ़ेगी और वाहनों की बिक्री में कमी आएगी। बीमा कंपनियां मोटर के थर्ड पार्टी क्लेम को कवर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो हमारे देश में अनिवार्य आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

30 नवंबर, 2024 तक आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबीपीएमजेवाई) के तहत लगभग 36 करोड़ लाभार्थियों का सत्यापन किया गया है। इसके अलावा, इस योजना के तहत 1.16 लाख करोड़ रुपये के 8.39 करोड़ अस्पताल में भर्ती होने की अनुमति दी गई है। सरकार की यह योजना लगभग 55 करोड़ लाभार्थियों को माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करती है, जो भारत की आबादी के आर्थिक रूप से कमजोर निचले 40 प्रतिशत 12.37 करोड़ परिवारों के बराबर है। बीमा उद्योग के सपोर्ट के बिना, यह योजना बीमा या हाइब्रिड मॉडल अपनाने वाले राज्यों में लागू या प्रभावी नहीं होगी। सरकार को यह सारा खर्च खुद वहन करना होगा। पीआईबी के अनुसार, 2023-24 के लिए स्वास्थ्य व्यय 5.85 लाख करोड़ रुपये है, जो जीडीपी का 1.9% है। यह 2017-18 में 2.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

प्राकृतिक आपदाएं

बाढ़, चक्रवात और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएँ राष्ट्रों पर कहर ढाती हैं, जिससे जान माल का भारी नुकसान होता है। बीमा एक महत्वपूर्ण रिकवरी तंत्र के रूप में कार्य करता है। बीमित व्यक्ति और वास्तविक नुकसान के बीच 90% से अधिक सुरक्षा का अंतर इस अंतर को पाटने की तत्काल आवश्यकता को दर्शाता करता है। खासकर तब जब चक्रवात, बाढ़ और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएं साल दर साल बढ़ती जा रही हैं। अकेले 2023 में, भारत में 17 प्राकृतिक आपदाएँ देखी गईं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

कृषि, जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, प्रकृति के आगे नतमस्तक रहती है। बीमा उद्योग की बदौलत, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी योजनाओं ने पिछले आठ वर्षों में 1.64 लाख करोड़ रुपये के दावों का वितरण किया है। इन भुगतानों ने किसानों को काफी वित्तीय राहत प्रदान कर संकट को कम किया है और साथ ही किसान आत्महत्याओं में कमी लाने में योगदान दिया है। सूखे, बाढ़ और बेमौसम बारिश से जुड़े जोखिमों को कम करके, बीमा यह सुनिश्चित करता है कि किसान देश की खाद्य सुरक्षा में योगदान देना जारी रख सकें।

कम शिकायत अनुपात वाला उद्योग

इन सब गलतफहमियों के बावजूद, बीमा उद्योग प्रभावशाली रूप से कम शिकायत अनुपात का दावा करता है, जो इसके मजबूत शिकायत समाधान सिस्टम को रेखांकित करता है। हाल के आंकड़ों की बात करें तो यह वित्त वर्ष 2023-24 में 2.96 अरब पॉलिसियों के सामने केवल 94,843 शिकायतों के साथ, बीमा उद्योग ने मात्र 0.003% शिकायत अनुपात हासिल किया। यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसकी बराबरी बहुत कम उद्योग कर सकते हैं।

धोखाधड़ी से लड़ना

एक अनसुनी लड़ाई: बीमा में धोखाधड़ी के क्लेम से उद्योग को सालाना अरबों का नुकसान होता है, लेकिन कोई भी इसके बारे में ज्यादा नहीं बोलता। पिछले पाँच वर्षों में, बीमा उद्योग ने लगभग 3.01 लाख संभावित धोखाधड़ी के मामलों का पता लगाया, जिसमें 1.73 लाख करोड़ रुपये की बीमित राशि शामिल थी। शोध के अनुसार, भारतीय सामान्य बीमा उद्योग को धोखाधड़ी के कारण सालाना लगभग 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता है, जो लगभग 30,000 करोड़ रुपये के बराबर है। फिर भी, लोग केवल क्लेम के खारिज होने की बात करते हैं और इसके मूल कारणों को अनदेखा कर देते हैं।

प्रॉफिट को लेकर मिथक

आम धारणा है कि बीमा कंपनियां बहुत ज़्यादा लाभ कमा रही हैं और ये केवल लाभ कमाने के लिए ही बाजार में मौजूद हैं। सबसे पहले, क्या बीमा कंपनियों के लिए प्रॉफिट इतनी बुरी चीज़ है? लाभ सुनिश्चित करता है कि बीमा कंपनियां भविष्य के फाइल की जा सकने वाली क्लेम का सम्मान कर सकें।

(लेखक बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस में जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के चेयरमैन, एमडी एवं सीईओ हैं।)

31 जनवरी को राष्ट्रपति का अभिभाषण, एक फरवरी को बजट होगा पेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

केंद्र सरकार संसद के आगामी बजट सत्र के दौरान वक्फ संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी में है। आगामी 31 जनवरी से 4 अप्रैल तक निर्धारित बजट सत्र, 31 जनवरी को लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन के साथ शुरू होगा।

इसके बाद, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी, को अपना लगातार आठवां केंद्रीय बजट पेश करेंगी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कार्यक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि राष्ट्रपति 31 जनवरी को सुबह 11 बजे लोकसभा कक्ष में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। केंद्रीय बजट 2025-26 आगामी 1 फरवरी को लोकसभा में पेश किया जाएगा।

संयुक्त संसदीय समिति वक्फ (संशोधन) विधेयक पर पेश करेगी अपनी रिपोर्ट

सबकुछ ठीक रहा तो बजट सत्र में पेश हो सकता है वक्फ संशोधन विधेयक

31 जनवरी से 13 फरवरी तक होगा पहला चरण

शीतकालीन सत्र में हुआ था विवाद

शीतकालीन सत्र के दौरान भाजपा और विपक्ष के सदस्यों के बीच हुए विवाद और संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन को लेकर दायर पुलिस शिकायतों के बाद बजट सत्र पर सबकी नजरें हैं। बजट सत्र के दौरान संयुक्त संसदीय समिति वक्फ (संशोधन) विधेयक पर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। यह समिति पहले ही शीतकालीन सत्र के दौरान अपनी अवधि बढ़ा चुकी थी।

शीतकालीन सत्र के दौरान भाजपा और विपक्ष के सदस्यों के बीच हुआ था विवाद, फिर रहेगी नजर

वक्फ विधेयक पर मेघवाल ने कहा

गौरतलब है कि कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने हाल ही में कहा था कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर काम अच्छी गति से चल रहा है और जल्द ही सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। वर्तमान में यह विधेयक संयुक्त संसदीय समिति के पास है। वक्फ विधेयक पर एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने एक 'बड़ा फैसला' लिया और विधेयक लाई, जिसे केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पारित कर दिया। उन्होंने कहा कि जब विधेयक पेश किया गया तो मांग उठी कि इसे एक समिति के पास जाना चाहिए, इसलिए जेपीसी का गठन किया गया। बैठकें हो रही हैं, फील्ड विजिट भी हो चुकी है और काम अच्छी गति से चल रहा है।

बजट पर चर्चा को संबोधित करेंगी सीतारमण

पहला चरण 31 जनवरी से 13 फरवरी तक होगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देंगे और सीतारमण बजट पर चर्चा को संबोधित करेंगी। मंत्रालय की अनुदान मांगों पर विचार-विमर्श करने और बजट प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए संसद 10 मार्च को फिर से बैठेगी। सत्र, जिसमें 27 बैठकें शामिल हैं, 4 अप्रैल, 2025 को समाप्त होने वाला है। इस सत्र के दौरान वक्फ संशोधन विधेयक की प्रत्याशित शुरूआत प्रमुख विधायी सुधारों पर सरकार के फोकस को उजागर करती है।

खबर संक्षेप

चुनाव आयोग समझौतावादी हो गया : सिसोदिया

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। इलेक्शन लिए करीब 1500 से ज्यादा उम्मीदवार मैदान में हैं। इसी बीच वरिष्ठ आप नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन पर आंखें मूंद ली हैं। एक इंटरव्यू में सिसोदिया ने उन आरोपों का हवाला दिया कि बीजेपी के नई दिल्ली के उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने सफाई कर्मचारियों को जूते और निर्वाचन क्षेत्र की महिलाओं को साड़ियां और 1,100 रुपये बांटे।

'ला पेरोस' युद्धाभ्यास भारत का प्रतिनिधित्व करेगा मुंबई युद्धपोत

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली। वैश्विक सुरक्षा खतरों और हिंद-प्रशांत महासागर के इलाके में बढ़ते चीन के तल्ख तेवरों के बीच आयोजित किए जा रहे 'ला पेरोस-2025' बहुपक्षीय युद्धाभ्यास में नौसेना का स्वदेशी डिस्ट्रॉयर मुंबई भारत का नेतृत्व करेगा। इसी क्रम में यह इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पहुंच गया है। नौसेना ने शनिवार को बताया कि मुंबई युद्धपोत वर्तमान में दक्षिण-पूर्वी महासागर क्षेत्र की रणनीतिक तैनाती पर है। इसी के तहत यह युद्धाभ्यास में भी भाग लेगा।

साइबर अपराध भारत और अमेरिका के बीच समझौता

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली। साइबर खतरों और अपराधों की जांच में सहयोग बढ़ाने के लिए भारत और अमेरिका ने वाशिंगटन डीसी में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। देश में इसका क्रियान्वयन गृह मंत्रालय के अधीन आने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) द्वारा किया जाएगा। अमेरिका में डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी और उससे जुड़ी हुई विभिन्न एजेंसियों जैसे यूएस इमीग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट और द होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन साइबर क्राइम सेंटर (सी3) समझौते के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेंगे।

दिल्ली में अगले महीने होना है विधानसभा चुनाव

आप संयोजक केजरीवाल ने की बड़ी घोषणा

दिल्ली में किराएदारों को भी मिलेगा मुफ्त बिजली-पानी

दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि अब दिल्ली में किराएदारों को भी मुफ्त बिजली और पानी का लाभ मिलेगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर हमारी सरकार बनती है तो हम ऐसी योजना लाएंगे, जिससे किराएदारों को भी मुफ्त बिजली और पानी मिलेगा।

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

केजरीवाल ने कहा कि इस योजना से पूर्वांचली लोगों को काफी लाभ होगा। केजरीवाल ने कहा, 'मैं जहां भी जाता हूं तो किराएदार मुझे घेर लेते हैं और कहते हैं कि आपने अच्छे स्कूल बनवाए, उसका लाभ हमें मिल रहा है। आपकी फ्री बस सेवा का लाभ मिल रहा है लेकिन बिजली और पानी का लाभ नहीं मिल रहा है। दिल्ली के लोगों को 200 यूनिट तक फ्री बिजली और 400 यूनिट तक हाफ बिजली का फायदा मिलता है।

- बिजली-पानी, फ्री बस सेवा के बाद आप सरकार ने किया एक और बड़ा ऐलान

जबकि 20,000 लीटर पानी मुफ्त है। लेकिन दुख की बात है कि किराएदारों को नहीं मिलता है। ऐसे में मैं ऐलान करता हूं कि सरकार बनने पर किराएदारों को भी यह मुफ्त मिलेगा।'

भाजपा डरी हुई है इसलिए रोकी अनब्रेकेबल की स्क्रीनिंग

'बीजेपी ने रुकवाई डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग'

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल पर पार्टी ने डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई है। इसका नाम अनब्रेकेबल है। हालांकि इसकी स्क्रीनिंग होने वाली थी लेकिन पुलिस ने इस पर रोक लगा दी है। केजरीवाल ने डॉक्यूमेंट्री पर रोक के बाद दावा किया कि बीजेपी ने इसकी स्क्रीनिंग रुकवा दी है। केजरीवाल ने कहा, 'किससे परमिशन लेनी होती है। ये कोई प्रचार का मामला थोड़ी था। दिल्ली पुलिस ने इसकी स्क्रीनिंग रोक दी और यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था। यह पत्रकारों के लिए स्क्रीनिंग थी। स्क्रीनिंग अवैध तरीके से रोक दी गई क्योंकि बीजेपी डरी हुई है।

यह दिशानिर्देशों का उल्लंघन होगा- दिल्ली पुलिस

वहीं डॉक्यूमेंट्री पर रोक को लेकर दिल्ली पुलिस ने कहा कि राजनीतिक दलों को नियम से काम करना चाहिए। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा, 'आयोजन के लिए ऐसी कोई अनुमति नहीं ली गई थी और इसलिए यह दिशानिर्देशों का उल्लंघन होगा। हम सभी दलों से आग्रह करते हैं कि वे इस समय चुनाव नियमों और विनियमों का पालन करें। चुनाव की घोषणा हो जाने के कारण राजनीतिक दलों को अनुमति के लिए डीईओ कार्यालय में सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से आवेदन करना होगा। चुनाव के दौरान यह एक मानक प्रक्रिया है।'

केजरीवाल के नामांकन पर बीजेपी ने उठाए चार सवाल

केजरीवाल के नामांकन पर भारतीय जनता पार्टी ने सवाल खड़े किए हैं। भाजपा का आरोप है कि केजरीवाल ने नामांकन पत्र में एफआईआर लेकर आय तक छिपाई है। भाजपा ने केजरीवाल के नामांकन को लेकर चार सवाल खड़े किए हैं। रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष यह आपत्ति बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश साहिब सिंह वर्मा की तरफ से दर्ज कराई गई है। बीजेपी प्रत्याशी प्रवेश वर्मा के अधिकृत प्रतिनिधि संकेत गुप्ता ने दावा किया कि केजरीवाल ने जो हलफनामा जमा किया है, उसमें कई जानकारियों को छिपाया गया है।

ये हैं चार सवाल

- सवाल 1: अरविंद केजरीवाल पर चार एफआईआर दर्ज हैं। उन्होंने यह जानकारी छुपाई है।
- सावल 2: अरविंद केजरीवाल का तीन जगह लाइव वोट है।
- सवाल 3: अरविंद केजरीवाल ने अपनी आय को छिपाया है।
- सावल 4: केजरीवाल ने जिस नंबर से एनरोल किया है, वो नंबर ही नहीं है।

ईरान में वारदात, हमलावर ने किया सुसाइड

सुप्रीम कोर्ट में गोलीबारी 2 जजों की निर्मम हत्या

एजेंसी ▸▸ तेहरान

ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार को ईरान के सुप्रीम कोर्ट में एक शख्स ने गोलीबारी की। इस हमले में 2 जजों की मौत हो गई। दोनों जज नेशनल सिक्योरिटी, आतंकवाद, जासूसी के मामलों की सुनवाई कर रहे थे। इस दौरान जजों को उनके कमरों में घुसकर मारा गया, दोनों पर गोली चलाने के बाद हमलावर ने सुसाइड भी कर लिया।

पूरी घटना में एक और जज व एक बॉडीगार्ड भी घायल हुआ है। जानकारी के मुताबिक, यह हमला स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजकर 45 मिनट पर हुआ। सुप्रीम कोर्ट के जिन जजों को निशाना बनाया गया, उनकी पहचान अली रजिनी और मोघीसेह के तौर पर हुई है। कोर्ट प्रवक्ता असगर जहांगीर ने बताया,ये ईरानी न्यायपालिका के वरिष्ठ जजों में शामिल थे। हमले के मकसद का पता नहीं, पुलिस ने जांच शुरू की रिपोर्ट्स के मुताबिक हमलावर जस्टिस डिपार्टमेंट का ही कर्मचारी था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ज्यादा फांसी की सजा सुनाए जाने के चलते दोनों जजों को हैंगमैन कहा जाता था।

पहले भी हुई थी हत्या की कोशिश

अधिकारियों ने कहा है कि हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए जांच शुरू हो गई है। रजिनी की 1988 में भी हत्या की कोशिश की गई थी। उस दौरान उनकी बाइक में मैग्नेटिक बम लगाया गया था। वहीं, अमेरिकी ट्रेजरी डिपार्टमेंट के मुताबिक दूसरे जज मोघिसेह पर अमेरिका ने 2019 में बैन लगा दिया था। दुनियाभर में सबसे ज्यादा फांसी देने वाला देश ईरान ईरान दुनिया में सबसे ज्यादा फांसी की सजा देने वाले देशों में से एक है। ईरान में 2024 में 901 लोगों को मौत की सजा दी गई। इनमें 31 महिलाएं भी शामिल हैं। पिछले साल दिसंबर महीने के एक हफ्ते में 40 लोगों को मौत की सजा सुनाई गई थी।

मृतक जज ज्यादा फांसी की सजा सुनाने के चलते कहलाते थे हैंगमैन

ईरान में 9 साल की बच्चियों की भी दी जाती है फांसी

यूएन ह्यूमन राइट्स के मुताबिक पिछले साल जिन लोगों को फांसी दी गई, उनमें सबसे ज्यादा नशीली दवाओं और 2022 में महसा अमीनी की मौत के बाद देशभर में हुए प्रदर्शन से जुड़े थे। ईरान में 9 साल की बच्चियों को भी फांसी दी जाती है। नाबालिगों को मौत की सजा न देने के यूनाईटेड नेशन कन्वेंशन को साइन करने के बावजूद ईरान उन टॉप देशों में शामिल है, जहां सबसे ज्यादा फांसी की सजा दी जाती है। एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक ईरान में 9 साल की उम्र पार करने के बाद लड़कियों को मौत की सजा दी सकती है। लड़कों के लिए ये उम्र 15 है। साल 2005 से 2015 के बीच लगभग 73 बच्चों को मौत की सजा दी जा चुकी है। फांसी के तख्त पर पहुंचने से पहले ईरान का हर युवा जिसे मौत की सजा सुनाई गई है वो औसतन सात साल जेल में गुजारता है। कई मामलों में तो यह 10 साल भी है।

गुड़िया हत्याकांड : आईजी सहित आठ पुलिसकर्मी दोषी करार

एजेंसी ▸▸ शिमला

वर्ष 2017 में शिमला जिले के कोटखाई में गुड़िया दुष्कर्म व हत्याकांड के मामले में गिरफ्तार आरोपी सूरज की पुलिस हिरासत में हत्या के मामले में सीबीआई कोर्ट ने आठ आरोपियों को दोषी करार दिया है। दोषी करार देने के बाद पुलिस ने हिमाचल प्रदेश के आईपीएस आईजी जहूद हैदर जैदी, दीप चंद शर्मा, मोहन लाल, सूरत सिंह, मनोज जोशी, राजिंद्री सिंह, रफी मोहम्मद व रंजीत सतेता को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। जबकि गवाहों के बयान व सुबूतों के अभाव में नामजद हिमाचल के एसपी डंडूब वांगियाल नेगी को बरी कर दिया गया है। सभी दोषी आरोपियों को 27 जनवरी को सजा जाएगी।

चंडीगढ़ सीबीआई कोर्ट का फैसला

सीबीआई को सौंप दिया गया मामला

मामले जांच के लिए शिमला के तत्कालीन आईजी सैयद जहूर हैदर जैदी की अध्यक्षता में एसआईटी गठित की थी जिसने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें से एक नेपाली युवक सूरज की कोटखाई थाने में पुलिस हिरासत के दौरान मौत हो गई थी। मौत का यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया और जांच में खुलासा हुआ कि सूरज की मौत पुलिस प्रताड़ना के कारण हुई थी। इसी आधार पर सीबीआई ने आईजी जैदी सहित मामले से जुड़े नौ अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ हत्या की धारा 302, सुबूत खुर्द-बुर्द करने की धारा 201 सहित अन्य कई संगीन धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। वर्ष 2017 में इस मामले को शिमला जिला अदालत से चंडीगढ़ सीबीआई अदालत में ट्रांसफर कर दिया गया था।

इजराइल कैबिनेट ने हमास से सीजफायर को दी मंजूरी

आज से शुरू होगा सीजफायर 33 बंधकों को रिहा करेगा हमास

एजेंसी ▸▸ तेल अवीव

इजराइल की कैबिनेट ने शनिवार, यानी आज हमास के साथ सीजफायर डील को मंजूरी दे दी है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक यह युद्ध विराम रविवार से लागू होगा। इजराइली मंत्रियों ने समझौते के पक्ष में 24-8 मतों से मतदान किया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस ने शनिवार सुबह बयान जारी कर कहा सरकार ने बंधक वापसी की योजना को मंजूरी दे दी है। ये डील 3 फेज में पूरी होगी। पहले फेज में हमास इजराइल से किडनैप किए गए 33 बंधकों को रिहा करेगा। साथ ही इजराइली सेना गाजा की सीमा से 700 मीटर पीछे लौटेगी। इजराइल में न्याय मंत्रालय ने भी

95 फिलिस्तीनी कैदियों की लिस्ट जारी की है, जिन्हें रविवार को रिहा किया जाएगा। इनमें 69 महिलाएं, 16 पुरुष और 10 नाबालिग शामिल हैं। इजराइल 700 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इनके नाम की लिस्ट भी जारी की गई है। इस लिस्ट में शामिल कई लोग हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं, जिनमें हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद सदस्य भी शामिल हैं।

ये है मामला

बता दें कि हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल में घुसकर 1200 लोगों को मार डाला था और 251 को बंधक बना लिया था। इसके कुछ घंटे बाद इजराइली सेना ने गाजा पर हमला बोल दिया था। तीन फेज में पूरी होगी सीजफायर डील 15 जनवरी को जो बाइडेन ने कहा कि यह डील 19 जनवरी, यानी रविवार से तीन फेज में शुरू होगी। इसमें 42 दिन तक बंधकों की अदला बदली की जाएगी।

पहला फेज

19 जनवरी से 1 मार्च तक गाजा में पूरी तरह से युद्धविराम रहेगा। हमास 33 इजराइली बंधकों को रिहा करेगा। इजराइल रोजाना अपने एक बंधक के बदले 33 फिलिस्तीनी बंदियों को रिहा करेगा। हर एक इजराइली महिला सैनिक के बदले 50 फिलिस्तीनी बंदियों को रिहाई मिलेगी।

दूसरा फेज

अगर पहले फेज के 16वें दिन, यानी 3 फरवरी तक सब कुछ ठीक रहा, तो दूसरे फेज की योजना पर बातचीत शुरू हो जाएगी। इस दौरान कोई भी हमला नहीं किया जाएगा। जिंदा बचे हुए बाकी बंधकों को रिहा किया जाएगा। इजराइल 1 हजार फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा, इनमें लगभग 190 कैदी 15 साल से ज्यादा समय से सजा काट रहे हैं।

तीसरा फेज

इस डील के आखिरी फेज में गाजा को दोबारा बसाया जाएगा। इसमें 3 से 5 साल का समय लगेगा। हमास के कब्जे में मारे गए बंधकों के शव भी इजराइल को सौंपे जाएंगे।

'पाकिस्तान एक ऐसा कैंसर है, जो खुद अपने समाज को नुकसान पहुंचा रहा'

हरिभूमि न्यूज ▸▸ मुंबई

मुंबई में आयोजित 19वें नानी ए. पी. पालखीवाला स्मृति व्याख्यान के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने पाकिस्तान पर तीखा प्रहार किया है। डॉ. जयशंकर कहा कि पाकिस्तान एक ऐसा कैंसर है जो खुद अपने समाज को नुकसान पहुंचा रहा है।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पाकिस्तान की सीमा-पार आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली नीतियां अब उसके अपने राजनीतिक तंत्र को भी प्रभावित कर रही हैं। पाकिस्तान हमारे पड़ोस में एक अपवाद है। उसकी आतंकवाद को समर्थन देने वाली नीतियां अब उसके खुद के लिए घातक बन चुकी हैं। पूरे उपमहाद्वीप की साझा रुचि है कि पाकिस्तान अपनी इस सोच से तौबा करे।

विदेश मंत्री जयशंकर के तल्ख तेवर

भारत 'विश्वबंधु' यानी सबका मित्र

डॉ. जयशंकर ने भारत को 'विश्वबंधु' यानी सबका मित्र और वैश्विक मंच पर एक भरोसेमंद भागीदार बताया। उन्होंने कहा कि भारत की कूटनीति का उद्देश्य अधिक से अधिक दोस्ती करना और समस्याओं को कम करना है। हालांकि, यह सब भारत के राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। जयशंकर ने क्षेत्रीय और मध्यम शक्ति वाले देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने पर बल दिया।

भोपाल में ट्रेन की चपेट में आने से 11वीं के छात्र की मौत

ऑनलाइन गेमिंग का टास्क पूरा करने की लत ने ली छात्र की जान! पुलिस ने मोबाइल जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा

परिजन बोले अधिकतर समय मोबाइल पर खेलता था ऑनलाइन गेम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित भानपुर ब्रिज पर शुक्रवार रात 11वीं के छात्र की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्र का शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया था। बताया जा रहा है कि पब्जी में वह टास्क पूरा करने रेलवे ट्रैक पर पहुंचा था।

पुलिस ने मृत्युंजय का मोबाइल जब्त किया है। मोबाइल फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। फॉरेंसिक की रिपोर्ट मिलने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। परिजन ने बताया कि उनका बेटा ऑनलाइन गेम पब्जी खेलने का शौकीन था। छात्र ने आत्महत्या की या फिर वह हादसे का शिकार हुआ पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने छात्र का मोबाइल जब्त किया है। पुलिस के अनुसार मृत्युंजय शर्मा पिता क्षमा शंकर शर्मा (16) भानपुर मल्टी, छोला मंदिर में रहता था और 11वीं कक्षा का छात्र था।

मृत्युंजय

आत्महत्या या हादसा पुलिस कर रही जांच

फ्री फायर जैसे गेम्स खेलने में बिताता था समय

ऑनलाइन गेमिंग की आदत मृतक के मामा मनोज शर्मा ने बताया कि मृत्युंजय ऑनलाइन गेम्स खेलने का शौक रखते थे और वह अक्सर अपना समय मोबाइल फोन पर फ्री फायर जैसे गेम्स खेलने में बिताते थे। मामा के अनुसार, वह ज्यादातर समय मोबाइल में व्यस्त रहता था। परिजनों का मानना है कि संभव है कि किसी टास्क को पूरा करने के चक्कर में वह ट्रेन की चपेट में आ गया।

उसके पिता क्षमा शंकर आटो चलाते हैं। मृत्युंजय उनका बड़ा बेटा था, जबकि छोटी बेटी है। परिजन ने बताया कि मृत्युंजय शुक्रवार रात मल्टी के आसपास ही खेल रहा था। इसके बाद वह रहस्यमय तरीके से लापता हो गया। इधर रात करीब दस बजे पुलिस को सूचना मिली कि भानपुर ब्रिज के नीचे रेलवे ट्रैक पर किसी बच्चे का शव पड़ा हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन घटनास्थल से ऐसा कुछ भी नहीं मिला, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की तो एक सफाईकर्मी ने पुलिस को बताया कि वह भानपुर मल्टी में साफ-सफाई करने जाता है। वहां उसने इस बच्चे को देखा है। पुलिस की टीम भानपुर मल्टी पहुंची और परिजन से संपर्क किया। पुलिस ने देर रात मृत्युंजय का शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया था। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी गर्दन धड़ से अलग हो गई थी, जबकि दोनों पैर टूट गए थे। उसने आत्महत्या की या फिर वह हादसे का शिकार हुआ पुलिस जांच कर रही है।

आधुनिक तकनीकों से सीमा पर रोकेंगे अपराध और घुसपैठ

कोलकाता। भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शुक्रवार को कोलकाता में पूर्वी कमान मुख्यालय में फील्ड कमांडरों का सम्मेलन आयोजित किया। बैठक में बीएसएफ के छह फ्रंटियर्स- दक्षिण बंगाल, उत्तर बंगाल, गुवाहाटी, मेघालय, मिजोरम एवं कछार, और त्रिपुरा के महानिरीक्षक और अन्य अधिकारी शामिल हुए। सम्मेलन में बीएसएफ के अतिरिक्त महानिदेशक (पूर्वी कमान) ने सीमा पर तैनात कर्मियों की मेहनत और समर्पण की प्रशंसा की। बैठक में सीमा सुरक्षा को और मजबूत करने पर चर्चा की गई। इसमें आधुनिक तकनीकों के उपयोग, सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को सुधारने और सीमा पर अपराध और घुसपैठ को रोकने के उपायों पर जोर दिया गया। इसके अलावा, सीमावर्ती इलाकों की आबादी के साथ बेहतर तालमेल बनाने की जरूरत पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

3 ओपनर, 2 विकेट कीपर और 4 ऑलराउंडर...चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार भारतीय टीम

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय क्रिकेट टीम का स्क्वॉड का ऐलान हो गया है। भारतीय टीम को देखी जाए तो तीन ओपनर, 2 विकेटकीपर, 4 ऑलराउंडर, 1 स्पेशलिस्ट स्पिनर और 3 पेसर को मौका मिला है। वहीं चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने कहा कि घरेलू क्रिकेट में रन बरसाने वाले करुण नायर पर चर्चा हुई, लेकिन अभी फिलहाल उनकी टीम में जगह नहीं बन रही है।

चैंपियंस ट्रॉफी इस बार 'हाइब्रिड मॉडल के तहत पाकिस्तान और दुबई में खेला जाना है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 19 फरवरी को मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होगा। जबकि भारतीय टीम अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी।

टीम कॉम्बिनेशन

ओपनर (3) : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल
बल्लेबाज (2) : विराट कोहली, श्रेयस अय्यर
विकेटकीपर (2) : केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर)
ऑलराउंडर (4) : हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर
स्पनिर (1) : कुलदीप यादव
पेसर (3) : जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह,
- चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप
ग्रुप ए - पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश
ग्रुप बी - दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड

नायर-सैमसन नजरअंदाज, सिराज बाहर

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम से संजू सैमसन और मोहम्मद सिराज को बाहर कर दिया गया। वहीं विजय हजारे ट्रॉफी में रन बरसाने वाले करुण नायर को भी एक बार और मायूस होना पड़ा। ऐसे में सवाल उठता है कि ये तीनों ही खिलाड़ी चैंपियंस ट्रॉफी से क्यों बाहर हो गए। टीम का ऐलान के बाद चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- यह मुश्किल था, नायर वाकई खास प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका विजय हजारे ट्रॉफी में औसत 700 से ज्यादा है। हमने इस बारे में बात की। फिलहाल इस टीम में उनकी जगह बनाना वाकई मुश्किल है। प्रेस कॉन्फ्रेस में रोहित शर्मा कहा- सिराज जब नई गेंद से गेंदबाजी नहीं करता है तो उसकी इफेक्टविनेस कम हो जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसे टीम से बाहर होना पड़ा। भारतीय टीम में स्पेशलस्टि विकेटकीपर के तौर पर केएल राहुल और ऋषभ पंत को मौका मिला; ऐसे में संजू सैमसन पर चर्चा नहीं हुई।

खबर संक्षेप

स्वियाटेक की ऑस्ट्रेलियन ओपन में आसान जीत

मेलबर्न। विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने बेहतरीन खेल का नजारा पेश करके ब्रिटेन की एम्मा राडुकानु पर आसान जीत दर्ज की। गाएल मोनफिल्स ने 38 साल की उम्र में भी अपना दमदार खेल दिखाते हुए शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह बनाई। स्वियातेक ने मैच के अंतिम 11 गेम जीतकर अमेरिकी ओपन में 2021 की चैंपियन राडुकानु को 6-1, 6-0 से हराया।

विश्व कप : भारतीय टीमों ने फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारतीय महिला और पुरुष टीम ने शनिवार को यहां अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए खोखो विश्व कप में अपने प्रतिद्वंद्वी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। महिला टीम ने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 66-16 से जबकि पुरुष टीम ने भी दक्षिण अफ्रीका को 62-42 से शिकस्त देकर टूर्नामेंट के पहले चरण की खिताबी भिड़ंत में जगह बनाई। अब दोनों पुरुष और महिला टीमें फाइनल में नेपाल से भिड़ेंगी। नेपाल की महिला टीम ने सेमीफाइनल में यूगांडा को 89-18 से हराया।

विदर्भ को फाइनल में 36 रनों से मिली हार

कर्नाटक ने 5वीं बार जीती विजय हजारे ट्रॉफी, रविचंद्रन का शतक

एजेंसी ▶▶| वडोदरा

ध्रुव शोरे ने लगातार तीसरा शतक जड़ा लेकिन कर्नाटक ने स्मरण रविचंद्रन की कलात्मक शतकीय पारी की मदद से शनिवार को यहां एक बड़े स्कोर वाले फाइनल में विदर्भ को 36 रनों से हराकर पांचवीं बार विजय हजारे ट्रॉफी खिताब जीता। कर्नाटक की टीम पांचवीं बार इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंची थी। टीम हर बार खिताबी मुकाबले को जीतने में सफल रही है।

वामहस्त बल्लेबाज स्मरण की 92 गेंद में 101 की पारी खेलने के अलावा चौथे विकेट के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कृष्णन श्रीजीत (78 रन) के साथ 160 और पांचवें विकेट के लिए अभिनव मनोहर (79 रन) के साथ 106 की आक्रामक साझेदारी कर कर्नाटक को 50 ओवर में छह विकेट पर 348 रन तक पहुंचा दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए शोरे की 110 और आखिरी ओवरों में हर्ष दुबे की 30 गेंद में 63 रन की पारी के बावजूद कर्नाटक की टीम 48.2 ओवर में 312 रन पर आउट हो गई।

नायर 27 रन पर आउट

क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में शतक लगाने वाले शोरे को दूसरे छोर से अच्छा साथ नहीं मिला। प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर करुण नायर (27) के आउट होने के बाद विदर्भ का मध्यक्रम दबाव में आ गया। विदर्भ की टीम बिना कोई मैच गंवाए फाइनल में पहुंची थी और टूर्नामेंट में उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की बड़ी पारियों के कारण मध्यक्रम को बल्लेबाजी का ज्यादा मौका नहीं मिल सका था।

8 पारी में बनाए 779 रन

भारत के वनडे टीम में जगह के लिए 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' करुण के नाम पर चयनकर्ताओं के बीच गंभीर चर्चा हुई थी। उन्होंने इस टूर्नामेंट में आठ पारी में 389.5 की औसत से 779 रन बनाए। शोरे ने एक छोर से कुछ शानदार चौके लगाते हुए नायर के साथ 56 और अनुभवी जितेश शर्मा (34) के साथ 62 रन की साझेदारी की। विदर्भ की टीम हालांकि बीच के ओवरों में ज्यादा बाउंड्री नहीं लगा सकी जिससे दबाव बढ़ता गया।

वासुकी के नाम 3 विकेट

कर्नाटक के मध्यम गति के गेंदबाज वासुकी कौशिक ने इस बड़े स्कोर वाले मैच में 10 ओवर में 47 रन पर तीन विकेट झटक कर प्रभावित किया। अभिलाष शेट्टी ने 9.2 ओवर में 58 रन देकर तीन विकेट लिये। जबकि प्रसिद्ध ने भी तीन विकेट लिये लेकिन उन्होंने 10 ओवर में 84 रन लुटाए।

क्रिकेट

रोहित मुंबई की तरफ से खेलेंगे अगला रणजी मैच

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ मुंबई के अगले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए अपनी उपलब्धता की शनिवार को पुष्टि की। रोहित ने घरेलू मैचों में स्टार खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के व्यस्त कार्यक्रम से खिलाड़ियों के लिए समय निकालना मुश्किल है। रोहित ने यह भी कहा कि कोई भी खिलाड़ी शीर्ष घरेलू प्रतियोगिता को हल्के में नहीं लेता है।

कोहली ने बाहर रहने का फैसला किया

भारतीय टीम के मेगास्टार विराट कोहली ने संकेत दिया कि गर्दन में हल्की चोट के कारण वह राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली के मैच में नहीं खेल पाएंगे। दिल्ली चयन समिति ने शुरू में 22 सदस्यीय संभावित टीम चुनी थी और कोहली की भागीदारी उपलब्धता पर निर्भर थी। डीडीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, 'कोहली को सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट के दौरान गर्दन में हल्की चोट के कारण आराम करने की सलाह दी गई है। वह सौराष्ट्र के मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं। दिल्ली का आखिरी लीग मैच रेलवे के खिलाफ है, हम अभी इसके बारे में निश्चित नहीं हैं।'

पंजाब के खिलाफ मैच से बाहर हो सकते हैं राहुल

बेंगलुरु। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल कोहनी की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह गुरुवार से यहां पंजाब के खिलाफ शुरू होने वाले कर्नाटक के रणजी ट्रॉफी मैच से बाहर हो सकते हैं। पता चला है कि राहुल ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड के चिकित्सा दल को इस मुद्दे पर अपनी चिंता से अवगत कराया है और वे फिलहाल उनकी निगरानी कर रहे हैं। राहुल हालांकि 30 जनवरी से हरियाणा के खिलाफ शुरू होने वाले रणजी मैच में खेल सकते हैं। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ पंजाब के खिलाफ मैच के लिए एक या दो दिन में टीम की घोषणा कर सकता है।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप

बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया ने किया जीता से आगाज

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के बारिश से प्रभावित शुरुआती दिन जीत हासिल की। दक्षिण अफ्रीका ने अहम मैच में न्यूजीलैंड को हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया जबकि बांग्लादेश ने कम स्कोर वाले मैच में नेपाल को पांच विकेट से हराया।

काओइमहे ब्रे ने सिर्फ एक रन खर्च कर तीन विकेट झटके जिससे ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को आसानी से हराया। बांग्लादेश ने ग्रुप डी के मैच में नेपाल को 18.2 ओवर में 52 रन पर आउट करने के बाद 13.2 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने भी 11 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन सादिया इस्लाम (16) और कप्तान सुमैया अख्तर (12) ने विकेटों के पतन को रोककर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। दक्षिण अफ्रीका ने बारिश से प्रभावित ग्रुप सी के 11 ओवर के मैच में न्यूजीलैंड पर 22 रन की जीत दर्ज की। टीम ने सात विकेट पर 91 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड को पांच विकेट पर 69 रन पर रोक दिया।

15 साल की ब्रे ने झटके तीन विकेट

ऑस्ट्रेलिया ने 15 साल की ब्रे की शानदार गेंदबाजी से ग्रुप डी के मैच में स्कॉटलैंड को 48 रन पर आउट करने के बाद 6.4 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। ब्रे ने 3.1 ओवर में एक रन खर्च कर तीन विकेट चटकाए। इंग्लैंड ने ग्रुप बी के मैच में आयरलैंड के खिलाफ सात विकेट पर 144 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। आयरलैंड की पारी के चौथे ओवर में बारिश के खलल के कारण मैच रद्द हो गया। बारिश के खलल से पहले आयरलैंड ने 3.5 ओवर में दो विकेट पर 28 रन बना लिए थे। टी20 में परिणाम के लिए दूसरी पारी में पांच ओवर का खेल जरूरी है ऐसे में महज सात गेंद के कारण इस मैच का परिणाम नहीं निकल सका।

अंकिता ने जीता सत्र का पहला युगल खिताब...

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना ने शनिवार को यहां ब्रिटिश जोड़ीदार नैखटा बैंस के साथ आईटीएफ डब्लू50 स्पर्धा की चैंपियन बनने के साथ ही नौ महीने में अपना पहला युगल खिताब जीता। गैर वरीयता प्राप्त भारतीय-ब्रिटिश जोड़ी ने डीएलटीए परिसर में हुए फाइनल मुकाबले में चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिका की जेसी एनी और जेसिका फेला की जोड़ी को एक घंटे 42 मिनट तक चले मैच में 6-4, 3-6, 10-8 से हराया।

कोलकाता पहुंची भारत और इंग्लैंड की टीमें

कोलकाता। विश्व चैंपियन भारतीय टीम और यहां दौरे पर आई इंग्लैंड टीम बुधवार को होने वाले पहले टी20 मैच के लिए यहां पहुंच गई। ऐतिहासिक ईडन गार्डंस पर तीन साल बाद पहला टी20 मैच हो रहा है। दोनों टीमों के बीच पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। एसए 20 खेलकर आए इंग्लैंड के हरफनमौला लियाम लिविंगस्टान सबसे पहले पहुंचे जो दक्षिण अफ्रीका से सीधे आए थे।

सात्विक-चिराग की हार से भारतीय अभियान खत्म

नई दिल्ली। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी का अभियान शनिवार को यहां इंडिया ओपन सुपर 750 में मलेशिया के गोह सेज फेई और नूर इज्जुद्दीन से सीधे गेम में हारने के बाद सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। भारतीय जोड़ी को दुनिया की तीसरे नंबर की मलेशियाई जोड़ी ने मात्र 37 मिनट में 18-21, 14-21 से हरा दिया। हार के बाद चिराग ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें पहला गेम जीतना चाहिए था लेकिन उन्हें श्रेय जाता है क्योंकि उनकी सर्विस बहुत अच्छी थी जिसकी हमें उम्मीद नहीं थी। शायद हमने इसके लिए तैयारी नहीं की थी।

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

बांठिया हॉस्पिटल
राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

मान. बृजमोहन अग्रवाल
सांसद
मान. रामविचार नेताम
केबिनेट मंत्री
मान. केदार कश्यप
केबिनेट मंत्री
मान. ओ.पी. चौधरी
केबिनेट मंत्री
मान. टंकराम वर्मा
केबिनेट मंत्री
मान. दयाल दास बघेल
केबिनेट मंत्री
मान. श्याम जायसवाल
केबिनेट मंत्री
मान. लक्ष्मी राजवाड़े
केबिनेट मंत्री
मान. लखनलाल देवांगन
केबिनेट मंत्री
डॉ. सुश्री सरोज पांडेय जी
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा
एवं पूर्व राज्यसभा सांसद
मान. डॉ. रमन सिंह जी
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा
मान. अरुण साव जी
उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
मान. विष्णुदेव साय जी
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
मान. विजय शर्मा जी
उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
मान. नंदन जैन जी
प्रदेश कोषाध्यक्ष, भाजपा
माननीय किरण सिंह देव जी
को भारतीय जनता पार्टी के
पुन: प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर
हार्दिक बधाई... शुभकामनाएं
जीवेत शरदः शतम् 19 जनवरी
माननीय प्रदेश अध्यक्ष जी द्वारा
धर्मवीर उपाधि प्राप्त करने वाले
सनातनी युवा
बसंत अग्रवाल जी
को जन्मदिन की
कोटि कोटि बधाई
मान. किरण सिंह देव
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा
मान. चंदन अग्रवाल
प्रदेश कोषाध्यक्ष
राईस मिल एसोसियेशन
मान. बसंत अग्रवाल
समाजसेवी एवं भाजपा नेता
विनीत : समस्त भाजपा कार्यकर्ता एवं मित्रगण

316 साल पुराने स्पेनिश जहाज के मलबे में दबा है 1.66 लाख करोड़ रुपए का खजाना

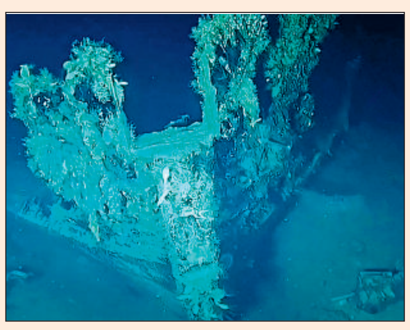

कोलंबिया। कोलंबिया सरकार ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है, जिसमें बताया गया है कि वे 316 साल पहले कोलम्बियाई कैरेबियन (एटलांटिक महासागर) में डूबे स्पेनिश जहाज सैन होजे के मलबे और खजाने की खोज (एक्सप्लोरेशन) में फिरसे जुटेंगे। दरअसल इसके के लिए सरकार ने एक नौसेना जहाज के रोबोट को समुद्र में भेजने का निर्णय लिया है।

खजाने की खोज करेगी कोलंबिया सरकार

जानकारी के अनुसार सालों पहले डूबे स्पेनिश जहाज के बारे में यह रोबोट जानकारी इकट्ठा करने का कार्य करेगा। वहीं इस दौरान, रोबोट मलबे के कुछ हिस्से को बाहर निकालेगा और जांचेगा कि सालों बाद पानी के बाहर निकलने पर मलबे में कैसे बदलाव आते हैं।

रोबोट में लगेंगे कैमरे और सैटेलाइट से जोड़ेंगे

जानकारी के अनुसार अंदर जाने वाले रोबोट में कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे यह जहाज से जुड़ा रिकॉर्ड इकट्ठा कर सकेगा। इसके अलावा, रोबोट को सैटेलाइट से भी कनेक्ट करने की योजना बनाई गई है। अधिक जानकारी में सामने आया है की कोलंबिया सरकार इस अभियान के लिए इस साल करीब 37 करोड़ रुपए खर्च करने का विचार कर रही है। वहीं इस मिशन को 2024 के सेकेंड हाफ में शुरू किया जा सकता है।

खोज क्षेत्र की लोकेशन रहेगी सीक्रेट

दरअसल इस दौरान इस रोबोट को किस क्षेत्र में उतारा जाएगा, इसकी जानकारी को सरकार द्वारा सीक्रेट ही रखा जाएगा। आपको बता दें की ऐसा माना जाता है कि डूबने से पहले सैन होजे जहाज पर सोने-चांदी सहित करीब 1 लाख 66 हजार करोड़ डॉलर का 200 टन का खजाना लदा हुआ था। दरअसल यह साल 1708 में किंग फिलिप V का हिस्सा था।

दुनिया का अनोखा पुल जिस पर बसा है पूरा गांव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

गांव अपने आप में एक संस्कृति और विरासत है। यहां सभी लोग एक-दूसरे से मिलकर रहते हैं। गांव में चौपाल, पंचायत भवन, स्कूल, छोटे बाजार आदि होते हैं। यहां पर किसी जीवन जीने का मुख्य आधार है। यहां सभी त्योहार शादी विवाह आदि सब कुछ सामूहिक तौर पर मनाई जाती है। पहले गांव में शिक्षा और जागरूकता का अभाव था, लेकिन अब सरकार की योजनाओं के तहत इन सब चीजों में पहले से काफी ज्यादा सुधार हुआ है। हालांकि, अब इंसानों ने तरक्की कर ली है। दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक पर एक वीडियो वायरल हुआ है।

जिसे @gunsnrosesgirl3 ने अपने अकाउंट से शेयर किया है। इस वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि एक छोटी सी नदी है। बड़े पिलर्स पर पुल बना हुआ है, जिस पर एक बस्ती बसी हुई है। रंग बिरंगे घरों से बस यह पुल काफी ज्यादा अनोखा लग रहा है। इस पुल पर पक्के घर बने हुए हैं, जिसमें तरह-तरह के कमेंट्स भी यूजर्स कर रहे हैं। यहां मार्केट भी नजर आ रहा है। मन में लोगों के प्रश्न यह भी उठ रहा है कि आखिर लोग घर से बाजारों की तरफ कैसे निकालते होंगे। वीडियो को अब तक तीन लाख लोग देख चुके हैं, जबकि हजारों लोग इसे लाइक कर चुके हैं।

पुल पर बसा अनोखा गांव

कुछ टेक्निक्स को देखकर आंखों पर यकीन भी नहीं होता है। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताएंगे, जो कि पुल पर बसा हुआ है। यहां पर घर सैकड़ों फीट की ऊंचाई पर टंगे हुए हैं। इसे देखकर आपको काफी ज्यादा आश्चर्य होगा। यह गांव किसी अजूबा से काम नहीं है। अक्सर आपने देखा होगा कि पुल को पिलर्स पर तैयार किया जाता है, लेकिन चीन में एक ऐसा पुल है। जिस पर लोगों ने अपना घर बसा रखा है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया एक पर वायरल हो रहा है।

पांच-पांच लाख के दो इनामी नक्सलियों ने किया सरेंडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

छत्तीसगढ़ शासन की नई नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति और जिले में चलाए जा रहे नक्सल अभियान के कारण नक्सलियों के हिंसक और शोषणकारी विचारधारा से तंग आकर कई माओवादी समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय ले रहे हैं। बस्तर क्षेत्र के साथ साथ कबीरधाम जिले में इसका व्यापक असर देखने को मिल रहा है। अभियान से प्रेरित होकर कवर्धा में सक्रिय 5-5 लाख रुपए के इनामी नक्सली दंपति रमेश उर्फ मेस्सा डिप्टी कमांडर, बोड़ला एरिया कमेटी विस्तार प्लाटून नंबर 3 और उसकी पत्नी रोशनी उर्फ हिड़में सदस्य, बोड़ला एरिया कमेटी विस्तार प्लाटून नंबर 3 ने 18 जनवरी को कबीरधाम पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इन दोनों पर थाना तरेगांव में दर्ज 2-2 नक्सल अपराध दर्ज हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह ने बताया कि रमेश उर्फ मेस्सा ने नक्सली संगठन में डिप्टी कमांडर के रूप में काम करते हुए कई हिंसक गतिविधियों को अंजाम दिया था एवं पुलिस के साथ मुठभेड़ में शामिल रहा। वह संगठन में रहने के दौरान एसएलआर राइफलधारी रहा है। वहीं रोशनी उर्फ हिड़में संगठन की प्रशिक्षित सदस्य थी, जो नक्सली हिंसा में सक्रिय भूमिका निभाती रही तथा संगठन में इन्सास राइफल धारी थी। दोनों ने संगठन में व्याप्त आंतरिक संघर्ष, अमानवीय व्यवहार, स्थानीय आदिवासियों पर अत्याचार, और जंगलों में जीवन की कठिनाईयों से परेशान होकर आत्मसमर्पण का निर्णय लिया।

पुनर्वास नीति का दिया जाएगा लाभ

आत्मसमर्पित नक्सली दंपति को शासन की पुनर्वास नीति के तहत दोनों को पृथक-पृथक 25,000-25,000 रुपए कुल 50,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि तत्काल नगद प्रदान की गई। इसके साथ ही भविष्य में 3 वर्ष तक 10,000 रुपए मासिक स्टाइपेंड राशि, निःशुल्क आवास एवं भोजन, स्किल डेवलपमेंट हेतु प्रशिक्षण, कृषि भूमि और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएगी।

125 साल से 'गिरफ्तार' है ये पेड़ पाकिस्तान में काट रहा सजा

नई दिल्ली। अब तक आपने कई तरह के अपराध और सज़ा के बारे में सुना होगा। दुनिया के अलग अलग देशों में विभिन्न अपराधों के लिए कई तरह की सज़ा का प्रावधान है। वहीं रेयर ऑफ दर रेयरेस्ट केस में ऐसी सज़ाएं भी सुनाई गई हैं, जो मिसाल की तरह रही हैं। किसी भी सज़ा का उद्देश्य अपराधी को दंडित करने के साथ समाज में एक संदेश देना भी होता है कि ताकि अन्य लोग इसे लेकर सचेत रहें और अपराधों पर लगाम कसी जा सकें।

पेड़ की गिरफ्तारी

क्या कभी आपने सुना है कि किसी पेड़ को गिरफ्तार किया गया हो और उसे सज़ा सुनाई गई हो। सज़ा स्वरूप उसे ज़ंजीरों में बांधा गया हो और वो भी कोई दो चार या दस साल के लिए नहीं, बल्कि 125 साल तक।

ब्रिटिश अफसर की कारस्तानी

आज हम आपको अजीबोगरीब वाकया बताने जा रहे हैं। ये पेड़ पाकिस्तान के पेशावर में है। तोरखन बॉर्डर के पास लैंडी कोटाल नाम की बस्ती में पिछले 125 साल से ये पेड़ बिना किसी गुनाह के सजा काट रहा है। ऑडिटी सेंट्रल न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार इसके पीछे एक ब्रिटिश अफसर की सनक भरा फैसला है। दरअसल ब्रिटिश अधिकारी जेम्स स्क्विड ने एक दिन नशे की हालत में अपने सिपाहियों से कहा कि ये पेड़ बार-बार भाग रहा है और उसकी पकड़ में नहीं आ रहा है, इसलिए उसे गिरफ्तार किया जाए।

वैज्ञानिकों ने खोजा दुबई से 42 मील दूर 1600 साल पुराना 'मोतियों का शहर'

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात के पुरातत्वविदों ने एक बड़ी खोज की है। दरअसल उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में एक प्राचीन नगर की खोज की है। जानकारी के अनुसार यह नगर दुबई से लगभग 42 मील दूर बताया जा रहा है जो उत्तर-पूर्व में अल सिन्नियाह द्वीप पर स्थित है। वहीं इस खोज से पुरातत्व विभाग को एक बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल इसे क्षेत्र के प्रारंभिक इतिहास के बारे ने नई जानकारी मिल सकती है।

दरअसल इस स्थान को 'पर्लिंग सिटी' या 'मोतियों का शहर' भी कहा गया है। जानकारी के मुताबिक पर्यटकों के लिए लंबे समय अल सिन्नियाह द्वीप एक महत्वपूर्ण आकर्षण बना हुआ है। वहीं पुरातत्वविदों के अनुसार, यहां पर मिले बस्तियों के खंडहर और अवशेष चौथी शताब्दी के हैं, जो कम से कम 1600 साल पुराने हैं। इस महत्वपूर्ण खोज से इलाके के इतिहास के बारे में और नई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की संभावना है।

द्वीप पर जारी है खुदाई

जानकारी के मुताबिक प्राचीन शहर की खुदाई के दौरान प्राप्त चित्रों में तटरेखा के पास स्थित पत्थर की दीवारों की एक श्रृंखला देखी जा सकती है।

वैज्ञानिकों ने किया यह खुलासा

दरअसल अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि इस स्थान से कई बड़े जार मिले हैं, जिन्हें मेसोपोटामिया से मंगाया गया था। दो स्थानों पर आरामी भाषा के शिलालेख भी पाए गए हैं, जो पहली से चौथी शताब्दी के बीच के माने जा रहे हैं। पुरातत्वविदों का अनुमान है कि अल सिन्नियाह द्वीप पर खोजे गए खंडहर तवाम के गुमशुदा शहर के अवशेष हो सकते हैं।

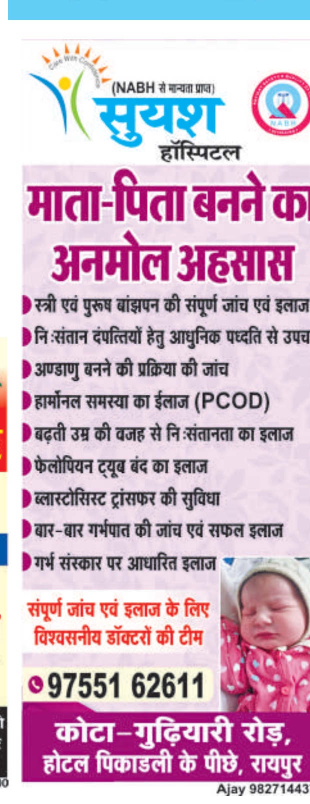

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रम्हवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com